खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 27 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-84

प्लास्टिक माफिया और पानी माफिया से इंटरपोल ने किया आगाह

प्लास्टिक बोतल का पानी हमें मार रहा, उनका धंधा चला रहा

जिस प्लास्टिक की बोतलों और कंटेनरों का पानी हम पी रहे हैं, वह पानी हमारे शरीर में जहर घोलने का काम कर रहा है। प्लास्टिक की बोतलें और कंटेनर कचरे में फेंक दिए हमारे पास न रहे। अन्य विकल्प काफी महंगे कर दिए गए हैं। यह बाजार नियंत्रण करने वाले माफिया और सिंडिकेट की सुनियोजित चाल है। इसमें सरकारें भी माफिया और

प्लास्टिक कचरे के धंधे में कूदे माफिया और अपराधी

गए प्लास्टिक को रीसाइकिल कर बनाए जा रहे हैं और उसी में स्टोर किया हुआ पानी हम पी रहे हैं। प्लास्टिक के बोतलों और कंटेनरों का अधिक से अधिक इस्तेमाल हो, इसके लिए बाजार में ऐसे रीसाइकिल किए हुए बोतल और कंटेनर ठूंस दिए गए हैं, ताकि कोई दूसरा विकल्प सिंडिकेटों का साथ दे रही हैं। सार्वजनिक मंचों पर नेता चाहे भाषण कुछ भी देते हों, प्लास्टिक लॉबी का पैसा खूब खाते हैं और आम जनता को असाध्य रोगों का शिकार होने के लिए विवश करते हैं। भारत में प्लास्टिक माफिया और पानी माफिया का एक ताकतवर सिंडिकेट बन चुका है। सरकार भी इनका कुछ नहीं बिगाड़ पाती। घर-घर में डीप ट्यूबवेल लगाकर पानी खींचा जा रहा है और प्लास्टिक की बोतलों और कंटेनरों में भर-भर कर उसे बाजार में बेचा जा रहा है। सरकार के अलमबरदार नेता घटते भूगर्भ जल का रोना तो रोते हैं, लेकिन माफियाओं और सिंडिकेट का पापजनित धन लेकर खुश होते हैं।

शुभ-लाभ सरोकार

हॉर्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पानी की बोतल को लचीला बनाने के लिए इसमें फाथालेट्स और बीसाफेनॉल-ए (बीपीए) नाम का संख्या कम हो सकती है, और लड़कियों में जल्दी यौवन हो सकता है। यहां तक कि बोतलबंद पानी का सेवन करने वाले लोगों में लीवर और ब्रेस्ट कैंसर होने की संभावना भी

हैदराबाद का भूगर्भ जल सोखने में लगे पानी माफिया

औद्योगिक रसायन मिलाया जाता हैं। यह दिल की बीमारी या मधुमेह की वजह बनता है। बीपीए से उत्पन्न प्लास्टिक प्रदूषण वर्तमान समय की सबसे बड़ी एक वैश्विक पर्यावरणीय चिंता है। अगर लंबे समय तक प्लास्टिक बोतल का इस्तेमाल किया जाए तो इससे पुरुषों में शुक्राणुओं की अधिक होती है। अंतरराष्ट्रीय पुलिस संगठन (इंटरपोल) ने प्लास्टिक अपशिष्ट बाजार में बढ़ती आपराधिक दखलंदाजी पर भारत समेत दुनिया के कई देशों को आगाह किया है। भारत समेत कई देशों से प्लास्टिक कचरा खरीदने से लेकर उसे रीसाइकिल कर उसका सस्ता ▶10 पर

प्लास्टिक बोतल के पानी से रहें सावधान..!

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कारपोरेशन (जीएचएमसी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, शहर में प्रतिदिन औसतन 8,000 मीट्रिक टन (एमटी) कचरा निकलता है, जिसमें से 1,080 मीट्रिक टन या 14.5 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा है। आश्चर्य की बात नहीं है कि प्लास्टिक कचरे में सबसे बड़ा योगदान सिंगल-यूज प्लास्टिक का है, जो हैदराबाद में प्रतिदिन लगभग 915 मीट्रिक टन या 20 प्रतिशत है।भारत का प्रमुख महानगर हैदराबाद प्लास्टिक कचरे के बोझ तले दब रहा है। हैदराबाद शहर में उत्पन्न कुल प्लास्टिक कचरे में से 10 प्रतिशत से अधिक में पॉलीइथिलीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) प्लास्टिक शामिल है, जिसमें बड़े पैमाने पर मिनरल वाटर और कोल्ड ड्रिंक्स की बोतलें शामिल हैं। इस्तेमाल की गई पीईटी बोतलों को खुलेआम फेंक दिया जाता है और कूड़ा-करकट फैला दिया जाता है। झीलों और शहर की जल निकासी प्रणाली में बोतलें ठंसी हुए पाई जाती हैं। स्थिति को और भी बदतर बनाते हैं वे सड़क छाप वेंडर्स जो वही लावारिस पीईटी बोतलें उठा कर उनमें पानी भरकर बेच डालते हैं। पानी माफिया शहर में अवैध प्लांट लगाकर धड़ल्ले से पानी बेच रहे हैं। उनका पानी साफ है या नहीं, लोगों को इसकी जानकारी भी नहीं होती। वहीं, प्लास्टिक की जिन बोतलों में पानी बेचा जा रहा है, वे भी बीमारियों का खतरा बढ़ा रही हैं। यह बोतलें लंबे समय तक इस्तेमाल की जाती हैं और खराब होने के बाद भी नहीं बदली जाती हैं। वहीं, प्लास्टिक की इन बोतलों में भरा पानी गर्मियों में गर्म हो जाता है। ▶10 पर

प्लास्टिक कचरा बढ़ाने में भी हैदराबाद अव्वल है

भारत दुनिया में प्लास्टिक कचरे का सबसे अधिक उत्पादन करता है। यहां एक साल में 1.02 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, जो दूसरे सबसे बड़े प्लास्टिक कचरा उत्पादक के मुकाबले दो गुना से भी अधिक है। सामान्य कचरे से हर देश परेशान है। लेकिन प्लास्टिक कचरा सबसे ज्यादा खतरनाक है। वैज्ञानिक शोध और अध्ययन से पता चला है कि भारत में सबसे अधिक प्लास्टिक कचरा निकलता है। ब्रिटेन के लीड्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के मुताबिक दुनिया हर साल 5.7 करोड़ टन प्लास्टिक प्रदूषण पैदा करती है। यह कचरा सबसे गहरे महासागरों से लेकर सबसे ऊंचे पर्वत शिखर और लोगों के शरीर के अंदर ▶10 पर

लोकसभा अध्यक्ष ने सदन में राहुल गांधी को दी नसीहत

सदन की गरिमा बनाए रखें : बिरला

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सख्त हिदायत दी। उन्होंने कांग्रेस नेता से सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए नियमों का पालन करने को कहा। लोकसभा में कार्यवाही के दौरान उस वक्त सभी चौंक गए, जब ओम बिरला ने राहुल गांधी को सख्त लहजे में हिदायत दी। उन्होंने राहुल से सदन के नियमों का पालन करने को कहा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे सदन के उच्च मानकों और गरिमा को बनाए रखने के लिए ऐसा आचरण करें। अध्यक्ष ने कहा, मेरे संज्ञान में कई ऐसे मामले आए हैं, जहां सदस्यों का आचरण मानकों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा, इस सदन में पिता और पुत्री, माता और पुत्री, पति और पत्नी सदस्य रहे हैं। इस संदर्भ में मैं विपक्ष के नेता से अपेक्षा करता हूं कि वे नियम 349 के अनुसार आचरण करें, जो सदन में सदस्यों द्वारा पालन किए जाने वाले नियमों से संबंधित है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, आपसे सदन की मर्यादा और शालीनता के उच्च मानदंडों को बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। मैं विपक्ष के नेता से नियमों के अनुसार आचरण करने की अपेक्षा करता हूं। विपक्ष के नेता से विशेष रूप से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपना आचरण बनाए रखें। इतना कहकर सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस दौरान सदन से बाहर आए लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, एक कन्वेंशन है कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने दिया जाता है। मैं जब भी खड़ा होता हूं तो मुझे बोलने नहीं दिया जाता। मैं नहीं जानता कि सदन किस प्रकार चल रहा है। यहां हम जो कहना चाहते हैं, हमें कहने नहीं दिया जाता है। मैंने कुछ नहीं किया, मैं बिल्कुल शांति से बैठा था। लोकतंत्र में सरकार और ▶10 पर

विपक्ष के नेता से मर्यादा के पालन की अपेक्षा

सदन में बहन प्रियंका को दुलार रहे थे राहुल गांधी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में आचरण और व्यवहार को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सख्त हिदायत दी। उन्होंने राहुल गांधी से कहा कि वह सदन के नियमों और परंपराओं के अनुरूप आचरण करें। लोकसभा अध्यक्ष ने शून्यकाल के दौरान कहा, सदन के सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे सदन की मर्यादा और शालीनता के उच्च मादपदंडों को बनाए रखें। मेरे संज्ञान में कई ऐसी घटनाएं आई हैं कि सदस्यों के आचारण सदन की उच्च परंपराओं और मापदंडो के अनुरूप नहीं हैं। इस मुद्दे को लेकर भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ▶10 पर

कोटक प्राइवेट और ईवाई के सर्वे से हुआ खुलासा

भारत छोड़ना चाहते हैं 22% अरबपति

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। देश-प्रथम के नारे वाले देश के 22 प्रतिशत अरबपति भारत छोड़कर विदेश में बसना चाहते हैं। एक पूंजी घराने द्वारा कराए गए सर्वेक्षण से यह आकलन उभर कर सामने आया है। देश की अग्रणी संपत्ति प्रबंधक कंपनी कोटक प्राइवेट ने सलाहकार कंपनी ईवाई के साथ मिलकर एक सर्वेक्षण किया है। इस सर्वे में चौंकाने वाली बात सामने आई कि देश के सुपर-रिच लोगों में से अधिकांश लोग भारत छोड़ना चाहते हैं। देश के 100 में से 22 पूंजीपति देश छोड़कर दूसरे देशों में बसने की चाहत रखते हैं। सर्वे के अनुसार, 22 प्रतिशत धनी भारतीय (सुपर-रिच) यहां रहने की स्थिति, विदेशों में बेहतर जीवन स्तर और अन्य देशों में आसान कारोबारी माहौल जैसे कारणों से देश छोड़ना चाहते हैं। यह सर्वे 150 अति धनाढ्य व्यक्तियों (यूएचएनआई) के बीच किया गया। सर्वे के अनुसार अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यहां तक कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) अपनी गोल्डन वीजा योजनाओं के कारण पसंदीदा स्थान हैं, जहां अमीर लोग बसना चाहते हैं।

देश की अग्रणी संपत्ति प्रबंधक कंपनी कोटक प्राइवेट ने सलाहकार कंपनी ईवाई के साथ मिलकर यह सर्वेक्षण किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, हर साल 25 लाख भारतीय दूसरे देशों में प्रवास करते हैं। ▶10 पर

पलायन की वजहों की चिंता नहीं कर रही सरकार

भारत छोड़ देंगे पांच हजार करोड़पति!

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। हेनली एंड पार्टनर्स की रिपोर्ट के अनुसार करीब पांच हजार भारतीय करोड़पति देश छोड़ सकते हैं। इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट माइग्रेशन एडवाइजरी फर्म हेनली एंड पार्टनर्स ने अपनी रिपोर्ट में यह आशंका जताई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय करोड़पति सबसे ज्यादा अमेरिका या संयुक्त अरब अमीरात में जाकर बसते हैं। एक दशक में भारत की संपत्ति में 85 फीसदी की वृद्धि हुई है, यानि जितने करोड़पति यहां से पलायन करते हैं, उससे ज्यादा भारत में पैदा हो रहे हैं। चीन छोड़ने वाले चीनी अमीरों की संख्या भारत छोड़ने वाले अमीरों से 30 फीसदी ज्यादा है। करोड़पतियों के देश से पलायन करने वालों के मामले में भारत तीसरे नंबर पर है। ▶10 पर

भारत सरकार ने खारिज की अमेरिकी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां) । विदेश मंत्रालय (एमईए) ने अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर संयुक्त राज्य आयोग (यूएससीआईआरएफ) द्वारा जारी 2025 की वार्षिक रिपोर्ट को खारिज करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने अमेरिकी पैनल को लेकर कहा कि यूएससीआईआरएफ को एक चिंता का विषय के तौर पर घोषित किया जाना चाहिए। ये रिपोर्ट एक बार फिर से पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित है। साथ ही मंत्रालय ने कहा कि यह भारत के ▶10 पर

योगी आदित्यनाथ ने मुस्लिमों से पूछा महत्वपूर्ण सवाल

हिंदुओं के बीच मुस्लिम सुरक्षित मुस्लिमों के बीच हिंदू क्यों नहीं?

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सौ हिंदू परिवारों के बीच एक मुस्लिम परिवार सुरक्षित रह सकता है। लेकिन सौ मुस्लिम परिवारों के बीच 50 हिंदू सुरक्षित नहीं रह सकता। ऐसा क्यों है? सीएम योगी ने कहा, सौ हिंदू परिवारों के बीच एक मुस्लिम परिवार सबसे सुरक्षित रहता है। उन्हें अपने सभी धार्मिक कार्यों का पालन करने की स्वतंत्रता रहती है। लेकिन क्या सौ मुस्लिम परिवारों के बीच 50 हिंदू सुरक्षित रह पाते हैं? नहीं। इसके अनगिनत उदाहरण हैं। देश में भी और विदेश में भी। बांग्लादेश में क्या हो रहा? पाकिस्तान में क्या हुआ और क्या हो रहा? अफगानिस्तान में क्या हुआ? योगी ने कहा, धुआं देख कर हमें पहले ही सावधान हो जाना चाहिए। यह ध्यान रखने की जरूरत है। योगी ने कहा, हम सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं। सीएम योगी ने यह भी कहा कि वक्फ बिल से मुस्लिमों को भी फायदा होगा। हर व्यक्ति को कानून के दायरे में रहने का सबक सिखाया जाएगा। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में मुस्लिमों की सुरक्षा पर बात की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुसलमान सबसे सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, अगर हिंदू सुरक्षित हैं, तो मुसलमान भी सुरक्षित हैं। अगर 2017 से पहले यूपी में दंगे होते थे, अगर हिंदुओं की दुकानें जल रही थी, तो मुसलमानों की ▶10 पर

वक्फ संशोधन अधिनियम देश और मुसलमानों के हित में है

नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या घटकर 38 हुई

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में भी भारी गिरावट आई है। अप्रैल 2018 तक वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 से घटकर 90 रह गई है, जुलाई 2021 तक यह संख्या 70 और फिर अप्रैल 2024 तक 38 रह गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश में वामपंथी उग्रवाद को पूरी तरह से समाप्त करने की घोषणा की है।केंद्रीय गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में ▶10 पर

दक्षिण कोरिया के जंगल में आग हुई विकराल, 1,300 साल पुराना बौद्ध मंदिर नष्ट, 18 लोगों की मौत

सियोल, 26 मार्च (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्व के जंगल में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया है। आग को नियंत्रित करने की कोशिश जारी है। इस दौरान जंगल में स्थित दक्षिण कोरिया का सदियों पुराना बौद्ध मंदिर नष्ट हो गया है। आग में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है। कोरियाई बौद्ध धर्म के जोग्ये संप्रदाय ने नष्ट हुए बौद्ध मंदिर की तस्वीरें जारी की हैं।

खबर के अनुसार, जोग्ये संप्रदाय ने कहा कि देश की राजधानी सियोल से 125 मील (200 किलोमीटर) से अधिक दूर दक्षिण-पूर्व में स्थित उइसोंग काउंटी में 1,300 साल पुराना गौंसा मंदिर पूरी तरह जलकर राख हो गया है। इसमें केवल इसकी औपचारिक घंटी ही बची हुई है। मगर इस ऐतिहासिक स्थल पर मौजूद कुछ कलाकृतियां बच गई हैं।

दक्षिण कोरिया के आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, देश के दक्षिणी क्षेत्रों के जंगल में शुष्क हवा और तेज हवाओं के कारण भड़की आग में कम से कम 18 लोग मारे गए हैं और 19 अन्य झुलस गए। अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में चार दमकल कर्मचारी भी शामिल हैं।

आग लगातार फैल रही है। आग बुझाने के लिए 10,000 से अधिक अग्निशमन कर्मियों, पुलिस और सिविल सेवकों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार तक आग ने 17,398 हेक्टेयर (लगभग 43,000 एकड़) से अधिक भूमि को जला दिया। दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री और कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने कहा कि हाल के वर्षों में देश में यह सबसे भीषण आग है। इससे भारी क्षति हुई है। हान ने कहा कि यह चिंताजनक है। द कोरिया हेराल्ड अखबार के अनुसार, केंद्रीय आपदा एवं सुरक्षा प्रतिवाद मुख्यालय की ब्रीफिंग में कहा गया है कि आग में बुधवार सुबह तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है। 19 लोग झुलसे हैं। एक व्यक्ति लापता है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप का बड़ा ऐलान कहा- अमेरिकी चुनाव में वोट डालने के लिए नागरिकता जरुरी

न्यूयॉर्क। अपने आदेशों के लिए चर्चित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि अमेरिकी चुनाव में वोट डालने का हक उन्ही को मिलेगा जिनके पास नागरिकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को अमेरिकी चुनावों में व्यापक बदलाव लाने के लिए एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर दस्तखत किए हैं। इसके तहत अब अमेरिका में वोट डालने के लिए यूएस सिटिजनशिप अनिवार्य होगा। इसका यह मतलब होगा कि संघीय चुनावों में वोटिंग के लिए रजिस्ट्रेशन कराने के लिए नागरिकता के दस्तावेज की जरूरत होगी। हालांकि अमेरिका में गैर-नागरिकों द्वारा संघीय चुनावों में मतदान करना पहले से ही अवैध है और इसके लिए उन्हें डिपोर्ट भी किया जा सकता है। हालांकि यह कदम इसीलिए घातक हो सकता है क्योंकि यह कई लोगों को मताधिकार से वंचित कर सकती है। ब्रेनन सेंटर फॉर जस्टिस और अन्य समूहों की 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक मतदान की आयु वाले अनुमानित 9 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों यानी लगभग 21.3 मिलियन लोगों के पास फिलहाल नागरिकता का प्रमाण मौजूद नहीं है। यह चिंता भी जताई जा रही है कि जिन विवाहित महिलाओं ने अपना नाम बदल लिया है, उन्हें पंजीकरण कराने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा क्योंकि उनके जन्म प्रमाण पत्र में उनका पहला नाम दर्ज है। आदेश में कहा गया है कि अमेरिका चुनाव में बुनियादी और जरूरी सुरक्षा मुहैया करने में सफल नहीं रहा है। आदेश में संघीय एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे चुनाव अधिकारियों के साथ संघीय डेटा साझा करें, जिससे उन्हें गैर-नागरिकों की पहचान करने में मदद मिल सके। इसके तहत राज्यों को वोटरों की लिस्ट उपलब्ध कराने और चुनाव संबंधित अपराधों पर सख्त एक्शन लेने का आदेश भी दिया गया है।

हसीना के विरोधियों को अब याद आई युद्ध की विरासत

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने आगामी चुनावों से पहले 1971 के मुक्ति संग्राम की ऐतिहासिक विरासत को कमजोर करने के कथित प्रयासों को लेकर गहरी चिंता जताई है।

खालिदा जिया की बीएनपी पूर्व पीएम शेख हसीना की कट्टर विरोधी पार्टी है। अब चुनावों से पहले इसने 1971 के युद्ध को लेकर बड़ा यूटर्न लिया है। बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने मंगलवार को ढाका में एक बयान में कहा कि कुछ ताकतें जानबूझकर 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के महत्व को कम करने और इसे इतिहास से मिटाने की कोशिश कर रही हैं। चुनावों की तैयारियों के बीच बीएनपी ने अंतरिम सरकार से जल्द से जल्द न्यूनतम सुधारों के साथ स्वीकार्य चुनाव कराने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि अगर सरकार ने लोकतंत्र के खिलाफ कोई कदम उठाया, तो उनके पास इसके खिलाफ खड़े होने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। दूसरी ओर, छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने शेख हसीना की अवामी लीग को चुनावों से बाहर रखने की मांग की है, जिससे बांग्लादेश की राजनीति में तनाव और बढ़ गया है। बीएनपी की यह चिंता ऐसे समय में सामने आई है जब देश में चुनावी सुधारों और रोडमैप की घोषणा को लेकर दबाव बढ़ रहा है।

अफगानिस्तान में बदल रहा हवा का रुख, लड़कियों के लिए 'लेट्स स्टडी' कैम्पेन शुरू

काबुल। अफगानिस्तान में चार साल तक लड़कियों की शिक्षा पर रोक रहने के बाद, कई महिला कार्यकर्ताओं

ने तालिबानी नियमों की निंदा करते हुए नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत के अवसर पर 'लेट्स स्टडी' नामक कैम्पेन शुरू किया है। ऑनलाइन बयान में कार्यकर्ताओं ने कहा कि नए स्कूल वर्ष की शुरुआत के साथ ही 4 लाख अन्य लड़कियां शिक्षा से वंचित हो गई हैं, क्योंकि तालिबान ने अफगान लड़कियों को माध्यमिक और उच्च शिक्षा तक पहुंचने से रोक दिया है। दक्षिण एशियाई राष्ट्र में महिला अधिकार प्रदर्शनकारियों के अभियान ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से 'अज्ञानी आतंकवादी समूह' तालिबान के प्रतिबंध के खिलाफ शिक्षा तक पहुंच के लिए अफगान महिलाओं के संघर्ष में उनका समर्थन करने का भी आग्रह किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिलाओं को अब वास्तविक अधिकारियों से कोई उम्मीद नहीं है, जो महिलाओं के व्यवस्थित उत्पीड़न और मानवाधिकारों के उल्लंघन में शामिल हैं।

व्हाइट हाउस को झटका, काला सागर समझौते को लागू करने पर क्रेमलिन की शर्त, जेलेंस्की ने कहा-यह धोखा

वाशिंगटन/मॉस्को/कीव, 26 मार्च (एजेंसियां)।

व्हाइट हाउस ने मंगलवार को पूरे भरोसे के साथ कहा कि यूक्रेन और रूस दोनों ने काला सागर में बल प्रयोग बंद करने पर सहमति जताई है। यह एक सैद्धांतिक समझौता है। इस पर क्रेमलिन ने व्हाइट हाउस को झटका देते हुए कठोरता के साथ कहा कि इसे लागू करने से पहले उसकी कई शर्तें हैं। समझौता तभी लागू होगा, जब उसकी शर्तें मानी जाएंगी। इस पूरे घटनाक्रम पर यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। जेलेंस्की ने मास्को पर नई शर्तें जोड़कर मध्यस्थों को धोखा देने का आरोप लगाया है।

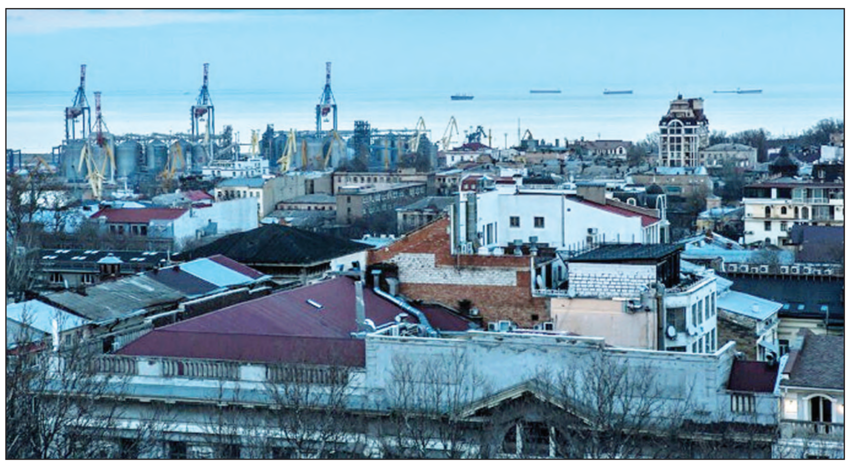

अमेरिका के दो बयान - यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रात्रिकालीन संबोधन में कहा, वे (रूस) पहले से ही समझौतों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश कर रहे हैं और वास्तव में हमारे मध्यस्थों और पूरी दुनिया को धोखा दे रहे हैं। हाल के दिनों में सऊदी अरब में अमेरिकी अधिकारियों ने रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के साथ कई अलग-अलग बैठकें कीं। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को दो बयान जारी किए। दोनों में रूस और यूक्रेन के साथ हुए समझौते की रूपरेखा का उल्लेख किया। इन बयानों में कहा गया, अमेरिका और संबंधित देशों में से प्रत्येक ने सुरक्षित नेविगेशन सुनिश्चित करने, बल प्रयोग को समाप्त करने और काला सागर में सैन्य उद्देश्यों के लिए वाणिज्यिक जहाजों के उपयोग को रोकने पर सहमति व्यक्त की है।

इसके बाद जेलेंस्की का बयान आया सामने - व्हाइट हाउस के बयान के तत्काल बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कीव में संवाददाता सम्मेलन बुलाया। उन्होंने पुष्टि की कि यूक्रेन काला सागर में सैन्य बल का प्रयोग बंद करने पर सहमत हो गया है। इसी दौरान क्रेमलिन के बयान में कहा गया कि वह इस समझौते को तभी लागू करेगा जब उसके बैंकों और खाद्य और उर्वरक निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। ऐसा माना जाता है कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बिना उकसावे के आक्रमण शुरू करने के बाद रूस पर यह प्रतिबंध लगाए गए थे।

ट्रंप बोले-रूस की शर्तों पर होगा विचार - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा कि उनका प्रशासन रूस की शर्तों पर विचार कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा, पांच या छह शर्तें हैं। हम उन सभी पर विचार कर रहे हैं। दिन में विचार रखने के बाद जेलेंस्की ने रात्रिकालीन संबोधन में मॉस्को को खरी खोटी सुनाई। तो क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूस चाहता है कि यह समझौता निष्पक्ष हो। यह याद रखना है कि पिछली बार हमने काला सागर समझौते को वास्तव में लागू करने का प्रयास किया था। मगर दूसरे पक्ष ने इसे नहीं माना। इसलिए इस बार फूंक-फूंक कर कदम आगे बढ़ाया जाएगा।

अमेरिकी वादा - समझा जा रहा है कि काला सागर में तनाव को कम करने के अपने प्रयासों के तहत ट्रंप ने कीव और मास्को दोनों खुश किया है। इसमें एक प्रमुख वादा शामिल है-यह समझौता कृषि और उर्वरक निर्यात के लिए विश्व बाजार में रूस की पहुंच को बहाल करने, समुद्री बीमा लागत को कम करने और ऐसे लेनदेन के लिए बंदरगाहों और भुगतान प्रणालियों तक पहुंच बढ़ाने में मदद करेगा। सनद रहे कीव और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने पहले ही युद्धविराम लागू होने से पहले प्रतिबंधों को हटाने के खिलाफ चेतावनी दी है।

ऊर्जा केंद्रों पर हमले चिंता का सबब - व्हाइट हाउस के बयानों में यह भी कहा गया कि अमेरिका और दोनों देश रूस और यूक्रेन की ऊर्जा सुविधाओं पर हमले पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक समझौते को कार्यान्वित करने के लिए उपाय विकसित करने पर सहमत हुए हैं। जेलेंस्की और क्रेमलिन ने व्हाइट हाउस के इस बयान की पुष्टि की है। क्रेमलिन ने कहा कि ऊर्जा केंद्रों पर यह रोक 18 मार्च से शुरू हुई और 30 दिनों के लिए प्रभावी होगी, लेकिन इसे बढ़ाया जा सकता है। बाद में जेलेंस्की ने मॉस्को के इस दावे को खारिज कर दिया कि दूसरे के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला करने पर रोक लग गई है। उन्होंने कहा कि क्रेमलिन झूठ बोल रहा है। यूक्रेन के साथ वार्ता के परिणामों को रेखांकित करने वाले बयान में व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका युद्ध कैदियों के आदान-प्रदान, नागरिक बंदियों की रिहाई और जबरन स्थानांतरित यूक्रेनी बच्चों की वापसी में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रियाद रहा वार्ता का केंद्र - रूसी और अमेरिकी अधिकारियों ने सोमवार को रियाद के रिट्ज-कार्लटन होटल में मुलाकात की थी। इसी स्थान पर एक दिन पहले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने यूक्रेनी अधिकारियों से मुलाकात की थी। इससे पहले यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने ट्रंप के दूत कीथ केलॉग से मुलाकात की थी। कहा जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र और तुर्किये की मध्यस्थता से किए गए समझौते ने यूक्रेन को समुद्र के रास्ते अनाज निर्यात करने की अनुमति दी है। उसके जहाज काला सागर के बंदरगाहों की रूसी नाकाबंदी को दरकिनार कर और वैश्विक बाजारों तक पहुंचने के लिए तुर्किये के बोस्फोरस जलडमरूमध्य के जलमार्ग से सुरक्षित गुजरेंगे।

मेहुल चोकसी पर बेल्जियम सरकार की नजर, बढ़ सकती हैं मुश्किलें

ब्रुसेल्स, 26 मार्च (एजेंसियां)।

भारत के भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी पर भारत में पंजाब नेशनल बैंक से जुड़ा 13,850 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले का आरोप है। इनकी मुश्किलें बढ़ सकती है क्योंकि बेल्जियम सरकार लगातार चोकसी पर नजर रखे हुए हैं। बेल्जियम के फेडरल पब्लिक सर्विस (एफपीएस) विदेश मामलों के प्रवक्ता और सोशल मीडिया एवं प्रेस सेवा प्रमुख डेविड जोर्डेन्स ने कहा कि उनकी सरकार इस मामले को गंभीरता से देख रही है। उन्होंने कहा, मैं पुष्टि कर सकता हूं कि एफपीएस का विदेश विभाग इस मामले से अवगत है और इसे अत्यधिक महत्व देता है। हालांकि, हम व्यक्तिगत मामलों पर टिप्पणी नहीं करते। इस बीच, एंटीगुआ और बारबुडा की सरकार ने पुष्टि की है कि चोकसी चिकित्सा उपचार के लिए देश से बाहर गया है, लेकिन वह अब भी एंटीगुआ का नागरिक बना हुआ है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि भारत ने बेल्जियम सरकार से चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू करने का अनुरोध किया है, हालांकि इस संबंध में भारतीय अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, चोकसी जल्द ही स्विट्जरलैंड के एक कैंसर अस्पताल में इलाज के लिए जाने की योजना बना रहा है। गौरतलब है कि मेहुल चोकसी, अपने भतीजे नीरव मोदी के साथ, पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में वांटेड है और भारत सरकार कई वर्षों से उसके प्रत्यर्पण के प्रयास कर रही है। अब यह देखना होगा कि बेल्जियम, एंटीगुआ और भारत की सरकारें इस मामले को लेकर क्या कदम उठाती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चोकसी फिलहाल बेल्जियम के एंटवर्प शहर में अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा है और उसने वहां का रहवासी कार्ड हासिल कर लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चोकसी ने बेल्जियम में निवास आवेदन के दौरान झूठे दस्तावेज पेश किए और अपनी भारतीय व एंटीगुआ की नागरिकता की जानकारी छिपाई। एंटीगुआ और बारबुडा के विदेश मंत्री ईपी चेट ग्रीन ने चोकसी के देश छोड़ने की पुष्टि करते हुए कहा, मुझे बताया गया है कि मेहुल चोकसी चिकित्सा उपचार के लिए विदेश गया है।

तलाक का फैसला सुनते ही पति आया सदमे में

पड़ोसी देश चीन में पति-पत्नी के बीच तलाक का केस चल रहा था। तलाक को लेकर पति-पत्नी के बीच सारी बातें लगभग तय हो चुकी थीं, जिसके बाद आखिरी फैसला देते वक्त जज ने कुछ ऐसा कह दिया, जिसके बारे में पति ने सोचा भी नहीं था। इसे सुनते ही वो सदमे में आ गया। उसे प्रॉपर्टी में हिस्सा देने और बच्चों की परवरिश में शेयर देने के बारे में पता था लेकिन इस बात का अंदाज़ा नहीं था कि एक मोटी रकम उसे घरेलू कामकाज के लिए चुकानी होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक हु सरनेम वाले एक शख्स की शादी साल 2011 में हुई थी। कपल की एक बेटी भी उसी साल हो गई थी। पिछले कुछ सालों में उनके बीच बच्ची की पढ़ाई को लेकर झगड़ा चलता रहता था। ऐसे में साल 2022 में हु ने घर छोड़ दिया और कपल अलग-अलग रह रहा था।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ पर अमेरिका लगा सकता है प्रतिबंध, संसद में हुआ बिल पेश

वाशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर को लेकर ट्रंप सरकार सख्त है और बहुत जल्द अमेरिका प्रतिबंध लगा सकता है। इसके लिए अमेरिकी कांग्रेस में एक बिल पेश किया गया है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान में राजनीतिक विरोधियों के दमन, विशेष रूप से दुनिया में मशहूर क्रिकेटर और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर सैन्य नेतृत्व की जवाबदेही तय करना है।

जानकारी अनुसार पाकिस्तानी आर्मी चीफ से संबंधित बिल रिपब्लिकन सांसद जो विल्सन और डेमोक्रेटिक सांसद जिमी पनेटा द्वारा संसद में पेश किया गया है। यह प्रस्ताव ग्लोबल मैग्निट्सकी ह्यूमन राइट्स अकाउंटेबिलिटी एक्ट के तहत पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश करता है। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो जनरल मुनीर समेत अन्य सैन्य अधिकारियों पर प्रतिबंध लग सकता है और उनकी विदेशों में स्थित संपत्तियां जब्त की जा सकती हैं।

इस बिल को डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना, इल्हान उमर और रिपब्लिकन सांसद जैक बर्गमैन सहित कुल 10 सांसदों का समर्थन प्राप्त है।

अमेरिकी वीजा पर रोक

बिल के पारित होने पर अमेरिका 180 दिनों के भीतर पाकिस्तान की सैन्य लीडरशिप पर प्रतिबंध लागू करेगा। इसमें उन अधिकारियों की पहचान की जाएगी, जिन्होंने राजनीतिक दमन में भूमिका निभाई है। ऐसे अधिकारियों को अमेरिकी वीजा नहीं मिलेगा और उनके अमेरिका में प्रवेश पर पाबंदी लगाई जाएगी।

पाकिस्तान पर प्रतिबंधों में राहत की संभावना

बिल में यह भी शर्त रखी गई है कि यदि पाकिस्तान में सैन्य सत्ता का दखल कम होता है, तो उस पर पहले से लगे कुछ प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं।

नेपाल में राजशाही की वापसी की फिराक में ज्ञानेन्द्र शाह, काठमांडू में 28 मार्च को शक्ति प्रदर्शन, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी का मिला साथ

काठमांडू, 26 मार्च (एजेंसियां)।

नेपाल में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के राजशाही के वापसी के लिए किए जा रहे प्रयासों के समर्थन में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने एक माह के देशव्यापी आंदोलन के अपने कार्यक्रम की घोषणा की है। पार्टी इस अवधि में मौजूदा सरकार के खिलाफ विरोध सभा, धरना और प्रदर्शन करेगी। पार्टी 28 मार्च को काठमांडू में पूर्व राजा के समर्थन में होने वाले शक्ति (जन) प्रदर्शन में जोर-शोर से हिस्सा लेगी

राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की दो दिनों तक चली आंदोलन समिति की बैठक के बाद आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई है। आंदोलन परिचालन समिति के संयोजक बनाए गए सासंद धवल शमशेर राणा ने सुबह संवाददाता सम्मेलन में रूपरेखा को सार्वजनिक किया है। राणा के मुताबिक सबसे पहले 28 मार्च को काठमांडू में होने वाले जन प्रदर्शन में शाह के समर्थन में सड़कों पर उतरा जाएगा।

पूर्व राजा ने नवराज सुवेदी के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया है जिसके भीतर सभी राजसंस्था समर्थक राजनीतिक दल, संघ संगठन, समूह को शामिल किया गया है। 28 मार्च को नेपाल के विपक्षी दलों का मोर्चा भी राजसंस्था के विरोध में प्रदर्शन करने की तैयारी है।

राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने 8 अप्रैल को काठमांडू में आमसभा करने की घोषणा की है। इस आमसभा में काठमांडू और आसपास के 10 जिलों से लोगों को बुलाकर प्रदर्शन करने की जानकारी दी गई है। राप्रपा के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि इस सभा के लिए पार्टी से जनसंपर्क अभियान शुरू कर आम लोगों से इस आंदोलन से जुड़ने की अपील करने वाली है।

उन्होंने बताया कि 10 अप्रैल से 20 अप्रैल तक देश के सभी प्रमुख शहरों में आमसभा, जुलूस प्रदर्शन और जिला प्रशासन मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करने का कार्यक्रम है। इसके बाद 20 अप्रैल से काठमांडू केंद्रित आंदोलन को आगे बढ़ाने की राप्रपा की योजना है। धवल शमशेर राणा ने कहा कि 20 अप्रैल से काठमांडू हर दिन कोई न कोई आंदोलन का कार्यक्रम रखा गया है।

आंदोलन के आखिरी चरण में राजदरबार के भीतर जाकर वहां प्रदर्शन करने की बात कही गई है। राणा ने बताया कि 24 अप्रैल को नारायणहिटी राजदरबार के आगे लाखों नेपाली जनता को उतारकर दरबार के भीतर राज को स्थापित करने की योजना है। 24 अप्रैल को ही तत्कालीन राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने निरंकुश राजशाही के अंत की घोषणा करते हुए लोकतंत्र की पुनर्बहाली की घोषणा इसी दरबार से की थी। बाद में सरकार ने राजा ज्ञानेन्द्र और उनके पूरे परिवार को राजदरबार खाली करने का आदेश दिया। इसके बाद ज्ञानेन्द्र शाह ने अपने परिवार सहित नारायणहिटी दरबार खाली कर दिया था।

भारत, तालिबान से रिश्ते कर रहा बेहतर, चीन-पाकिस्तान को पछाड़ने की तैयारी

काबुल। भारत और तालिबान के बीच रिश्ते तेजी से बेहतर हो रहे हैं। भारतीय अधिकारियों और अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान के नेताओं के बीच कई बैठकें भी हुई हैं। इस बीच एक बड़ा फैसला भारत की नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ले सकती है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को नई दिल्ली में अपना राजदूत नियुक्त करने की अनुमति दे सकता है। ऐसा होता है तो यह भारत की ओर से तालिबान को मान्यता देने जैसा होगा। अभी तक ज्यादातर देश ऐसा करने से बचते रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत को लगता है यह तालिबान का समर्थन करने का सही समय है। भारत, अफगानिस्तान को अपने लिए रणनीतिक रूप से अहम मानता है और वहां प्रभाव बढ़ाना चाहता है। भारत के लिए ये जरूरी भी है क्योंकि चीन पहले ही तालिबान से रिश्ता बेहतर कर रहा है। चीन पहला देश है, जिसने तालिबान के राजदूत को मान्यता दी और अफगानिस्तान में कई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट में निवेश किया है। ऐसे में भारत भी अफगान तालिबान को राजदूत नियुक्त करने की इजाजत देकर संबंधों को बेहतर करना चाहता है। भारत के पास अफगानिस्तान में चीन का मुकाबला करने के साथ पाकिस्तान पर बढ़त बनाने का भी मौका है।

फूल खिले गुलशन गुलशन

पर्यटकों के लिए खुल गया ट्यूलिप गार्डन

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 26 मार्च।

श्रीनगर में एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन जनता के लिए खोल दिया गया है। यह ट्यूलिप शो 2025 की शुरुआत का प्रतीक है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 1.7 मिलियन से अधिक ट्यूलिप की लुभावनी प्रदर्शनी का अनावरण करते हुए इस गार्डन का उद्घाटन किया।

अधिकारियों ने बताया कि टूरिस्टों के लिए आधिकारिक तौर पर गार्डन खोलने के बाद, मुख्यमंत्री ने इसका दौरा किया और खिलते हुए ट्यूलिप को देखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इस साल गार्डन में विभिन्न किस्मों के 1.7 मिलियन ट्यूलिप खिलेंगे, जो आने वालों को मंत्रमुग्ध कर देंगे। उम्मीद है कि यह गार्डन स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा

2007 में अपनी स्थापना के बाद से पिछले साल इस उद्यान में 4,65,000 पर्यटकों की सर्वकालिक उच्च संख्या देखी गई है। 2023 में, उद्यान में 3,65,000 पर्यटकों का स्वागत किया गया। अधिकारी इस मौसम के दौरान फिर से रिकार्ड तोड़ने के बारे में आशावादी हैं। उद्यान प्रभारी जाविद मसूद ने कहा कि हमने खिलने की अवधि बढ़ाने और टूरिस्टों को लंबे समय तक उद्यान का आनंद लेने की अनुमति देने के लिए चरणों में ट्यूलिप बल्ब लगाए हैं। मनमोहक ट्यूलिप के अलावा, 55 हेक्टेयर के इस उद्यान में जलकुंभी, डेफोडिल, मस्करी और साइक्लेमेन जैसे कई तरह के वसंत के फूल खिलेंगे।

इस बीच, अनुमानित उछाल को समायोजित करने के लिए, अधिकारियों ने पार्किंग सुविधाओं को बढ़ाया है और श्रीनगर हवाई अड्डे और पर्यटक स्वागत केंद्र सहित प्रमुख स्थानों पर आनलाइन टिकटिंग सिस्टम और क्यूआर कोड-आधारित बुकिंग सुविधाएं शुरू की हैं। फ्लोरीकल्चर के निदेशक शकील-उल-रहमान राठेर ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य भीड़ को कम करना और भीड़ को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना है। राठेर ने कहा कि हमने कई देशों के पर्यटन विभागों के साथ भागीदारी की है, जिससे यात्रियों को उनकी वेबसाइटों के माध्यम से टिकट बुक करने की अनुमति मिलती है। वे कहते हैं कि पहली बार, हम आनलाइन और भौतिक टिकट दोनों विकल्प दे रहे हैं, और अगले दो से तीन वर्षों के भीतर, पूरी प्रक्रिया डिजिटल हो जाएगी। पर्यटकों की आमद को और कम करने के लिए, टिकट अब चुनिंदा होटलों में उपलब्ध हैं। राठेर कहते थे कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वैध टिकट वाले लोग ही उद्यान में जाएं, जिससे भीड़ को प्रबंधित करने और ट्रैफिक की भीड़ को कम करने में मदद मिलेगी।

डल झील का इतिहास तो सदियों पुराना है। पर ट्यूलिप गार्डन का मात्र 17 साल पुराना। मात्र 17 साल में ही यह उद्यान अपनी पहचान को कश्मीर के साथ यूं जोड़ लेगा कोई सोच भी नहीं सकता था। डल झील के सामने के इलाके में सिराजबाग में बने ट्यूलिप गार्डन में ट्यूलिप की 75 से अधिक किस्में आने-जाने वालों को अपनी ओर आकर्षित किए बिना नहीं रहती हैं। यह आकर्षण ही तो है कि लोग बाग की सैर को रखी गई फीस देने में भी आनाकानी नहीं करते। जयपुर से आई सुनिता कहती हैं कि किसी बाग को देखने का यह चार्ज ज्यादा है पर भीतर एक बार घूमने के बाद लगता है यह तो कुछ भी नहीं है।

सिराजबाग हरवान-शालीमार और निशात चश्माशाही के बीच की जमीन पर करीब 700 कनाल एरिया में फैला हुआ है। यह तीन चरणों का प्रोजेक्ट है जिसके तहत अगले चरण में इसे 1360 और 460 कनाल भूमि और साथ में जोड़ी जानी है। शुरू-शुरू में इसे शिराजी बाग के नाम से पुकारा जाता था। असल में महाराजा के समय उद्यान विभाग के मुखिया के नाम पर ही इसका नामकरण कर दिया गया था

सहकारिता विवि विधेयक लोकसभा में ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा ने प्रशिक्षित श्रमबल के सहयोग से देश में सहकारिता को बढावा देने के लिए पेश 'त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक-2025' को बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

सहकारिता मंत्री अमित शाह ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुये कहा कि सहकारिता देश के हर क्षेत्र और हर परिवार से ताल्लुक रखता है, हर गांव में सहकारिता की इकाइयां हैं। सहकारिता कृषि विकास, ग्रामीण विकास से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि सहकारिता की मजबूती से देश की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, इससे स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे, नवाचार होगा और अनुसंधान के नये मानक गढ़े जायेंगे इस मकसद को पूरा करने के लिए सरकार त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक लेकर आई है।

श्री शाह ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय रखने का उद्देश्य सहकारिता के क्षेत्र श्री त्रिभुवन भाई पटेल के किये गये कार्यों को सम्मान और मान्यता देना है। श्री पटेल ने अमूल डेयरी जैसे विश्व स्तरीय ब्रांड की नींव रखी थी। उनके प्रयासों से 250 लीटर दूध से शुरू की गयी अमूल डेयरी की यात्रा आज 60 हजार करोड़ रुपये तक कारोबार तक पहुंच गयी है। अमूल का व्यवसाय आज कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों से भी बड़ा है। अमूल 36 लाख महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराता है।

उन्होंने कहा कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में किये गये कार्यों के कारण मोदी सरकार का कार्यकाल इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। पूरे देश का सहकारिता का डाटाबेस बनाया जा चुका है और दो लाख नये प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) बनायी जा चुकी हैं। सभी गांवों में इनका गठन किया जायेगा।सहकारिता क्षेत्र के लिये बनाये गये उपनियमों को पूरे देश ने अपनाया है, इसके लिये वह सभी राज्यों को धन्यवाद देते हैं।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि देश भर में पैक्स के माध्यम से 576 गोडाउन बनाये जा चुके हैं, जो बहुउद्देशीय साबित हो रहे हैं। राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम बहुत अच्छा काम कर रहा है। ऋण देने के काम के विस्तार के साथ इसका मुनाफा बढ़ रहा है और डिपाजिट भी बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि सहकारी चीनी मिलों के सुधार के लिये सरकार ने बहुत काम किये हैं। रिजर्व बैंक ने सहकारी बैंकों के लिये नोडल एजेंसी बनायी है, जो इन बैंकों के कामकाज पर नजर रखती है। सहकारी चीनी मिलों का वित्तीय प्रबंधन बेहतर किया गया है।

श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देश में रिकॉर्ड दूध उत्पादन किया गया है। उनका कहना था कि दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा तो महिलाओं का सशक्तीकरण भी होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के नारे को साकार करने के लिये सरकार दिन- रात काम कर रही है। उकना यह भी कहना था कि ओला-उबर जैसी टैक्सी संचालन करने वाली कंपनियों के लिये भी सहकारी क्षेत्र का द्वार खुलेगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि बहुत जल्द देश की सहकारी बीमा कंपनी बनेगी जो निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी बीमा कंपनी होगी।

उन्होंने कहा कि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय गुजरात में भले ही स्थापित किया जा रहा है, लेकिन इसका कार्य क्षेत्र पूरा भारत होगा। इस विश्वविद्यालय से पढ़कर निकलने वाले पेशेवर सहकारी क्षेत्र में अपनी सेवायें देंगे। इससे सहकारी क्षेत्र की कार्यकुशलता बढ़ने के साथ ही इस क्षेत्र में नौकरियां देने में होता रहा भाई-भतीजावाद भी खत्म होगा।

महादेव ऐप घोटाला : भूपेश बघेल तक पहुंची जांच

60 ठिकानों पर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को महादेव बुक ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले की जांच में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के भोपाल, पश्चिम बंगाल के कोलकाता और दिल्ली में 60 स्थानों पर तलाशी ली। इस दौरान राजनेताओं, वरिष्ठ नौकरशाहों, पुलिस अधिकारियों, महादेव बुक के प्रमुख पदाधिकारियों और मामले में संदिग्ध अन्य लोगों से जुड़े ठिकानों पर तलाशी ली गई।

यह मामला रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर द्वारा प्रवर्तित एक ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच महादेव बुक के अवैध संचालन से संबंधित है, जो वर्तमान में दुबई में रहते हैं। तलाशी के दौरान डिजिटल और दस्तावेजी साक्ष्य पाए गए और उन्हें जब्त कर लिया गया। तलाशी जारी है। इस दौरान छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के रायपुर के सरकारी और भिलाई के निजी आवास पर आज सुबह सीबीआई ने छापेमारी की। सीबीआई ने भूपेश के कई सहयोगियों और करीबियों के घरों पर भी तलाशी ली।

सीबीआई जांच से पता चला है कि प्रमोटरों ने कथित तौर पर अपने अवैध सट्टेबाजी नेटवर्क के सुचारू और निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए लोकसेवकों को सुरक्षा धन के रूप में पर्याप्त मात्रा में भुगतान किया। शुरुआत में मामला आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) रायपुर द्वारा दर्ज किया गया। बाद में मामले को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा वरिष्ठ सार्वजनिक अधिकारियों और अन्य आरोपी व्यक्तियों की भूमिका की व्यापक जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के विवादित आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस विवादित आदेश पर बुधवार को रोक लगा दी जिसमें कहा गया था कि 'नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश करना' दुष्कर्म के प्रयास के अपराध की श्रेणी में नहीं आता।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से कड़ी असहमति व्यक्त की और इसे 'चौंकाने वाला' बताया।

न्यायमूर्ति गवई ने टिप्पणी की, यह एक गंभीर मामला है। न्यायाधीश(इलाहाबाद उच्च न्यायालय) की ओर से पूरी तरह असंवेदनशीलता है। यह समन जारी करने के चरण में था। हमें न्यायाधीश के खिलाफ ऐसे कठोर शब्दों का उपयोग करने के लिए खेद है।

पीठ ने इन टिप्पणियों पर रोक लगाने का आदेश दिया और भारत संघ, उत्तर प्रदेश राज्य और उच्च न्यायालय की कार्यवाही में शामिल पक्षों को नोटिस जारी किए।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि हालांकि शीर्ष न्यायालय को आमतौर पर इस चरण में रोक लगाने में हिचक है, लेकिन उच्च न्यायालय के आदेश के पैराग्राफ 21, 24 और 26 में की गयी टिप्पणियां कानून के सिद्धांतों के विपरीत थीं और एक अमानवीय दृष्टिकोण को दर्शाती थीं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस बात पर सहमति जताते हुए कि यह एक 'चौंकाने वाला' फैसला था, कहा कि जिस तरह से मामले को संभाला गया वह बेहद गंभीर था।

उन्होंने सुझाव दिया कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को रोस्टर के मास्टर के रूप में कदम उठाने चाहिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता की ओर से एनजीओ 'वी द वूमन ऑफ इंडिया' का प्रतिनिधित्व करते हुए विवादास्पद फैसले को उजागर करते हुए एक पत्र लिखे जाने के बाद मामला शीर्ष न्यायालय पहुंचा।

एक अन्य एनजीओ 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस' ने कहा कि वह भी मामले में पीड़िता का प्रतिनिधित्व कर रहा है।

शीर्ष न्यायालय ने कहा , एनजीओ 'वी द वूमन ऑफ इंडिया' ने हमारे संज्ञान में लाया कि 17 मार्च, 2025 को पारित फैसले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों से पता चलता है कि फैसले के लेखक की ओर से संवेदनशीलता की कमी है।

शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यह फैसला अचानक नहीं सुनाया गया बल्कि करीब चार महीने तक इसे सुरक्षित रखने के बाद सुनाया गया। इसका मतलब यह है कि न्यायाधीश ने उचित विचार-विमर्श और दिमाग लगाने के बाद फैसला सुनाया।

शीर्ष न्यायालय की पीठ ने कहा कि चूंकि टिप्पणियां कानून के सिद्धांतों से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं और पूरी तरह असंवेदनशील और अमानवीय दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, इसलिए टिप्पणियों पर रोक लगाना मजबूरी है।

गौरतलब है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 17 मार्च-2025 को अपने आदेश में कहा था कि इस तरह के कृत्य प्रथम दृष्टया यौन अपराध बाल संरक्षण अधिनियम(पोस्को) के तहत 'गंभीर यौन उत्पीड़न' का अपराध बनेंगे, जिसमें कम सजा का प्रावधान है। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ ने दो आरोपियों पवन और आकाश द्वारा 11 वर्षीय लड़की पर हमले से संबंधित मामले में फैसला सुनाया था।

इस फैसले की व्यापक रूप से आलोचना की गयी और एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया।

विशेष अभियान के तहत 30,300 करोड़ रुपये की विदेशी संपत्ति और आय की घोषणा की गई

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 30,000 से अधिक करदाताओं ने 2024-25 के लिए अपने आयकर रिटर्न को संशोधित किया है या बिलेटेड रिटर्न फाइल किया। इसके बाद आयकर विभाग द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के तहत 30,300 करोड़ रुपये की विदेशी संपत्ति और आय की घोषणा की गई है।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में कहा कि करीब 19,501 करदाताओं को एसएमएस और ई-मेल भेजे गए, जिसमें उनसे आयकर विभाग द्वारा विदेशी जमा पर एकत्रित जानकारी के आधार पर अपने आयकर रिटर्न की समीक्षा करने के लिए कहा गया।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के परिणामस्वरूप 11,162 करदाताओं ने अपने कर रिटर्न में संशोधन किया और शेड्यूल फॉरेन एसेट्स फॉर्म फाइल किया, जिसमें कुल 11,259.29 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की गई और 154.42 करोड़ रुपये की विदेशी आय का खुलासा किया गया।

अन्य 883 करदाताओं ने अपने आईटीआर को संशोधित किया और 2024-25 के लिए संशोधित रिटर्न में अपना स्टेटस निवासी से अनिवासी में परिवर्तित किया।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने संशोधित आईटीआर में अन्य 13,516 करदाताओं ने 7,564 करोड़ रुपये की विदेशी संपत्ति और लगभग 353 करोड़ रुपये की विदेशी आय घोषित की।

आयकर विभाग ने अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य विदेशी संपत्ति और आय के स्वैच्छिक प्रकटीकरण को प्रोत्साहित करना है।

अभियान के कारण 2023-24 की तुलना में 2024-25 में स्वैच्छिक प्रकटीकरण में सालाना आधार पर 45.17 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सूत्रों के अनुसार, कर अधिकारियों को देश के बाहर अपने नागरिकों द्वारा अर्जित ब्याज और लाभांश के रूप में विदेशी खातों और आय के बारे में 108 से अधिक देशों से वित्तीय जानकारी प्राप्त हुई।

विदेशी संपत्तियों और आय का स्वेच्छा से खुलासा करने वाले करदाताओं की संख्या 2021-22 में 60,000 से बढ़कर 2024-25 में 2,31,452 हो गई है।

कॉमन रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड्स (सीआरएस) को अपनाने वाले शुरुआती देशों में भारत भी शामिल है और 2018 से डेटा प्राप्त कर रहा है।

सीआरएस के तहत 125 से अधिक देशों ने स्वचालित आधार पर दूसरे अधिकार क्षेत्रों से जुड़े व्यक्तियों की वित्तीय जानकारी साझा करने पर सहमति व्यक्त की है।

फॉरेन अकाउंट टैक्स कम्प्लायंस एक्ट (एफएटीसीए) 2010 के अंतर्गत अंतर-सरकारी समझौते के तहत अमेरिका के साथ भी इसी तरह का आदान-प्रदान होता है।

सूचना के स्वचालित आदान-प्रदान के तहत प्राप्त इस डेटा का इस्तेमाल करते हुए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 17 नवंबर 2024 को एक कम्प्लायंस कम अवेयरनेस अभियान शुरू किया, जिसमें करदाताओं से असेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए रिवाइज्ड आयकर रिटर्न (आईटीआर) में अपनी विदेशी संपत्ति और आय घोषित करने का आग्रह किया गया।

यह अभियान सीआरएस और एफएटीसीए के जरिए एक सिस्टम-ड्रिवन और टैक्सपेयर-फ्रेंडली रुख का अनुसरण करता है।

आयकर विभाग ने करदाताओं को शेड्यूल फॉरेन एसेट्स और शेड्यूल फॉरेन सोर्स इनकम को भरने के लिए स्टेप-बाय-स्टेप गाइड की सुविधा उपलब्ध करवाई है। साथ ही इन फ्रेमवर्क के तहत आने वाली जानकारियों को समझाने के लिए मटीरियल भी उपलब्ध करवाया है।

त्रिपुरा में घुसे 6 घुसपैठियों को मिली 2 साल की सजा

अगरतला, 26 मार्च (एजेंसियां)। त्रिपुरा में बांग्लादेशी घुसपैठियों को जेल की सजा सुनाई गई है। मंगलवार 25 मार्च को गोमाटी जिले की अतिरिक्त सेशन जज कोर्ट ने छह बांग्लादेशी घुसपैठियों सौमिया खातून, तस्लीम बिस्वास, सलीना बेगम, रीमन बेगम, अब्दुल रहीम शेख और असलम भुइया को दो साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

ये लोग अवैध रूप से त्रिपुरा में घुसे थे, लेकिन अब जेल में मेहनत करनी पड़ेगी। कोर्ट ने फॉरेनर्स एक्ट की धारा 14(ए) के तहत हर एक पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। अगर ये जुर्माना नहीं भर पाए, तो दो महीने की अतिरिक्त सश्रम सजा भुगतनी होगी। त्रिपुरा पुलिस ने बताया कि सिलचरी पुलिस स्टेशन के एएसआई दयाल देबबर्मा ने मामले की गहरी जांच की और चार्जशीट दाखिल की, जिसके बाद सजा सुनाई गई। इसके अलावा आईपीपी एक्ट के सेक्शन 3 के तहत 10 हजार रुपए जुर्माने के साथ तीन महीने की सश्रम सजा दी गई। जुर्माना न भरने पर एक महीने और जेल काटनी होगी। इससे पहले, 15 मार्च को उनाकोटि जिले में 3 रोहिंग्या घुसपैठियों को भी 2-2 साल की सजा और जुर्माना लगाया गया था। ये रोहिंग्या बांग्लादेश के रास्ते ही भारत में घुसे थे।

सोना तस्करी के लिए हवाला का पैसा इस्तेमाल करती थी रान्या

बेंगलुरु, 26 मार्च (एजेंसियां)। सोना तस्करी मामले में पकड़ी गई कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव हवाला कनेक्शन की बात स्वीकार कर ली है। रान्या राव को पैसा हवाला के माध्यम से भेजा जाता था, उसने डीआरआई की पूछताछ में यह बात कबूल की है। रान्या राव हवाला से भेजे गए पैसे का इस्तेमाल सोना खरीदने में करती थी। रान्या राव की जमानत याचिका एक बार खारिज हो चुकी है, वह अब सेशंस कोर्ट पहुंची है। कोर्ट ने उसकी जमानत याचिका पर 27 मार्च तक फैसला सुरक्षित रख लिया है। एक्ट्रेस रान्या राव को सीबीआई ने दुबई से लौटते समय बेंगलुरु एयरपोर्ट पर 14.8 किलो सोने के साथ गिरफ्तार किया था। रान्या कर्नाटक के डीजीपी रैंक के आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव की बेटी है। इस मामले में रामचंद्र राव के खिलाफ भी जांच चल रही है।

भारत से बाहर शूट होने वाली पहली फिल्म थी संगम

राज कपूर की फिल्म ने बदल दिया था शूटिंग ट्रेंड, बनी कल्ट क्लासिक

फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और नए ट्रेंड्स लाने के लिए हमेशा कुछ खास सोच और क्रिएटिविटी की आवश्यकता होती है। 40 के दशक में एक अभिनेता ने न सिर्फ अभिनय बल्कि फिल्म निर्माण में भी अपनी पहचान बनाई और इंडस्ट्री पर अपना कब्जा जमाया। उस अभिनेता का नाम था राज कपूर, जिन्हें 'शोमैन' के नाम से जाना जाता है। राज कपूर ने न सिर्फ बेहतरीन फिल्में बनाई, बल्कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के लिए नई दिशा भी दिखायी। 1954 में आई उनकी फिल्म 'संगम' ने फिल्म इंडस्ट्री में एक नई क्रांति ला दी थी। इस फिल्म की शूटिंग स्विट्ज़रलैंड और पेरिस जैसे विदेशी लोकेशन्स पर की गई थी, और यह पहली भारतीय फिल्म बनी, जो विदेशों में शूट हुई।

फिल्म की शूटिंग पर पानी की तरह बहाया पैसा

राज कपूर ने 'संगम' में ना केवल विदेशों में शूटिंग की, बल्कि फिल्म की गुणवत्ता और कहानी के मामले में भी नए स्टैंडर्ड्स सेट किए। 60 के दशक में जब फिल्मों का बजट आज के मुकाबले काफी कम हुआ करता था, राज कपूर ने इस फिल्म पर अपार पैसा खर्च किया था। फिल्म की शूटिंग के लिए उन्होंने शानदार विदेशी लोकेशन्स को चुना और यह फिल्म एक तरह से उस समय की सबसे महंगी फिल्मों में से एक बन गई।

भारतीय सिनेमा की पहली रंगीन फिल्म 'संगम'

'संगम' को भारतीय सिनेमा की पहली रंगीन फिल्म भी माना जाता है।

इस फिल्म में राज कपूर और वैजयंती माला मुख्य भूमिका में थे, और यह फिल्म एक लव ट्रायंगल पर आधारित थी। इसके अतिरिक्त, फिल्म में ललिता पवार, अचला सचदेव, और नाना पाली शिखर जैसे बड़े कलाकारों ने भी अभिनय किया था।

संगम ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और उसकी कमाई ने दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री दोनों को चौंका दिया। इस फिल्म ने अपनी रिलीज के बाद 7.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जो उस समय के हिसाब से एक बड़ी सफलता थी। 'संगम' न सिर्फ एक फिल्म के रूप में, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुई।

दूसरी बार मां बनी एमी जैक्सन बेटे को दिया जन्म

बॉलीवुड में खुशियों की लहर है। अभिनेत्री आथिया शेट्टी और क्रिकेटर केएल राहुल के पेरेंट्स बनने के बाद ब्रिटिश मॉडल-अभिनेत्री एमी जैक्सन के घर भी किलकारी गूंजी है। दूसरी बार मां बनी अभिनेत्री ने बेटे को जन्म दिया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्होंने प्रशंसकों को जानकारी दी।

इंस्टाग्राम पर पति के साथ तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, दुनिया में आपका स्वागत है, बेबी बॉय। इसके साथ ही उन्होंने बेबी के नाम का भी खुलासा किया। बताया कि बेटे का नाम ऑस्कर अलेक्जेंडर वेस्टविक रखा है।

शेयर की गई तीन तस्वीरों में से पहली तस्वीर में वह पति के साथ और दूसरी, तीसरी तस्वीर में वह अपने नन्हें राजकुमार को दुलारती नजर आईं। ब्रिटिश एक्टर एड वेस्टविक और एमी जैक्सन का ये पहला बच्चा है। जबकि एक्ट्रेस के छह साल के बड़े बेटे के पिता होटल बिजनेसमैन जॉर्ज पानायियोटौ हैं। 2019 में सगाई के आठ महीने बाद बेटे को जन्म दिया था। इसके बाद दोनों का ब्रेक अप हो गया था। बड़े बेटे का नाम उन्होंने एंड्रियास जैक्स रखा है।

जॉर्ज से अलगाव के बाद एमी की मुलाकात साल 2022 में वेस्टविक से हुई। दो साल बाद अगस्त में दोनों ने शादी कर ली थी। ब्रिटिश अभिनेता वेस्टविक के साथ शादी के दो महीने बाद प्रेग्नेंसी की खबर प्रशंसकों से शेयर की थी। ब्रिटिश अभिनेत्री-मॉडल एमी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह बॉलीवुड में कई फिल्में कर चुकी हैं। वह अभिनेता अक्षय कुमार के साथ 'सिंह इज ब्लिंग' में काम कर चुकी हैं। सोनू सूद के साथ 'तूतक तूतक तूतिया' और विद्युत जामवाल, नोरा फतेही के साथ 'क्रैक' में भी काम कर चुकी हैं। वह दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी अपने अभिनय का कमाल दिखा चुकी हैं। रजनीकांत के साथ '2.0' में भी नजर आई थीं। 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'एक दीवाना' में उन्हें प्रतीक बब्बर के साथ देखा गया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई।

सुरेश कृष्णन ने देखी कंगना रनौत की इमरजेंसी, बताया असाधारण सिनेमाई उपलब्धि

फिल्म निर्माता निर्देशक सुरेश कृष्णन ने कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' की खूब तारीफ की। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक पत्र शेयर किया, जिसे उनके लिए कृष्णन ने लिखा और फिल्म को 'असाधारण सिनेमाई उपलब्धि' बताया।

कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर सुरेश कृष्णन के पत्र को शेयर किया, जिसमें लिखा है, डियर कंगना, मैंने हाल ही में नेटफ्लिक्स पर 'इमरजेंसी' देखी है और मुझे कहना होगा कि यह एक असाधारण सिनेमाई उपलब्धि है।

उन्होंने आगे लिखा, फिल्म की पटकथा और निर्देशन शानदार है, कथा और गति की समझ बेजोड़ है। आपका अभिनय अभूतपूर्व और गहराई से डूबने वाला है। मुझे लगता है कि आपके किरदार की बारीकियों और कहानी की गहराई को समझने के लिए इसे देखना चाहिए। बहुत कम फिल्में ऐसा प्रभाव छोड़ती हैं, लेकिन 'इमरजेंसी' ने ऐसा किया। अंतिम फ्रेम के बाद मैंने खुद को पूरी तरह से इसके भावनात्मक और विषयगत भार में डूबा हुआ और कुछ मिनटों के लिए मौन में बैठे पाया। यह एक दुर्लभ अनुभव रहा। निर्देशक ने फिल्म को बेहद शानदार बताया, उन्होंने कहा, इतनी सशक्त और विचारोत्तेजक फिल्म देने के लिए आपको और आपकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई। आपके सिनेमाई प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करता हूं।

दीपिका पादुकोण, कृष्णा श्रॉफ, सारा अली खान व अन्य बॉलीवुड सितारे फिटनेस के हैं दीवाने

बॉलीवुड सितारे सिर्फ़ अपनी एक्टिंग के लिए ही नहीं बल्कि फिटनेस के प्रति अपने समर्पण के लिए भी जाने जाते हैं। आइए, नजर डालते हैं कि दीपिका पादुकोण, कृष्णा श्रॉफ, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज और सारा अली खान अपनी बेहतरीन फिटनेस को बनाए रखने के लिए किस तरह लगातार और विविध वर्कआउट रूटीन अपनाते हैं, जिससे उनकी एक्सरसाइज़ कभी उबाऊ नहीं लगती। दीपिका पादुकोणः दीपिका पादुकोण का फ़िटनेस अप्रोच उनकी एक्टिंग भूमिकाओं की तरह ही बहुमुखी है। उनके वर्कआउट में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, योग, कार्डियो, क्खखढ और पिलेट्स का संतुलित मिश्रण शामिल है। दीपिका, जो हमेशा फिटनेस की समर्थन करती हैं। वे फिटनेस को लेकर बहुत अनुशासित रहती हैं और अभी मिस नहीं करती, यहां तक कि अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे तिमाही के दौरान भी उन्होंने वर्कआउट करना नहीं छोड़ा।

कृष्णा श्रॉफः कृष्णा श्रॉफ और उनके भाई टाइगर श्रॉफ ने भारत में चच- को लाने और इसे लोकप्रिय बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई हैं। फिल्म व्यवसाय की अपनी समृद्ध विरासत से हटकर, कृष्णा एक ऐसी पथप्रदर्शक हैं जिन्होंने इंडस्ट्री में एक फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर के रूप में अपने लिए एक प्रतिष्ठित स्थान बनाया है - जिन्हें आज फिटनेस इंस्पिरेशन के लिए हजारों लोग फॉलो करते हैं। वह भारत के प्रमुख चच- जिम चच- मैट्रिक्स जिम और दक्षिण एशिया के सबसे बड़े चच- प्रमोशन मैट्रिक्स फाइट नाइट की को-फाउंडर और ओनर हैं। वह चच-, वेट ट्रेनिंग और बॉक्सिंग में व्यापक रूप से प्रशिक्षण लेती हैं। कृष्णा को हम हार्डकोर वर्कआउट गर्ल कह सकते हैं। वह नियमित रूप से अपने गहन वर्कआउट का प्रदर्शन करती हैं जिसमें बॉक्सिंग, किकबॉक्सिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग शामिल है। उनकी बॉडी टोंड और एथलेटिक है, जिससे वह पारंपरिक सौंदर्य मानकों को चुनौती देती हैं और यह साबित करती हैं कि स्ट्रॉन्ग इज़ द न्यू सेक्सी!

दिशा पटानीः कृष्णा श्रॉफ की करीबी दोस्त और अभिनेत्री दिशा पटानी भी फिटनेस को एक नए स्तर पर ले जाती हैं। दिशा अपने वर्कआउट में जिम्नास्टिक्स को भी शामिल करती हैं। उनके वर्कआउट सेशन में मार्शल आर्ट्स, जिम्नास्टिक्स, हेवी लिफ्टिंग और कैलेस्थेनिक्स का शानदार मिश्रण होता है। सोशल मीडिया पर वह अक्सर अपने इंटेंस वर्कआउट वीडियो पोस्ट करती हैं, जिससे उनके फिट और एथलेटिक बॉडी का राज सामने आता है।

सारा अली खानः सारा अली खान की फिटनेस यात्रा एक प्रेरणादायक कहानी है। बॉलीवुड में कदम रखने से पहले, सारा जो PCOD से जूझ रही थीं, सारा ने झउजऊ (पॉलीसिस्टिक ओवरी डिसऑर्डर) के साथ अपने संघर्ष पर खुलकर बात की है, उन्होंने अक्सर बताया है कि कैसे फिटनेस ने उन्हें अपनी स्वास्थ्य चुनौतियों से उबरने में मदद की है। सारा के वर्कआउट रेजीमेन में गहन वर्कआउट सेशन, पिलेट्स, कार्डियो, डांस, किकबॉक्सिंग, वेट ट्रेनिंग और फंक्शनल वर्कआउट शामिल हैं।

जैकलीन फर्नांडीजः जैकलीन की फिटनेस का नजरिया अलग और अनूठा है। उन्होंने पोल डांसिंग को एक फिटनेस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय बनाया है, जिससे वजन घटाने के साथ-साथ मसल्स भी मजबूत होते हैं। इसके अलावा, वह योग, घुड़सवारी, बैरे एक्सरसाइज़, फंक्शनल ट्रेनिंग और क्खखढ को अपनी फिटनेस दिनचर्या का हिस्सा बनाती हैं। उनका फोकस फ्लेक्सिबिलिटी, स्ट्रेंथ और कोर स्ट्रेंथनिंग पर रहता है।

इन सभी सितारों को एक चीज़ जोड़ती है-फिटनेस के प्रति उनकी गंभीरता और इसे एक अस्थायी ट्रेंड की बजाय लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना। ये अभिनेत्रियां न केवल खुद को फिट रखती हैं, बल्कि अपने फैंस को भी प्रेरित करती हैं कि वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

फिर बॉक्स ऑफिस हिलाने को तैयार हैं राजकुमार राव

10 अप्रैल को आ रही है भूल चूक माफ

राजकुमार राव और वामिका गब्बी पहली बार रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'भूल चुक माफ़' में साथ काम कर रहे हैं। निर्माताओं ने फरवरी में ही टीज़र रिलीज़ कर दिया था जो फैन्स को काफी पसंद आया था। अब इस फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। अब ये फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

राजकुमार राव ने रिलीज़ की तारीख की घोषणा करते हुए एक नया वीडियो भी रिलीज़ किया गया है। कैप्शन में लिखा है, 'स्त्री 2 में हंसने के बाद, राजकुमार राव एक गुदगुदाने वाली कॉमेडी के साथ वापस आ गए हैं! दिनेश विजान और मैडॉक फ़िल्म्स 2025 की सबसे मज़ेदार और भसड़वाली शादी लेकर आए हैं। क्या राजकुमार राव और वामिका गब्बी की शादी हो पाएगी।'

रोमांटिक कॉमेडी में जमी दोनों की जोड़ी

करण शर्मा द्वारा निर्देशित और लिखित यह दिल को छू लेने वाली रोमांटिक कॉमेडी पहली बार राजकुमार राव और वामिका गब्बी की जोड़ी के साथ आई है, जो आकर्षण, अराजकता और छोटे शहर के रोमांस की एक नई खुराक का वादा करती है। वाराणसी की जीवंत गलियों में सेट की गई यह फिल्म रंजन नामक एक निराश रोमांटिक व्यक्ति की कहानी है, जो अपने प्यार तितली को पाने के लिए सरकारी नौकरी करता है। लेकिन शादी से ठीक पहले, किस्मत एक ऐसा मोड़ लेती है, जो उसकी दुनिया को सबसे ...

इसके बाद प्या... एक मजेदार ले... वाली यात्रा शुरू...

लुका छुपी ... जरा बचके के ... विजान अमेज़न ... स्टूडियो के ... मिलकर भूल ... माफ प्रस्तुत कर... हैं। करण श... द्वारा निर्देशित और लिखित इस फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की जोड़ी दर्शकों को आकर्षित करने का वादा करती है।

भूल चुक म... मैडॉक फिल्म्स ... इस साल की ... बड़ी रिलीज़ ... पहले स्काई फ़ो... ही में हिट हुई ... विक्की कौशल ... ने अभिनय किय... 2025 की स्लेट... टोस्टर के साथ ...

यूट्यूबर बनीं उर्फी जावेद!

बेखौफ फैशन आइकन और सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद ने अपना पहला यूट्यूब चैनल लॉन्च कर एक नया अध्याय शुरू किया है। इस नए पेज के माध्यम से उर्फी जावेद अपने फैशन के सफर को दिखाने का इरादा रखती हैं, जिसमें बीटीएस मोमेंट्स, बोल्ड लुक्स, आउटफिट एक्सपेरिमेंट्स, फैशन चुनौतियाँ और उनके बीच की हर चीज़ शामिल होगी। हाल ही में उर्फी ने अपना पहला यूट्यूब वीडियो भी जारी किया, जिसमें उन्होंने आईफा 2025 के लिए तैयार होने की यात्रा को साझा किया। अपने फैशन रोमांच को और विस्तार देने के लिए उत्साहित उर्फी जावेद कहती हैं, मैं अपने पहले यूट्यूब चैनल को लॉन्च करने के लिए बेहद उत्साहित हूँ। मैंने अपने पेज को खोलने का सपना बहुत समय से देखा है, और अब जब यह सच हो गया है, तो अपनी खुशी को शब्दों में बयां करना मुश्किल हो रहा है। मेरे इंस्टाग्राम पेज के अलावा, मैं यूट्यूब के माध्यम से अपने फैशन के इस रोलरकोस्टर के अनुभवों को साझा करूँगी और इसके उतार-चढ़ाव को कैप्चर करने की कोशिश करूँगी! यह चैनल निडरता, शानदार फैशन और ड्रामे से भरपूर होगा!अपने दमदार फैशन आउटिंग्स के साथ, उर्फी जावेद ने खुद को एक बेबाक और बोल्ड फैशनिस्टा के रूप में स्थापित किया है, जो कपड़ों और फैब्रिक्स की सीमा से परे जाकर फैशन की दुनिया को एक्सप्लोर करने से नहीं हिचकिचातीं। उर्फी का हर आउटफिट पैटर्न्स, टेक्सचर, 3डी एलिमेंट्स या किसी सरप्राइज़ से भरा होता है! अब, अपने नए यूट्यूब चैनल के साथ, उर्फी अपने फैशन के अन्वेषण को और भी व्यापक बना रही हैं, जिससे फैशन के प्रति उत्साही लोगों को प्रेरणा मिलेगी!

आज मासिक शिवरात्रि

शिवरात्रि पर शुभ और साध्य समेत बन रहे हैं ये योग, मिलेगा दोगुना लाभ

वैदिक पंचांग के अनुसार,आज गुरुवार 27 मार्च को मासिक शिवरात्रि है। यह पर्व हर माह कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन देवों के देव महादेव और भगवान शिव की पूजा की जाती है। साथ ही मनचाहा वरदान पाने के लिए मासिक शिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है।

ज्योतिषियों की मानें तो मासिक शिवरात्रि के दिन एक साथ कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान शिव और जगत की देवी मां पार्वती की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

मासिक शिवरात्रि शुभ मुहूर्त

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 27 मार्च को देर रात 11 बजकर 03 मिनट पर होगी। वहीं, 28 मार्च को शाम 07 बजकर 55 मिनट पर चतुर्दशी तिथि का समापन होगा। मासिक शिवरात्रि पर निशा काल में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा होती है। इसके लिए 27 मार्च को मासिक शिवरात्रि मनाई जाएगी।

मासिक शिवरात्रि शुभ योग

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि यानी मासिक शिवरात्रि पर सुबह 09 बजकर 25 मिनट तक साध्य योग का निर्माण हो रहा है। इसके बाद शुभ योग का संयोग है। शुभ योग का संयोग 28 मार्च को सुबह 05 बजकर 57 मिनट तक है। इसके साथ ही अभिजीत मुहूर्त का शुभ संयोग दोपहर 12 बजकर 02 मिनट से लेकर 12 बजकर 51 मिनट तक है। वहीं, शतभिषा नक्षत्र का संयोग है और गर एवं वणिज करण के योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही जीवन में मंगल का आगमन होगा।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 06 बजकर 17 मिनट पर

सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 36 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 43 मिनट से 05 बजकर 30 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 21 मिनट से 03 बजकर 19 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 बजकर 35 मिनट से 06 बजकर 58 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 12 बजकर 03 मिनट से 12 बजकर 49 मिनट तक

गुरु प्रदोष व्रत पर राशि अनुसार करें इन चीजों का दान, पूरी होगी मनचाही मुराद

वैदिक पंचांग के अनुसार, 27 मार्च को गुरु प्रदोष व्रत है। यह पर्व प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन देवों के देव महादेव की उपासना की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को मनचाहा वरदान मिलता है। साधक श्रद्धा भाव से त्रयोदशी तिथि के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा की जाती है। प्रदोष व्रत का फल दिन अनुसार मिलता है।

गुरु प्रदोष व्रत करने से आय, आयु और सौभाग्य में वृद्धि होती है। भगवान शिव की पूजा करने से दुखों का नाश होता है। साथ ही जीवन में सुखों का आगमन होता है। अगर आप भी शिव-शक्ति की कृपा पाना चाहते हैं, तो प्रदोष व्रत पर भक्ति भाव से महादेव की पूजा करें। वहीं, पूजा के बाद राशि अनुसार इन चीजों का दान करें।

राशि अनुसार दान

मेष राशि के जातक करियर में सफलता पाने के लिए प्रदोष व्रत के दिन टमाटर और चुकंदर का दान करें।

वृषभ राशि के जातक सुखों में वृद्धि के लिए गुरु प्रदोष व्रत पर दूध, दही और पोहा का दान करें।

मिथुन राशि के जातक कारोबार में तरक्की पाने के लिए गुरु प्रदोष व्रत पर गन्ने का रस लोगों में वितरित करें।

कर्क राशि के जातक मानसिक तनाव से निजात पाने के लिए दूध और दही का दान करें।

सिंह राशि के जातक सूर्य देव की कृपा पाने के लिए गेहूं और मकई का दान करें।

कन्या राशि के जातक कारोबार में वृद्धि के लिए साबुत मूंग और हरी चूड़ियों का दान करें।

तुला राशि के जातक शुक्र देव की कृपा पाने के लिए चावल, आटा, नमक और चीनी का दान करें।

वृश्चिक राशि के जातक मंगल देव को प्रसन्न करने के लिए लाल रंग के वस्त्र (कपड़े) का दान करें।

धनु राशि के जातक गुरु मजबूत करने के लिए चने की दाल, बेसन, हल्दी आदि चीजों का दान करें।

मकर राशि के जातक शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए छाता, चमड़े के चप्पल और जूते का दान करें ।

कुंभ राशि के जातक भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अन्न और धन का दान करें।

मीन राशि के जातक गुरु प्रदोष व्रत के दिन पीले रंग के कपड़े, पके केले का दान करें।

कहानी कालभैरव की, जानें कैसा हुआ शिव का कालभैरव अवतार

कालभैरव भगवान शिव के ही अंश माने जाते हैं या यूं कहें कि यह शिवजी के आवेश अवतार हैं। सृष्टि में इनका आगमन एक विशेष स्थिति में हुआ था। और इन्होंने सृष्टि में भगवान शिव की परम सत्ता को स्थापित किया। इस संदर्भ में एक रोचक कथा है कालभैरव की।

जब ब्रह्मा और विष्णु में हुआ टकराव

शिव महापुराण, लिंग पुराण और स्कंद पुराण में इस घटना का विस्तार से वर्णन मिलता है। सृष्टि के आरंभ में एक सवाल उठा-सबसे बड़ा कौन? ब्रह्मा, जो सृष्टि के रचयिता हैं, या विष्णु, जो सृष्टि का पालन करते हैं? दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया। और तभी अचानक एक अनंत प्रकाश स्तंभ प्रकट हुआ-ज्योतिर्लिंग! इसका न कोई आरंभ था, न कोई अंत। विष्णु ने कहा, 'अगर मैं इसकी जड़ तक पहुंच गया, तो मैं श्रेष्ठ हूं।' और ब्रह्मा ने कहा, 'अगर मैं इसकी ऊंचाई तक पहुंच गया, तो मैं सर्वश्रेष्ठ हूं।' विष्णु वाराह का रूप लेकर धरती के नीचे गए, लेकिन उन्हें कोई अंत न मिला। उन्होंने स्वीकार कर लिया कि वे असफल रहे। लेकिन ब्रह्मा ने ऐसा नहीं किया। वे हंस का रूप धारण कर ऊपर उड़ चले और छल किया। रास्ते में उन्हें केतकी का एक फूल मिला, जो पहले से ही शिवलिंग पर गिरा था। ब्रह्मा ने उससे कहा, 'तुम गवाही दो कि मैंने शिवलिंग का अंत देख लिया।' केतकी फूल ने हां कर दी। ब्रह्मा वापस आए और गर्व से बोले, 'मैंने देख लिया! मैं सबसे श्रेष्ठ हूं।' लेकिन क्या कोई शिव से झूठ बोल सकता है?

शिव का क्रोध और कालभैरव का प्रकट होना

शिव सत्य के प्रतीक हैं। जब ब्रह्मा ने झूठ बोला, तो शिव प्रकट हुए-लेकिन शांत नहीं, प्रचंड रूप में! उनकी दोनों भौहों के बीच से प्रकट हुआ एक भयानक योद्धा-कालभैरव! उनका तेज़ ऐसा था कि स्वयं देवता कांप उठे। और फिर क्षणभर में, कालभैरव ने अपने नख से ब्रह्मा का एक सिर अलग कर दिया। ब्रह्मा सन्न रह गए! देवताओं में हाहाकार मच गया। यहीं पर ब्रह्मा को अहसास हुआ कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती कर दी।

ब्रह्म हत्या का पाप और शिव का प्रायश्चित

लेकिन शिव ने जो किया, वह ब्रह्म हत्या कहलाया। यह सबसे बड़ा पाप था, और इसके प्रायश्चित के लिए शिव को भिक्षाटन करना पड़ा। वे संपूर्ण ब्रह्मांड में भिक्षा मांगते हुए घूमे, लेकिन उनके हाथ में ब्रह्मा का कटा हुआ सिर चिपका रहा। देवताओं ने भी उपाय खोजे, लेकिन कोई समाधान नहीं मिला। अंततः, जब शिव काशी पहुंचे, तो ब्रह्मा का सिर उनके हाथ से गिर पड़ा। वहीं 'कपाल मोचन' नामक स्थान बना। यही आज काशी का प्रसिद्ध कालभैरव मंदिर है। कहा जाता है कि काशी में मोक्ष प्राप्त करने के लिए पहले कालभैरव के दर्शन करने ही पड़ते हैं।

ब्रह्मा का शाप और कालभैरव का शासन

इस घटना के बाद, शिव ने ब्रह्मा को श्राप दिया-'अब तुम्हारी पृथ्वी पर कहीं भी पूजा नहीं होगी।' और यही कारण है कि पूरे भारत में केवल एक बड़ा ब्रह्मा मंदिर है-राजस्थान के पुष्कर में। लेकिन शिव ने कालभैरव को वरदान दिया कि वे काशी के कोतवाल होंगे। बिना उनकी अनुमति, कोई भी यहां मोक्ष नहीं पा सकता।

कथा का जीवन से जुड़ा संदेश

अब जरा सोचिए-कितनी बार हम अपनी गलती छुपाने के लिए झूठ बोलते हैं? कितनी बार हम अपने अहंकार में दूसरों से श्रेष्ठ बनने की कोशिश करते हैं? लेकिन यह कथा हमें सिखाती है कि सत्य को कोई झुका नहीं सकता। अहंकार, चाहे वह किसी का भी हो, एक दिन उसका अंत निश्चित है।

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।

उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्।।

शिव महादेव हैं-देवों के भी देव! और काल भैरव, जो स्वयं समय के स्वामी हैं, हमें यह सिखाते हैं कि जीवन में सबसे महत्वपूर्ण चीज़ सत्य, अनुशासन और न्याय है।

कब और कैसे मुनि मार्कण्डेय को मिला अमरता का वरदान?

हम बात कर रहे हैं चिरंजीवी मुनि मार्कण्डेय की, जिनके जन्म से ही यह निश्चित था कि वह केवल 16 साल की आयु तक ही जीवित रहेंगे। लेकिन उन्होंने अपनी श्रद्धा-भक्ति से विधि के इस विधान को बदल दिया और अमरता का वरदान प्राप्त किया। चलिए जानते हैं उसी जुड़ी यह रोचक कथा।

भगवान शिव ने दिया वरदान

पद्म पुराण के उत्तरखंड में वर्णित कथा के अनुसार, मृकण्डु मुनि के कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने अपनी पत्नी मरुद्मति के साथ शिव जी की घोर तपस्या की। इससे महादेव प्रसन्न हुए और उन्हें पुत्र का वरदान भी दिया, लेकिन इससे पहले शिव जी ने मृकण्डु से यह प्रश्न किया कि 'तुम्हें दीर्घ आयु वाला लेकिन गुणहीन पुत्र चाहिए या फिर अल्प आयु वाला लेकिन गुणवान पुत्र चाहिए?' तब मृकण्डु ने शिव जी द्वारा दिए गए दूसरे विकल्प को चुना अर्थात गुणवान पुत्र की कामना की। इस पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा गया, जिसे सिर्फ 16 वर्ष की ही आयु प्राप्त थी।

दक्षिण में की शिवलिंग की स्थापना

मुनि मृकण्डु और उनकी पत्नी ने मार्कण्डेय को बड़े ही लाड़-प्यार से रखा, लेकिन जैसे ही मार्कण्डेय 16 साल के हुए, उनके माता पिता गहरे शोक में डूब गए। जब मार्कण्डेय ने इसका कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब वे अपने माता-पिता की आज्ञा लेकर दक्षिण समुद्र के तट पर चले गए और वहां एक शिवलिंग स्थापित कर आराधना करने लगे।

काल के आने पर क्या हुआ

एक दिन जब वह शिव जी की उपासना कर रहे थे, तभी मृत्यु के देवता, यम उनके प्राण हरने वहां आ पहुंचे, लेकिन तब मार्कंडेय की आराधना अधूरी थी, इसलिए वह शिवलिंग से चिपके रहे। यह देखकर यम उन्हें अपना साथ ले जाने के लिए यमपाश डाल कर खींचने लगे, लेकिन इसी दौरान शिवलिंग से महादेव प्रकट हुए और यमराज को वापिस लौटा दिया। इसी के साथ मार्कण्डेय की भक्ति से प्रसन्न होकर शिव जी ने उन्हें सदा के लिए काल-मुक्त कर दिया अर्थात अमरता का वरदान दिया। इसलिए शिव जी को महाकाल भी कहा जाता है।

की ये रचनाएं

शिवजी की आराधना के लिए ऋषि मार्कण्डेय ने 'महामृत्युंजय' मंत्र की रचना थी। इस मंत्र को लेकर यह कहा जाता है कि इस मंत्र के जप से साधक के अकाल मृत्यु का खतरा भी टल जाता है। इसी के साथ ऋषि मार्कण्डेय ने मार्कण्डेय पुराण की रचना की थी, जिसमें दुर्गा सप्तशती भी सम्मिलित है।

दुख-दरिद्रता से पाना चाहते हैं मुक्ति तो शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं ये चीजें

पंचांग के अनुसार, हर माह में मासिक शिवरात्रि का व्रत किया जाता है, जो कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्दशी तिथि पर मनाई जाती है। इस तिथि पर विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती जी की पूजन करना काफी पुण्य फलदायी माना गया है। चलिए जानते हैं कि मासिक शिवरात्रि पर शिवलिंग पर क्या अर्पित करना चाहिए?

जरूर चढ़ाएं ये चीज

मासिक शिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर केसर जरूर चढ़ाएं। ऐसा करने से साधक को महादेव की कृपा मिलती है और जातक के मान-सम्मान में भी बढ़ोतरी होती है। इसी के साथ मासिक शिवरात्रि पर शिवलिंग पर चंदन अर्पित करना भी काफी शुभ माना गया है।

मिलेगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

जीवन के दुख और संकट को दूर करने के लिए मासिक शिवरात्रि एक उत्तम दिन है। ऐसे में आप इस दिन पर शिवलिंग पर 21 बेलपत्र अर्पित कर सकते हैं। ऐसा करने से जीवन में आ रही बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी मिलता है।

दूर होगी दरिद्रता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाने से महादेव प्रसन्न होते हैं। ऐसे में आप मासिक शिवरात्रि के विशेष अवसर पर शिवलिंग पर गन्ने का रस जरूर अर्पित करें। ऐसा करने साधक की दरिद्रता खत्म होती है और उसके लिए धन लाभ के योग भी बनते हैं।

ग्रहों का अशुभ प्रभाव होगा कम

मासिक शिवरात्रि पर शिवलिंग का शहद से अभिषेक करना काफी लाभकारी माना गया है। ऐसा करने से जातक को कई ग्रहों के अशुभ प्रभाव में मुक्ति मिल जाती है। शहद का संबंध गुरु ग्रह से माना जाता है, ऐसे में मासिक शिवरात्रि पर शिवलिंग का शहद से अभिषेक करने से जातक की कुंडली में देवगुरु बृहस्पति की स्थिति मजबूत हो सकती है।

नवरात्रि में गृह प्रवेश करना शुभ है या नहीं

जानें अप्रैल 2025 में गृह प्रवेश के मुहूर्त

चैत्र नवरात्रि चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की पहली तिथि से शुरू होती है। इस बार यह तिथि 30 मार्च को है। इस बार चैत्र नवरात्रि 9 की बजाय 8 दिनों की होगी। नवमी 6 अप्रैल को मनाई जाएगी। नवरात्रि के दिनों को बहुत शुभ माना जाता है। कई लोग नवरात्रि के दौरान ही नया व्यापार शुरू करते हैं। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल उठता है कि क्या इस साल नवरात्रि के दौरान गृह प्रवेश कर सकते हैं?

नवरात्रि में नया काम करना होता है शुभ

नवरात्रि में कई शुभ काम किए जाते हैं। जैसे कि नया व्यापार शुरू करना, नौकरी जॉइन करना, घर खरीदना या गहने खरीदना। ऐसा माना जाता है कि ये सब काम नवरात्रि में करना अच्छा होता है। क्योंकि नवरात्रि माता दुर्गा के खास दिन होते हैं। अगर आप इन दिनों में नए घर में जाते हैं, तो माता दुर्गा की कृपा आप पर बनी रहती है।

इस साल नवरात्रि में गृह प्रवेश करें या नहीं

गृह प्रवेश के लिए नवरात्रि को शुभ माना जाता है लेकिन इस साल चैत्र नवरात्रि का पर्व गृह प्रवेश के लिए शुभ नहीं है क्योंकि इस साल नवरात्रि के दौरान खरमास चल रहे हैं। खरमास की शुरुआत 14 मार्च से शुरू हुई थी। खरमास 14 अप्रैल को समाप्त होंगे। खरमास के दौरान कोई भी मांगलिक कार्य करना शुभ नहीं माना जाता। खरमास में गृह प्रवेश नहीं किया जाता है इसलिए गृह प्रवेश का कार्यक्रम जो भी होगा वह 14 अप्रैल से होगा।

अप्रैल 2025 में गृह प्रवेश का मुहूर्त

इस साल अप्रैल में 14 अप्रैल से पहले कोई भी गृह प्रवेश का मुहूर्त नहीं है क्योंकि इन दिनों में खरमास चल रहे हैं लेकिन बहुत जरूरी होने पर दशमी तिथि को गृह प्रवेश कर सकते हैं क्योंकि दशहरा का दिन सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में माना जाता है। इसलिए अप्रैल में 14 अप्रैल, 21, 24, 25, 30 को गृह प्रवेश का दिन है। अन्य दिनों में गृह प्रवेश का मुहूर्त नहीं है।

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ

संपादकीय

संविधान, आरक्षण पर सियासत

संविधान में संशोधन संसद में ही किया जा सकता है। यह संसद का विशेषाधिकार है। संविधान में संशोधन विधानसभा के स्तर पर नहीं किया जा सकता। यदि किसी प्रस्तावित बिल को विधानसभा पारित करना चाहती है, तो उसे केंद्र सरकार या राष्ट्रपति को भेजना पड़ता है। यह उनका विशेषाधिकार है कि बिल पारित करें या उसे लौटा दें। संसद में अभी तक 106 संविधान संशोधन पारित किए जा चुके हैं। संविधान पर फिजूल ही सियासत की जा रही है। चूंकि कर्नाटक सरकार ने मुसलमानों को सरकारी ठेकों में 4 फीसदी आरक्षण देने का प्रस्ताव पारित कराया है, लिहाजा उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 'संविधान बदलने' का जो बयान दिया है, वह बेमानी, असंवैधानिक है। भाजपा ने इसे लपक लिया है। उप मुख्यमंत्री को बर्खास्त करने तक की मांग की गई है। राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने यहां तक कहा है कि कांग्रेस संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। संविधान में बाबा अंबेडकर ने साफ किया था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब कांग्रेस उसे बदलने की कोशिश कर रही है। संविधान बचाने की सियासत अब भाजपा के हाथों में है, जबकि लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी और अखिलेश यादव के नेतृत्व में एक फर्जी नेरेटिव फैलाया गया था कि भाजपा सरकार में आई, तो संविधान और आरक्षण को खत्म कर देगी। इस नेरेटिव का विपक्षी दलों को अच्छा फायदा मिला और उनकी संसदीय सीटें बढ़ गईं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा पहली बार सामान्य बहुमत हासिल नहीं कर पाई और 240 सीटों पर ही ठहर गई। संविधान और आरक्षण पर सियासत क्यों और कैसे की जा सकती है, जबकि ये हमारे लोकतंत्र के स्थापित सत्य हैं। संविधान सभा के जरिए भारत का संविधान तय किया गया और संविधान में आरक्षण की व्यवस्था की गई। हालांकि आरक्षण सिर्फ 10 साल के लिए ही था, लेकिन संविधान लागू हुए 75 लंबे साल गुजर चुके हैं, लेकिन आरक्षण आज भी जारी है। अब तो आरक्षण एक राजनीतिक हथियार और वोट बैंक का आधार बन चुका है। हमारे पुरखों ने जो संविधान तैयार किया था, उसके अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति, लिंग, जन्म-स्थान, रंग, नस्ल और मूल वंश के आधार पर भेदभाव प्रतिबंधित किया गया है। अनुच्छेद 16 में पिछड़ों, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सर्वोच्च अदालत ने आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी तय कर रखी है, लेकिन राज्य सरकारें 'संवैधानिक चालाकी' खेल कर, पिछड़ों के कोटे में ही, अन्य वर्गों को आरक्षण का प्रस्ताव पारित कराती रही हैं। कर्नाटक में 4 फीसदी मुस्लिम आरक्षण ऐसा ही है। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने ओबीसी कोटा बढ़ा कर 42 फीसदी कर दिया है। यकीनन ये संविधान का उल्लंघन हैं और सर्वोच्च अदालत इन आरक्षणों को निरस्त कर सकती है। दरअसल यह अपना वोट बैंक पुख्ता करने और बढ़ाने की सियासत भर है। दरअसल अब 2025 में आरक्षण की व्यवस्था की समीक्षा होनी चाहिए। जिनके लिए करोड़ों रुपए के ठेके में आरक्षण तय किया गया है, जाहिर है कि वे इतने सम्पन्न, समृद्ध तो होंगे कि ठेके ले सकें और फिर काम कर सकें। बहरहाल, आरक्षण की समीक्षा ही समाधान है।

संविधान में संशोधन विधानसभा के स्तर पर नहीं किया जा सकता। यदि किसी प्रस्तावित बिल को विधानसभा पारित करना चाहती है, तो उसे केंद्र सरकार या राष्ट्रपति को भेजना पड़ता है। यह उनका विशेषाधिकार है कि बिल पारित करें या उसे लौटा दें। संसद में अभी तक 106 संविधान संशोधन पारित किए जा चुके हैं। संविधान पर फिजूल ही सियासत की जा रही है। चूंकि कर्नाटक सरकार ने मुसलमानों को सरकारी ठेकों में 4 फीसदी आरक्षण देने का प्रस्ताव पारित कराया है, लिहाजा उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 'संविधान बदलने' का जो बयान दिया है, वह बेमानी, असंवैधानिक है। भाजपा ने इसे लपक लिया है। उप मुख्यमंत्री को बर्खास्त करने तक की मांग की गई है। राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने यहां तक कहा है कि कांग्रेस संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। संविधान में बाबा अंबेडकर ने साफ किया था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब कांग्रेस उसे बदलने की कोशिश कर रही है। संविधान बचाने की सियासत अब भाजपा के हाथों में है, जबकि लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी और अखिलेश यादव के नेतृत्व में एक फर्जी नेरेटिव फैलाया गया था कि भाजपा सरकार में आई, तो संविधान और आरक्षण को खत्म कर देगी।

शिवकुमार के इस बयान के बाद कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक फिर संविधान बचाने का सियासी अभियान हावी हो गया है

संविधान के नाम पर कांग्रेस का दोहरा रवैया दुर्भाग्यपूर्ण

ललित गर्ग

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अक्सर हाथ में संविधान की प्रति लेकर भाजपा पर इसे बदलने का आरोप लगाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ओबीसी कोटा के तहत पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण देने जा रही है

कांग्रेस एक बार फिर संविधान को लेकर विवादों से घिर गयी है। संविधान के संबंध में कांग्रेस का दोहरा रवैया एवं चरित्र एक बार फिर देश के सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अक्सर हाथ में संविधान की प्रति लेकर भाजपा पर इसे बदलने का आरोप लगाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ओबीसी कोटा के तहत पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण देने जा रही है, सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण के संदर्भ में जब उप- मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को यह याद दिलाया गया कि संविधान के तहत मजहब के आधार पर आरक्षण देना मुमकिन नहीं है, तब उन्होंने इशारा किया कि आरक्षण देने के लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे। शिवकुमार के इस बयान के बाद कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक फिर संविधान बचाने का सियासी अभियान हावी हो गया है। इस बार भाजपा आक्रामक है और उसने फिलहाल इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस वर्ष बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव का यह अहम मुद्दा बन जाये तो कोई आश्चर्य नहीं है। मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये कांग्रेस सरकारें अपने-अपने राज्यों में अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं योजनाएं लागू करती रही हैं, कर्नाटक में भी वहां के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने सरकार का बजट पेश करते हुए मुस्लिमों के लिए कई घोषणाएं की। सीएम ने ऐलान किया कि सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में से 4 प्रतिशत अब श्रेणी-प्प बी के तहत मुसलमानों के लिए आरक्षित होंगे। सरकार ने कहा कि मुस्लिम लड़कियों के लिए 15 महिला कॉलेज खोले जाएंगे। इसका निर्माण वक्फ बोर्ड की ही जमीन पर किया जाएगा, लेकिन सरकार इस पर पैसा खर्च करेगी। मौलवियों को 6000 मासिक भत्ता देने की भी व्यवस्था इस बजट में की गई है। कर्नाटक सरकार के बजट में दलितों और पिछड़ों के कल्याण के लिए समुचित बजट आवंटित नहीं हुआ लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण के

चलते मुस्लिमों के लिये लुभावना बजट आवंटित किया गया है। जबकि सरकारों का काम किसी धर्म एवं समुदाय विशेष का तुष्टिकरण न होकर सभी समुदायों का पुष्टीकरण होना चाहिए। जब संविधान में धर्म आधारित आरक्षण का निषेध किया गया है तो फिर जानबूझकर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा इसे सूचीबद्ध करके विधि सम्मत क्यों बनाया जा रहा है? दरअसल, भाजपा और कांग्रेस, दोनों देश की प्रमुख पार्टियों को यह एहसास हो चला है कि संविधान इस देश में बहुत संवेदनशील विषय है और इस पर लोग कतई समझौता नहीं करेंगे। संविधान केवल न्यायिक या वैधानिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह भारत की जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस अर्थ में यह देश के जन-जन के मन का दस्तावेज है। संविधान भारत में सभी नागरिकों के लिए दिग्दर्शक तत्व है। इसलिए, प्रश्न यह उठता है कि जब संविधान इतना स्पष्ट है तो क्या संविधान की मूल भावना पर केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए आघात करना स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण है? दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पवित्र ग्रंथ पर भी विपक्षी दल एवं कांग्रेस अत्यंत निकृष्ट राजनीति करती जा रही है। जो कांग्रेस शासन में रहते हुए कभी संविधान का सम्मान नहीं कर सकी, वह आज विपक्ष में बैठकर यह भ्रम फैलाने में लगी है कि मोदी सरकार संविधान को खत्म कर देगी। सच तो यह है कि कांग्रेस जैसे दल आज अपने मूल राजनीतिक विचार को खो बैठे हैं। कांग्रेस अपने गांधीवादी विचार और समाजवादी पार्टी जैसे दल समाजवाद और राम मनोहर लोहिया के मूलभूत विचारों को भूल चुके हैं। संविधान को आधार बनाकर विपक्षी दल जनता को विभाजित करने, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने बाज नहीं आ रहे हैं। आश्चर्य नहीं, कांग्रेस ने संविधान को लेकर जो हथियार चलाया था, वही हथियार कर्नाटक में स्वयं कांग्रेस के विरुद्ध चला गया है। अब इससे होने वाले नुकसान का भान होते ही कांग्रेस तत्काल बचाव में लग गई। वैसे, शिवकुमार के स्पष्टीकरण के बावजूद भाजपा इस मुद्दे पर निशाना साध रही है, तो संकेत साफ है, वह सियासत का मौका जाने नहीं देना चाहेगी। वह संविधान बदलने और न बदलने पर फिर से गर्म हुई राजनीति को ठंडा नहीं होने देगी। बीते लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा निशाने पर थी, वहीं इस बार कांग्रेस निशाने पर आ गई है। लोकसभा-राज्यसभा में एवं इस वर्ष बिहार में होने वाले चुनावों में भाजपा कांग्रेस पर आक्रामक रहेगी। अब तो तीर कमान से निकल चुका है, भले ही अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार सफाई देने में लगे हैं कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और वह संविधान में बदलाव का प्रस्ताव कभी नहीं रखेंगे। स्पष्ट है कि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण का पक्षधर नहीं है। डॉ. भीमराव आंबेडकर भी ऐसे आरक्षण के हिमायती नहीं थे। संविधान सभा में एकमत के साथ यह तय हुआ था कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब अगर ऐसे आरक्षण की जरूरत पड़ने लगी है, या कांग्रेस मुसलमानों के वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिये आरक्षण का हथियार चलाती है तो संविधान में संशोधन तो करना ही होगा। अपने आजाद देश में जरूरतमंदों को आरक्षण देने के लिए करीब 12 बार संविधान में संशोधन किए गए है और मुस्लिमों को महज मजहबी बुनियाद पर आरक्षण देने के लिए भी ऐसी जरूरत पड़ेगी। गांधी परिवार के अत्यंत करीबी कर्नाटक के डिप्टी सीएम के बयान को सुनकर लोग हैरत में हैं। लोग संविधान के खिलाफ धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कांग्रेस की कोशिश का विरोध कर रहे हैं। धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में संविधान की धज्जियां उड़ा दी है।' कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये देश को दांव पर लगाती रही है। एक बार फिर उसकी इस कोशिश से उसका असली चेहरा देश के सामने आया है।

दृष्टि कोण

कचरा-कचरा जिंदगी, समस्या और समाधान

सबसे ज्यादा समस्या प्लास्टिक कचरे से पैदा हो रही है। वैसे तो यह सार्वभौमिक समस्या बन गई है, किंतु पर्वतीय क्षेत्रों के लिए तो यहां की पर्यटन पर आधारित आजीविका के लिए ही खतरा पैदा हो गया है। इस समय दो करोड़ के लगभग पर्यटक वर्षभर में आते हैं। यानी यहां की जनसंख्या से तीन गुणा। सरकार इस संख्या को पांच करोड़ करना चाहती है। आर्थिक दृष्टि से यह आजीविका और सरकारी आय के लिए लाभप्रद ही सिद्ध होने वाला है। किंतु पर्यटन अपने साथ अनेक समस्याएं और प्रकृति पर दबाव भी लाता है। इनमें से कचरे की मात्रा में बढ़ोतरी भी अवश्यंभावी समस्या है। वर्तमान कचरा प्रबंधन की स्थिति देख कर लगता है कि हम आने वाले दबाव को कैसे झेल पाएंगे, जबकि वर्तमान स्थिति को ही हम संभालने में असमर्थ सिद्ध हो रहे हैं। शहरों में भी कचरा जगह-जगह खुले में जलाने के दृश्य देखे जा सकते हैं। यहां तक कि कचरा निष्पादन स्थलों में भी कचरा जलाया जाता है। यह सीधा बीमारी को निमंत्रण है। गांव की तो हालत और भी खराब है। आजकल ज्यादातर दैनिक जरूरतों के सामान पैकिंग में ही आते हैं। कुरकुरे, नमकीन, चिप्स, चॉकलेट, करियाने का सामान, दूध, दही, सब प्लास्टिक में ही पैक होकर आ रहा है। सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी के बाबजूद यह सब पैकिंग का कचरा तो आ ही रहा है, इसके साथ सब्जियों का बाहरी राज्यों से जो आयात हो रहा है, वह ज्यादातर प्लास्टिक की पन्नियों में ही हो रहा है। इस तरह कचरे के अंबार तो बढ़ते ही जा रहे हैं। फिर चिकित्सा से जुड़ी सामग्री, बिजली के बल्ब, बैटरियां, इलेक्ट्रोनिक सामान शहरों से लेकर गांव तक चारों ओर फैलते जा रहे हैं। खेत-खलिहान, कूहलें, वन क्षेत्र कचरे की चपेट में हैं। जब तक कोई निश्चित व्यवस्था खड़ी नहीं होती, तब तक लोगों को भी दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि विकल्प देकर ही सख्ती भी की जा सकती है। उसके बिना तो लोग भी मजबूरी में गैरजिम्मेदार हो जाते हैं। हिमाचल में प्रतिदिन 370 मीट्रिक टन सूखा कचरा पैदा होता है, जिसके लगातार बढ़ते जाने की संभावना है। शहरों में कम से कम कचरा एकत्र करने की व्यवस्थाएं तो हैं, आगे उसका निष्पादन कैसे हो, यही समस्या आंशिक रूप से है। गांव की तो हालत और भी बुरी है। वहां तो कचरा एकत्रित करने की बुनियादी व्यवस्थाएं ही नहीं हैं। प्लास्टिक तो सब जगह पहुंच गया है। गांव में पहले तो केवल जैविक कचरा ही होता था,

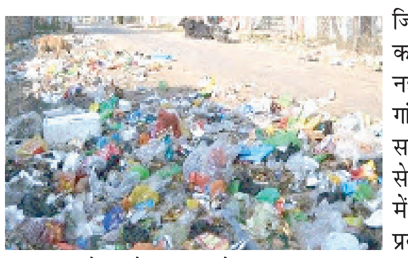

जिसका खाद बना लो या जला कर भी उतनी हानिकारक गैसें नहीं निकलती थीं। अब गांववासी उसी पुरानी सोच के साथ चल कर कचरे की समस्या से पार नहीं पा सकते। अतः गांव में पंचायतों के माध्यम से कचरा प्रबंधन की व्यवस्था बनानी पड़ेगी। पालमपुर की आईमा पंचायत की बहुप्रचारित कचरा प्रबंधन व्यवस्था भी अब बंद पड़ गई है। उसका अध्ययन करके व्यवस्था बनानी पड़ेगी। मोटे तौर पर हर घर से महीने में एक बार कम से कम कचरा एकत्रित करने की व्यवस्था की जा सकती है, जिसके लिए पंचायत उपयुक्त राशि निर्धारित कर सकती है जो हर परिवार महीने के अंत में स्वयं कचरा इकठ्ठा करने वाले कार्यकर्ता को दे सकता है। पंचायतों में अधिकांश जगह कचरा एकत्रित करने के लिए स्टोर बना दिए गए हैं। अब उनके प्रयोग करने की ओर ध्यान देना होगा। गांव में जैविक कचरा उठाने की जरूरत नहीं है। उसका खाद बनाने के लिए उपयोग किया जा सकता है। प्लास्टिक में भी मोटा प्लास्टिक कबाड़ी को बेचा जा सकता है। ठंडे की बोतलें भी बिक जाती हैं। उनके लिए केवल सख्ती से जागरूक करने की जरूरत है। अगली चुनौती एकत्रित किए गए कचरे के निष्पादन की है। इसके लिए तो सरकार को दीर्घकालीन योजना बना कर काम करना चाहिए और उसके क्रियान्वयन के लिए हर स्तर पर पर्याप्त आर्थिक व्यवस्था करनी होगी। तकनीकी व्यवस्था अगली चुनौती है। नई-नई खोजें हो रही हैं। उनका उपयोग किया जाना चाहिए। एकमुखी समाधान से काम नहीं चलेगा। स्थानीय स्थितियों के अनुसार विविध प्रकार की तकनीकों का प्रयोग करना पड़ेगा। इसके लिए प्लास्टिक बनाने और प्लास्टिक में पैक सामान बेचने वाली कंपनियों को भी जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

कुछ अलग

और दोस्त, कैसे हो...

पिछले हफ्ते अपना खास दोस्त चला गया। होटल में बैठ उसी की शोकसभा मना रहा था कि उसका फोन आ गया, 'क्या कर रहे हो?' 'तुम्हारी शोकसभा मना रहा हूं और क्या', मैंने उसकी शोकसभा मनाते चाय का घूंट लिया तो उसने पूछा, 'अकेले ही?'

'अब अकेले ही खुशी-गम सेलिब्रेट करने पड़ते हैं दोस्त!'

'वो मेरी कविता पर आह! आह! करने वाले सब कहां हैं?'

'वे सब अपनी अपनी शोकसभाओं, श्रद्धांजलियों में व्यस्त हैं, सो सोचा, मैं तो कम से कम समय पर तुम्हारा दोस्त होने के नाते तुम्हारी विधिवत शोक सभा आयोजित कर तुम्हें श्रद्धांजलि दे दूं ताकि मेरी आत्मा को शांति मिले। तुम अभी भी यहीं हो क्या? गए नहीं?' 'जाऊंगा कैसे? उस प्रोग्राम का पारिश्रमिक तुम्हारे खाते में आ गया क्या? यार क्या बंदे हैं ये भी? हर बार पारिश्रमिक का फार्म भरवा उल्लू बना देते हैं, हमारी कविता पढऩे की विवशता का फायदा उठा', उसने जिंदा रहने वाली मरने के बाद भी आपत्ति दर्ज की, 'देखो दोस्त! जब तक वह तुम्हारे खाते में नहीं आएगा, मैं यहां से जाने वाला नहीं।' बेशर्म कहीं का! खुद तो मर गया, पर कंबख्त कविता का पारिश्रमिक अभी भी जिंदा है, 'और अपने क्रिया कर्म से फ्री हुए कि नहीं?' 'आज हो गया!' मत पूछो उसने कितने संतोष से कहा, 'कैसा रहा?'

'ठीक रहा! मस्त मस्त! अपने क्रिया कर्म से बहुत खुश हूं', सुनकर अच्छा लगा, 'अब कहां जाने का सकोप है?' मैंने यों ही पूछा तो वह चुप हो गया। मैंने पुनः पूछा, 'अब कहां जाने की उम्मीद लग रही है?'

'रहने दे! सच कहूंगा तो लाखों करोड़ों के धंधे बंद हो जाएंगे। पेट पर ताले लग जाएंगे।' हद है यार! सच कहने में अभी भी आपत्ति! ठीक है, 'तो मुझे फोन किसलिए किया था?'

'हां यार! एक बात करनी थी। देख, मुझे पता नहीं था कि मैं इतनी जल्दी चला जाऊंगा।'

'सो पता तो किसी को भी नहीं होता', मैं भाड़े का टट्टू दार्शनिक बना, 'बोल, अब क्या बचा है तेरा यहां?'

'कविताओं के पारिश्रमिक के अतिरिक्त मेरे घर में मेरी किताबें हैं यार! हो सके तो उन्हें वहां से ले जाना। मैंने अपनी ही तरह के मुझसे पहले गुजरे लेखक के मरने के बाद देखा था कि उसकी किताबें उसके कमरे से हटा वहां गेस्ट रूम बना दिया गया था।' किताबों के प्रति मरने के बाद भी उसकी श्रद्धा देख मन मोर हो बैठा, 'तो?' 'मेरी किताबें वहां से ले जाना। तेरा बहुत शुक्रगुजार रहूंगा। और हां! मेरी कुछ अप्रकाशित कविताएं भी हैं उनमें। भले ही उन्हें अपने नाम से छपवा लेना। मुझे बुरा नहीं लगेगा। यहां तो लोग लेखक के जिंदा रहते ही उसकी रचनाएं उसके मुंह के सामने ही अपनी बता पारिश्रमिक ले हवा होते रहे हैं। तेरे नाम से ही सही, इस बहाने कम से कम मेरे विचार कागजों से निकल हवा में तो तैर जाएंगे। उनमें कोई सांस ले या न! वैसे भी अब समाज को गंदी हवा में सांस लेना रास आने लगा है।' 'देखो दोस्त! माना तुम मेरे दोस्त हो। पर सच ये है कि किताबों की रद्दी को आजकल कबाड़ी भी नहीं लेते। पिछले हफ्ते मैंने भी अपनी किताबें निकालनी चाही थीं। पर उसने साफ-साफ कह दिया था कि और तो छोड़ो, इनसे तो आलू प्याज के लिफाफे तक नहीं बनते। कबाड़ी किताबों की रद्दी से सौ गुणा बेहतर अखबारी रद्दी को मानते हैं।' मैंने उसका फोन काटा और उसे श्रद्धांजलि देने में व्यस्त हो गया।

देश दुनिया से

स्कूल शिक्षा को उत्कृष्ट कैसे बनाएं?

दूसरे देशों की बेहतर शिक्षा प्रणाली से सीखने के लिए हमारे देश में लगातार कोशिश की जा रही है। कुछ राज्य अपने स्कूल अध्यापकों को विदेशों में ट्रेनिंग के लिए भेज रहे हैं। वहीं आजकल हमारा पड़ोसी देश श्रीलंका अपनी स्कूल शिक्षा में बेहतर कारगुजारी के लिए पूरी दुनिया में चर्चा में आ रहा है। यहां तक कि अमरीका जैसा सुपर पावर देश भी स्कूल शिक्षा को लेकर श्रीलंका के प्रदर्शन को लेकर बौना साबित हो रहा है। स्कूली बच्चों की पढ़ाई के मामले में श्रीलंका ने हाल ही में बेहतर प्रदर्शन किया है। भारत के साथ सांस्कृतिक सांझ रखने वाले श्रीलंका ने दिखा दिया है कि सही मेहनत और सही सोच हो, तो छोटा देश भी बड़े देशों से आगे निकल सकता है। यह खुलासा हाल ही में आई एक रिसर्च रिपोर्ट में हुआ है, जिसमें बताया गया है कि श्रीलंका को अमरीका से 0.7 नंबर ज्यादा मिले हैं, जो दिखाता है कि पढ़ाई के मामले में श्रीलंका ने छोटा-सा अंतर होने के बावजूद अमरीका जैसे महाबली को हरा दिया। श्रीलंका की पढ़ाई की व्यवस्था को इतना अच्छा बनाने के पीछे कई कारण हैं जो हमारे लिए भी सीखने का सबब हैं। सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां की सरकार ने हर बच्चे को पढ़ाने को सबसे जरूरी काम माना है। गांवों में भी स्कूल बनाए गए हैं और वहां पढ़ाई की अच्छी सुविधाएं दी गई हैं। श्रीलंका में करीब 31 हजार स्कूल हैं, जो इतने छोटे देश के लिए बहुत बड़ी बात है। श्रीलंका में पढ़ाई तक पहुंच भी बहुत अच्छी है। वहां 98 प्रतिशत बच्चे प्राइमरी स्कूल में पढ़ते हैं और 85 फीसदी से ज्यादा बच्चे हाई स्कूल तक पढ़ाई करते हैं। इसका मतलब यह है कि वहां गरीब और अमीर सभी बच्चों को पढऩे का मौका मिलता है।

वहां की सरकार ने मुफ्त स्कूल और स्कॉलरशिप की सुविधा दी है, ताकि पैसों की कमी की वजह से कोई बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे। श्रीलंका में पढ़ाई की क्वालिटी भी बहुत अच्छी है। वहां टीचरों को अच्छी ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि वे बच्चों को नए और आसान तरीकों से पढ़ा सकें। स्कूलों में बच्चों को किताबों के साथ-साथ प्रैक्टिकल नॉलेज भी दी जाती है, जैसे कि टेक्नोलॉजी और स्किल्स सिखाना। श्रीलंका में स्कूलों का सिलेबस भी समय के साथ अपडेट किया जाता है, ताकि बच्चे आज के समय की जरूरतों के हिसाब से पढ़ सकें। क्या हम यह सब अपडेट कर रहे हैं? श्रीलंका की पढ़ाई की एक खास बात यह है कि वहां बच्चों को सिर्फ किताबें रटने को नहीं कहा जाता। स्कूलों में खेल, कला और अच्छे संस्कार सिखाने पर भी ध्यान दिया जाता है। इससे बच्चे सिर्फ पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि अपनी पर्सनैलिटी में भी बेहतर बनते हैं। कुछ देशों में पढ़ाई ज्यादा ग्लोबल होती है, लेकिन लोकल चीजों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता। ज्यादातर पढ़ाई पर ही जोर रहता है, लेकिन श्रीलंका में बच्चों को अच्छा इनसान बनाना भी जरूरी समझा जाता है। श्रीलंका ने अपनी पढ़ाई में पर्यावरण और अपनी संस्कृति को भी शामिल किया है। बच्चों को अपने आसपास की प्रकृति और अपनी परंपराओं के बारे में सिखाया जाता है, ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहें। श्रीलंका का यह तरीका बच्चों को जिम्मेदार और समझदार बनाता है। कुल मिलाकर श्रीलंका की स्कूल शिक्षा में कुछ ऐसे सारगर्भित गुण हैं जिनसे हम अपनी स्कूल शिक्षा को और अधिक प्रभावशाली और उत्कृष्ट बना सकते हैं। इसी के साथ हमें अपने देश में शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए अभी बहुत कुछ करना बाकी है। स्कूल न जाने वाले बच्चों के लिए आयु के अनुसार विशेष प्रशिक्षण और बड़े बच्चों के लिए आवासीय और गैर-आवासीय प्रशिक्षण, विशेष प्रशिक्षण केंद्र, आयु के अनुसार आवासीय और गैर-आवासीय प्रशिक्षण, एनआईओएस, एसआईओएस के माध्यम से शिक्षा पूरी करने के लिए स्कूल न जाने वाले बच्चों (16 से 19 वर्ष) को सहायता, समग्र प्रगति कार्ड, द्विभाषी शिक्षण सामग्री और पुस्तकें मुहैया कराना जरूरी है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उच्च माध्यमिक स्तर तक नए स्कूल खोलने, सुदृढ़ करने, स्कूल भवनों और अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण, वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत उत्तरी सीमावर्ती क्षेत्रों में स्कूल के बुनियादी ढांचे के विकास, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की स्थापना, उन्नयन और संचालन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों की स्थापना, पीएम-जनमन के तहत पीवीटीजी के लिए छात्रावासों का निर्माण, एसटी आबादी के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत छात्रावासों का निर्माण और शिक्षक प्रशिक्षण को मजबूत करने के लिए कदम उठाए जाने होंगे। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के मामले में बच्चों की पहचान और मूल्यांकन के लिए वित्तीय सहायता, सहायक उपकरण, ब्रेल किट और किताबें, उपयुक्त शिक्षण सामग्री और विकलांग छात्राओं को मासिक वृत्ति आदि प्रदान की जानी चाहिए। इसमें स्कूलों में बाधामुक्त पहुंच के लिए रैंप, हैंडरेल के साथ रैंप और विकलांगों के अनुकूल शौचालय जैसे दिव्यांगों के अनुकूल बुनियादी ढांचे के निर्माण का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। जिस देश और राज्य की स्कूल शिक्षा प्रणाली उच्च कोटि की होती है, वह देश बहुत तेज गति से विकास करता है। अतः प्रत्येक देश के विकास में उस देश की शिक्षा प्रणाली का बहुत बड़ा योगदान होता है। वर्तमान में हमारी स्कूल शिक्षा प्रणाली में कई कमियां हैं जिनमें सुधार करना बहुत जरूरी है।यदि हमें तेज गति से आर्थिक विकास करना है तो हमें अपनी स्कूल शिक्षा व्यवस्था बेहतर स्तर की बनानी ही होगी। इसके लिए मिडल स्तर के ऊपर के स्कूल छात्रों को वास्तविक जीवन से परिचय करवाइए। उन्हें हवा-हवाई कथाएं न सुनाएं। उन्हें किसी भी तरह की आसमानी किताब न पढ़ाएं। उन्हें जीवन जीना सिखाएं। प्रैक्टिकल बनाएं, ताकि आने वाली पीढियों में एक समझदार एवं सभ्य समाज का निर्माण हो सके। याद रहे कि सांस्कृतिक शिक्षा भी जरूरी है ताकि लोग नैतिक बनें। परंतु यह नैतिकता उनकी अपनी हो, उनके अंदर से आई हो। शिक्षा हमें अपने परिवार, समाज, रीति-रिवाजों, संस्कारों, मूल्यों, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि व हमारे इतिहास आदि से परिचित करवाती है। शिक्षा हमें नैतिकता सिखा कर, हमारे कत्र्तव्यों के बारे में बताकर समाज का एक जिम्मेदार नागरिक बनाने में हमारी मदद करती है।

आप का नजरिया

हिमाचली कलाकार का हक

अंततः हिमाचल ने अपने शून्य से अर्थ खोजने शुरू किए, तो दागदार होने की वजह भी मिल गई। दरअसल हम मूल प्रश्नों को आगे धकेलते रहे हैं और एक संकीर्णता का माहौल हमारा हालचाल पूछने लगा है। अब इन्हीं धाराओं में बहते कई भीगे हुए प्रश्न मिल जाएंगे, तो रिवायत बदलने की इच्छाशक्ति पैदा करनी होगी। बहरहाल यहां जिक्र शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया का जो शून्यकाल में हिमाचली कलाकारों को मंचों पर मिल रही शून्यता का सवाल उठा रहे हैं। यह कोई नई बहस नहीं और न ही ऐसा तथ्य है जिससे हिमाचली व्यवस्था अनभिज्ञ हो, लेकिन विडंबना यह कि हमारी महफिल के नगीने स्थानीय कलाकार नहीं बने। विधायक पठानिया ने सांस्कृतिक समारोहों में हिमाचली कलाकार के अधिकार की बात उठाते हुए यह मांग रखी है कि संस्कृति के अपने दरवाजे अपने ही घर में तंग नहीं होने चाहिएं, मगर हकीकत यह है कि सारा मनोरंजन अफरा-तफरी में चल रहा है। ऐसी सूचनाएं हैं कि पंजाब के ही एक गायक ने पिछले साल से अब तक कुछ कार्यक्रमों में सवा करोड़ बटोर लिए। यह इसलिए कि हमारे जनप्रतिनिधियों और नौकरशाहों के हाथों में ताली बजाने की खुजली सिर्फ किसी बाहरी कलाकार को बुला कर ही हटती है। अब तो ऐसे भी समारोह होने लगे हैं, जहां सांस्कृतिक कारणों के बजाय नेताओं की हस्ती के खातिर ढोल-नगाड़े बजने लगे हैं। हमने बार-बार लिखा और उस वक्त लिखा था, जब कुल्लू के मंच पर ही ठाकुर दास राठी को समय नहीं मिला था। हमने उस चैक के पीछे भी लिखा जिसकी मोटी राशि किसी बाहरी कलाकार के नाम हुई थी। हम वर्षों से लिख रहे हैं कि सांस्कृतिक समारोहों व तमाम मेलों के आयोजन के लिए एक मेला विकास प्राधिकरण का गठन होना चाहिए। प्रदेश के मेलों और सांस्कृतिक समारोहों का वर्गीकरण करते हुए इनसे जुड़ी आर्थिकी का संरक्षण जरूरी है। प्रदेश में छोटे-बड़े मेलों, धार्मिक तथा सांस्कृतिक समारोहों को जोडक़र देखें तो हर साल पांच से सात सौ करोड़ का व्यापार होता है। ये मेले बिखरे हुए हैं। कब कोई सियासी फैसला इन्हें जिला से राज्य और राज्य से अंतरराष्ट्रीय नाम से अलंकृत कर दे, कोई नहीं जानता। जाहिर है अब मेलों के आयोजन के लिए नए व बड़े स्थान चाहिएं, सांस्कृतिक संध्याओं के आयोजन को स्थायी मंच चाहिएं तथा कलाकारों के चयन की एक पद्धति चाहिए। अगर मेला प्राधिकरण को आय-व्यय के हिसाब से वार्षिक कैलेंडर बनाने को प्रेरित किया जाए, तो इसका लाभ पर्यटन उद्योग को भी होगा। पूरे प्रदेश में इस तरह दो-ढाई सौ मेला ग्राउंड विकसित होंगे तथा अधोसंरचना निर्माण में भी भूमिका का विस्तार होगा। इतना ही नहीं, मेला विकास प्राधिकरण के मार्फत पुस्तक, व्यापार, औद्योगिक, फूड, पशु तथा आधुनिक तकनीक के प्रसार में विविध मेलों का आयोजन हो सकता है। मेलों के मार्फत पारंपरिक छिंजों के आयोजन से कुश्ती प्रशिक्षण के कई केंद्र विकसित हो सकते हैं। प्रदेश के ट्राइबल मेलों के अलावा हरियाणा की तर्ज पर सूरजकुंड सरीखे मेलों के आयोजन की पृष्ठभूमि चंडीगढ़ के समीप लगते इलाकों में विकसित की जा सकती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन कारोबार के हिसाब से बहतर हैं लाभ होगा रुकावटें दूर होंगी। आप को अपने तरीकें से ही काम करना चाहिए किसी के दिखावे मे नही आना चाहिए। छात्रों के लिए महनत का समय हैं परिणाम सकारात्मक रहेंगे अनजाने व्यक्ति से निवेश मे सलाहमशवरा करना आपके लिए आर्थिक रूप से समस्या खड़ी कर सकता है। सेवक से बहसबाजी न करें आपकी छवि धूमिल हो सकती है। सूर्य को कनेर के पुष्प से अर्घ्य दें, आय बढेगी शरीर स्वस्थ रहेगा आनंद की अनुभूति होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कार्यालय मे संयम से व्यवहार करना होगा। सरकारी कागजात को सावधानी से पढकर ही काम करना चाहिए। आज नये स्टाफ को जोखिम देने से हानि होगी। मित्रों का व्यवहार आपको पसंद नहीं आएगा आप टेंशन मे आ जाएंगे। पुराने कर्मचारियों से आप खुश होंगे। किसी भी कार्य को अन्तिम रुप देने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना चाहिए। अपने खराब प्रदर्शन के लिए किसी दूसरे पर आरोप मत डाले घर–परिवार को भी प्रसन्न रखें माता–पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कन्स्ट्रक्शन के कारोबार मे निवेश करें लाभदायक रहेगा। कोई नया काम शुरू कर सकते हैं, सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक लाभ भी ठीक–ठाक रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनेगा समय बहुत मौज मस्ती मे जायेगा। एक ही लक्ष्य लेकर कार्य करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। कुछ घरेलू मामलों को सुलझाया जा सकता है। किसी भी तरह के नकारात्मक विचार आने से पहले ही कार्य को अन्तिम रुप देदें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज समय का साथ मिलेगा आप सौभाग्यशाली रहेंगे। भविष्य के संबंध में कोई निर्णय लेना उचित होगा। आप का अथक परिश्रम आप को सफलता की सिढी पर ले जाएगा इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए हर्षोल्लास का समय हैं छात्र पुरस्कृत होंगे। अपने से छोटो को पहले मौका देना आप की पद और प्रतिष्ठा मे बढोत्तरी करेगा। आप को अर्थ का लाभ होगा। मंदिर मे देवमूर्ति को साष्टांग दण्डवत प्रणाम करना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन की शुरुआत धरती को छूकर प्रणाम करके करें। अपने काम की अहमियत को समझना होगा और मजबूती से कदम आगे बढाना होगा। आज सबसे पहले रुके हुए काम पूरे करना चाहिए, जो काफी महत्वपूर्ण है और आप को सरकारी दण्ड से भी बचाएगा। अगर कोई बात उलझ गई हो तो, निःसंकोच बातचीत से ही उसे ठीक करें, तो यह सही होगा। आप को अपना काम बहुत ही समझदारी से करना चाहिए। अपने माता–पिता से किसी को भी बात को गुप्त नही रखना हैं। आप एक अच्छे मित्र के रूप में प्रदर्शित होंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सबसे पहले अपने घर की जरुरतों को पूरा करें तत्पश्चात अपने व्यवसाय मे निवेश करें वर्तमान सुखमय बितेगा भविष्य के लिए चिंता मुक्त होंगे। विरोधियों से सावधान रहना होगा आप के होते हुए काम बिगाडेंगे। आने वाला समय आप का होगा आप को मित्रों का पूरा समर्थक रहेगा। शिक्षा क्षेत्र मे बाधा आ सकती है। आप एक्सपर्ट के साथ संवाद कर सकते हैं। अपने लक्ष्य को सुनिश्चित करें आप के पूर्व का निवेश भविष्य को फायदा देगा।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज सदग्रन्थों का अनुसरण करें दिनचर्या मे बदलाव की जरुरत हैं। कारोबार के हिसाब से समय सकारात्मक हैं अपने स्टाफ पर भरोसा रखना होगा आप को बेफिक्री रहेगी। कामर्स के छात्रों को विशेष सफलता मिलेगी महनत का सही परिणाम आएगा। बिगडे हुए काम आने वाले समय मे बनेंगे बस आप को निरंतर प्रयास करते रहना होगा ऑफिस पर ओवर टाइम होगा। किसी से हाथ पैसा लेना पडेगा परन्तु जल्दी ही आप चुका भी देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन आप के लिए सौभाग्यशाली है। आज नया कारोबार चालू करने सही समय हैं। कुछ पुराने कामों मे दिक्कतें जरूर आ सकती हैं उस को अच्छी तरह से समझकर सुलझा लें। आज शिक्षकों को छात्रों पर महनत करनी पडेगी तभी परिणाम अच्छे आंएगे। अपने निवेश का लेखाजोखा आप को ही रखना होगा नये और अपरिचित स्टाफ पर पूरा भरोसा करना नुकसानदेह साबित होगा। आप किसी भी तरह की यात्रा का योग बन रहा हैं गुड का सेवन करके प्रस्थान करें। मित्रो के साथ लम्बी बातचीत हो सकती हैं। आज नंदी महाराज को गुड खिलाए रोगमुक्त रहेंगें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप बैंकिंग मे कार्यरत है तो आप का पदोन्नति के साथ ट्रासफर हो सकता हैं आप के बैलेंस शिट में सुधार होगा मुनाफे के साथ स्थाई धन बढेगा। धार्मिक माहौल का आनंद मिलेगा बच्चों के स्वभाव मे अच्छे संस्कार का बदलाव देखने को मिलेगा। आज सामाजिक काम व्यस्तता रहेगी आप अपनी चतुराई से घरेलू समस्याओं को हल निकालने मे सक्षम होंगे। कुछ जातक नौकरीपेशे मे ही अपनी जीविका तलाशेंगे और रिस्क लेने से दूर ही रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कपडे का व्यवसाय करने वालो के लिए समय मध्यम हैं न लाभ होगा और न हानि बनेगी। नौकरीपेशे से जुडे हुए हैं तो आप को संयम रखने की बहुत जरूरत हैं आप के भाई और बहन के रिश्तों मे कुछ अनबन हो सकती हैं परन्तु आप को अपने पर नियंत्रण रखना पडेगा और रिश्तों को सुधारते हुए साथ चलना होगा आज स्वास्थ्य दिक्कतें आ सकती हैं कमर के भाग मे कुछ तकलीफे बन सकती हैं डीनर के बाद कुछ कदम चलें हाजमा मजबूत होगा और तंदरुस्ती बरकरार रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप लिखने का शौक रखते हैं तो आप को नये आफर मिल सकते हैं आप कोई कम्पनी के साथ अनुबंध भी कर सकते हैं आप की प्रतिष्ठा भी बढेगी। परिवार में बनी सुख शान्ति आप को बरकरार रखनी होगी। आप को सबका साथ लेकर चलना होगा। आप के बच्चे परीक्षा मे अच्छे परिणाम लाएंगे आप को गर्व का एहसास होगा। कर्ज लेने से पहले अपनी आय का स्त्रोत भलीभांति देखले और समझले। रोज गाय और कुत्ते को रोटी खिलाए आमदनी का जरीया बढेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सफल बनाना है तो गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए। छोटी कन्या के चरण छूकर आशीर्वाद ले और कुछ उपचार दें आप कर्ज मुक्त होंगे। घर की साफ सफाई मे दिन गुजरेगा। लैव मैरेज के पूरे चांस बन रहे हैं अपने मन की बात घर वालो को बताने मे आप घबराएंगे नही आत्मविश्वास पूरा जोरों पर हैं। व्यापार मे भी समय साथ रहेगा आप निडर होकर निर्णय लेंगे। रिश्तेदारी मे कोई दावत का निमंत्रण मिलेगा आप पूरे परिवार के साथ शिरकत करेंगे पूरा लुत्फ लेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 मार्च 2025, गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र, कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 11:06 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 12:34 तक
योग : साध्य प्रातः 09:24 तक
करण : गर दोपहर 12:30 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि व्रत, रंग तेरस, वारुणी योग सूर्योदय से सूर्यास्त तक, भद्रा रात्रि 11:04 से

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार कृषक हित में उठा रही अहम कदम : भजनलाल

बीकानेर,26 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान देश एवं प्रदेश की आत्मा है अगर किसान विकसित होगा तो देश–प्रदेश विकसित एवं खुशहाल होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का सपना सिर्फ 'कृषि विकास' ही नहीं 'कृषि गौरव' है। हम चाहते हैं कि राजस्थान का किसान देश में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में आदर्श बने। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) से जुड़ें जिससे वे लाभ की खेती कर खुद को सशक्त बना सकें।

शर्मा बुधवार को बीकानेर में राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत आयोजित किसान सम्मेलन एवं किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को राजस्थान दिवस तथा भारतीय नववर्ष 2082 की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है तथा प्रदेशवासी धूमधाम से राजस्थान दिवस मनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम किसानों के सम्मान को समर्पित है। किसान सिर्फ खेती नहीं करते, वे जीवन की नींव रखते हैं। किसानों की मेहनत से ही भारत ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है तथा विश्व में हम एक अग्रणी कृषि शक्ति के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा कि किसान सूरज की तपती धूप, कड़ाके की सर्दी तथा बारिश की बौछार में भी खेतों में खड़े रहकर सिंचाई करते हैं और रखवाली करते हैं। किसानों का यह त्याग और समर्पण अप्रतिम है। आज बीकानेर में हुए किसान सम्मेलन एवं एफपीओ कार्यक्रम में 30 हजार किसानों को 137 करोड़ रुपये का अनुदान हस्तान्तरण किया गया। साथ ही, इसमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि राशि में वृद्धि एवं मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के दिशा–निर्देश जारी किए गए। इसके अलावा मंगला पशु बीमा योजना में लाभान्वितों का दायरा भी बढ़ाया गया है। कार्यक्रम में पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना के अन्तर्गत निःशुल्क उपलब्ध करवाये जा रहे औषधियों व टीकों की संख्या बढाकर 200 किए जाने तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के विभिन्न दिशा–निर्देश जारी किए गए। ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बैल से खेती करवाये जाने पर 30 हजार की प्रोत्साहन राशि के दिशा–निर्देश जारी किए गए। पीएमएफएमई योजना के तीन एफपीओ को अनुदान के तथा एक एफपीओ को शेयर मनी के चैक वितरण किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि लघु एवं सीमांत कृषकों को लाभ की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए एफपीओ एक बड़ी पहल है। एफपीओ के माध्यम से किसान सामूहिक होकर काम करते हैं जिससे उन्हें कृषि अनुदान, सस्ते बीज तथा फसल का उचित मूल्य मिलता है। राज्य सरकार किसानों के हितों का ध्यान रखने के लिए एफपीओ जैसी पहलों को प्रोत्साहित कर रही है।

फर्जी कार बाजार और डमी फर्मों से करोड़ों की टैक्स चोरी

जयपुर,26 मार्च (एजेंसियां)।

वाणिज्य कर विभाग ने डमी फर्मों के माध्यम से पुरानी कारों की खरीद–बिक्री का फर्जी बाजार बनाकर करोड़ों रुपए की कर चोरी के आरोप में राजेश अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। अग्रवाल पर फर्जी बिलों के जरिए गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने और दूसरों को पास करने का आरोप है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि अग्रवाल ने अपनी फर्म ऑटो जंक्शन के अलावा, अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर भी फर्में बनाईं। उन्होंने एक लिमिटेड कंपनी के ऐप पर पोल्स, कारदेखो जैसी वेबसाइटों पर बिक्री के लिए डाली गई कारों, ठढज एजेंटों के माध्यम से बेची गई कारों या रास्ते में चलने वाली कारों की जानकारी विभिन्न व्यावसायिक लॉगिन आईडी बनाकर अपलोड की। इसके बदले में, उन्होंने कमीशन लिया और गलत आईटीसी का लाभ पहुंचाया।

उन्होंने अपनी फर्म में काम करने वाले जरूरतमंद लोगों को लोन का लालच देकर उनके आधार कार्ड और पैन कार्ड का दुरुपयोग करके डमी फर्में बनाईं। अग्रवाल इन डमी फर्मों के खातों का संचालन भी खुद ही करते थे।

जांच के अनुसार, अग्रवाल ने अपने परिवार के सदस्यों और अन्य डमी फर्मों के माध्यम से लगभग 86 करोड़ रुपये के फर्जी बिल प्राप्त किए और 15.54 करोड़ रुपये का गलत आईटीसी दावा किया। बाद में, उन्होंने लगभग 92 करोड़ रुपये के फर्जी बिलों के माध्यम से 16.65 करोड़ रुपये की कर राशि को भी पास किया।

मुख्य आयुक्त प्रकाश राजपुरोहित के आदेश पर, विशेष आयुक्त जयदेव सी.एस. के मार्गदर्शन में और अतिरिक्त आयुक्त शिशुपाल सिंह के पर्यवेक्षण में, संयुक्त आयुक्त छवि कुंतल के नेतृत्व में सहायक आयुक्त हिमांशु शर्मा ने 25 मार्च को अग्रवाल को गिरफ्तार किया।

अतिक्रमण और प्लास्टिक के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई

जयपुर,26 मार्च (एजेंसियां)।

नगर निगम ग्रेटर जयपुर ने झोटवाड़ा जोन में अतिक्रमण और सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। निगम आयुक्त रुक्मणि रियाड़ के निर्देशानुसार, उपायुक्त मनीषा यादव के नेतृत्व में बुधवार को कनकपुरा रेलवे स्टेशन से सिंवार मोड़ तक अतिक्रमण हटाया गया और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों से जुर्माना वसूला गया।

नगर निगम की सतर्कता शाखा और झोटवाड़ा जोन की स्वास्थ्य शाखा की संयुक्त टीम ने कनकपुरा रेलवे स्टेशन से सिंवार मोड़ तक अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान, सिंवार मोड़ पर अस्थायी अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी गई, जिसके बाद उन्होंने स्वयं ही अपने अस्थायी ठेलों को हटा लिया। नगर निगम की टीम ने सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वाले 14 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की और उनसे 23,500 रुपये का जुर्माना वसूला। टीम ने प्लास्टिक कैरी बैग्स भी जब्त किए।

उपायुक्त मनीषा यादव ने कहा कि नगर निगम अतिक्रमण और प्लास्टिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करें। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि जो भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण करता हुआ या सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करता हुआ पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस कार्रवाई में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक वीरेंद्र कुमार, स्वास्थ्य निरीक्षक नीलम कुमारी शर्मा, स्वास्थ्य निरीक्षक राजेंद्र कुमार और तेजपाल वैद्य शामिल थे। यह कार्रवाई नगर निगम के शहर को स्वच्छ और अतिक्रमण मुक्त बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। नगर निगम ने लोगों से सहयोग करने और नियमों का पालन करने की अपील की है।

टैक्स चोरी का जाल : 10 करोड़ से अधिक की फर्जी आईटीसी का खुलासा

जयपुर,26 मार्च (एजेंसियां)।

वाणिज्यिक कर विभाग ने 10.05 करोड़ रुपए की फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट बनाने और उपयोग करने के आरोप में सीए अंकित जैन को गिरफ्तार किया है। जैन पर बिना किसी माल या सेवा की आपूर्ति के केवल बिल जारी करने का आरोप है।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि अंकित जैन मैसर्स के सी जैन एंड एसोसिएट्स के मालिक हैं। उन्हें अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन), राज्य कर, प्रवर्तन शाखा–तृतीय द्वारा गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी विशेष आयुक्त (प्रवर्तन) के मार्गदर्शन और अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन) शिशुपाल सिंह के पर्यवेक्षण में की गई। न्यायालय ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

प्रवक्ता ने बताया कि जैन ने अपने कुछ ग्राहकों की फर्मों के रिटर्न भरने के काम का दुरुपयोग किया। उन्होंने फर्जी आपूर्ति दिखाई, यानी बिना किसी वास्तविक माल या सेवा की आपूर्ति के फर्जी बिल जारी किए। उन्होंने फर्जी आईटीसी बनाई और उसका उपयोग किया, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान हुआ। उन्होंने कमीशन लेकर गलत खढउ का लाभ पहुंचाया और कर चोरी की।सहायक आयुक्त कृष्ण कुमार स्वामी ने अंकित जैन को गिरफ्तार किया। सहायक आयुक्त हेमंत चंचल, राज्य कर अधिकारी हेमंत कुमार शर्मा, संजय चौधरी, प्रदीप कुमार और कर सहायक दिनेश कुमार सैनी जांच दल में शामिल थे। यह गिरफ्तारी कर चोरी के खिलाफ सरकार की सख्त कार्रवाई का संकेत देती है।

जेडीए की बड़ी कार्रवाई 50 करोड़ की सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त

जयपुर,26 मार्च (एजेंसियां)।

जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने शहर में अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जेडीए ने जोन–14 में चार बीघा सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया और अन्य स्थानों से अवैध निर्माण हटाए। इस कार्रवाई में लगभग 50 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

जेडीए के प्रवक्ता ने बताया कि जोन–04 में, टोंक रोड दुर्गापुरा, एयरपोर्ट एन्क्लेव कॉलोनी के पास, जेडीए की लगभग 3200 मीटर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 50 करोड़ रुपये है। जोन–14 में, ग्राम वाटिका और ग्राम ग्वार ब्राह्मणान में, जेडीए की लगभग चार बीघा सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। जोन–08 में, एक निजी कृषि भूमि पर बन रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया गया।

आईफा के 100 करोड़ अस्पतालों को मिलते तो जनता को राहत मिलती : गहलोत

जयपुर,26 मार्च (एजेंसियां)।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर मौजूदा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को आड़े हाथों लिया है। गहलोत ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति दिनोंदिन बिगड़ती जा रही है और आम जनता इलाज के लिए भटक रही है।

गहलोत ने आईफा कार्यक्रम पर खर्च किए गए 100 करोड़ रुपए पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर यह राशि सरकारी अस्पतालों को मिलती तो जनता को ज्यादा राहत मिलती। उन्होंने कहाकि सरकार को इवेंट मैनेजमेंट की जगह जनता की स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देना चाहिए।

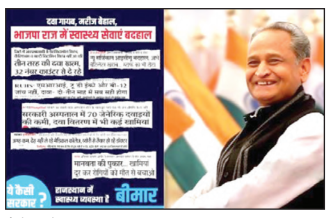

गहलोत ने राज्य के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी, डॉक्टरों की कमी और अन्य सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आम जनता को इलाज के लिए निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जो उनकी जेब पर भारी पड़ रहा है।

गहलोत ने राज्य सरकार पर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है और वे केवल इवेंट मैनेजमेंट में व्यस्त हैं। गहलोत के इस बयान ने राजस्थान की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। भाजपा ने गहलोत के आरोपों को निराधार बताया है और कहा है कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।गहलोत के बयान से राज्य की जनता में चिंता बढ़ गई है। वे सरकार से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की मांग कर रहे हैं।

झालावाड़ में अन्तर्राज्यीय गैंग का पर्दाफाश

16 लाख की चोरी की 24 बाईक बरामद, दो हिस्ट्रीशीटर सहित पांच बदमाश गिरफ्तार

झालावाड़,26 मार्च (एजेंसियां)।

झालावाड़ जिले की थाना सदर पुलिस ने वाहन चोरी की अन्तर्राज्यीय गैंग का पर्दाफाश कर थाना सदर के हिस्ट्रीशीटर दुलिया उर्फ दुलसिंह उर्फ दुल्है सिंह कंजर पुत्र हरि राम (40) निवासी बिरियाखेड़ी कलां थाना सदर व थाना रटलाई के हिस्ट्रीशीटर रायसिंह पुत्र रुपा जाति तंजर उम्र 35 साल पीपलिया थाना रटलाई के हिस्ट्रीशीटर सहित लखन कंजर पुत्र रामलाल (22) निवासी नारायणपुरा थाना सदर, मुरली मनोहर सुमन पुत्र रामस्वरुप (25) निवासी पीपलाज थाना खानपुर एवं राहुल प्रजापत पुत्र दिनेश (22) निवासी चांदखेड़ी थाना खानपुर जिला झालावाड़ को गिरफ्तार किया है। एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि दोनों हिस्ट्रीशीटर मध्य प्रदेश राज्य में वांछित है। इनके पास से शहर झालावाड, मण्डावर, भवानीमण्डी, रामगंजमण्डी, व नीमच (एम.पी.) व अन्य अज्ञात स्थानों से चुरायी 16 लाख रुपए कीमत की चोरी की 24 मोटरसाइकिल जब्त की गई। गैंग के सदस्य एमपी व राजस्थान में चोरी, नकबजनी व लूटपाट की वारदातों को अंजाम देते है। दोनों हिस्ट्रीशीटर के विरुद्ध कोटा व झालावाड़ में 28 आपराधिक मुकदमें एवं लखन कंजर के विरुद्ध दो मुकदमे दर्ज हैं।

विनेश फोगाट को ओलंपिक रजत पदक विजेता के समान मिलेगा सम्मान, हरियाणा कैबिनेट का फैसला

चंडीगढ़,26 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्य सरकार ने कुश्ती से राजनीति में आईं कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट को ओलंपिक रजत पदक विजेता के बराबर लाभ देने का फैसला किया है। यह निर्णय राज्य की खेल नीति के तहत लिया गया है।

जिंद जिले की जुलाना विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने हाल ही में यह मुद्दा विधानसभा सत्र के दौरान उठाया था। राज्य कैबिनेट ने इस मामले को एक विशेष अपवाद मानते हुए, विनेश फोगाट को खेल नीति के तहत सम्मान और लाभ देने का फैसला किया है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि अब वह एक विधायक हैं, इसलिए उन्हें यह निर्णय लेने का विकल्प दिया जाएगा कि वह किन लाभों को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि हरियाणा सरकार की खेल नीति के अंतर्गत ओलंपिक रजत पदक विजेता को तीन प्रमुख लाभ दिए जाते हैं – चार करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार, ग्रुप 'ए' के तहत उत्कृष्ट खिलाड़ी की सरकारी नौकरी और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण का एक प्लॉट। विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक 2024 में एक तकनीकी कारण से डिस्क्वालिफाई कर दिया गया था। उन्हें 50 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल मुकाबले से पहले वजन अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इसके बावजूद, उन्होंने सेमीफाइनल मैच जीता था और हरियाणा सरकार ने उनके प्रदर्शन को ऐतिहासिक मानते हुए उन्हें ओलंपिक पदक विजेता का दर्जा देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने उस समय ट्वीट कर कहा था कि हरियाणा की बेटी विनेश फोगाट का सम्मान कम नहीं होने दिया जाएगा।विधानसभा सत्र के दौरान विनेश फोगाट ने मुख्यमंत्री को उनका वादा याद दिलाते हुए कहा, मुख्यमंत्री ने कहा था कि विनेश हमारी बेटी है और उसे ओलंपिक रजत पदक विजेता के समान पुरस्कार मिलेगा। लेकिन अभी तक यह वादा पूरा नहीं हुआ। फोगाट ने कहा, यह पैसे का नहीं, बल्कि सम्मान का सवाल है। पूरे हरियाणा से लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या मुझे सरकार से नकद पुरस्कार मिला? अगस्त 2024 में हरियाणा सरकार ने घोषणा की थी कि विनेश फोगाट को पदक विजेता का दर्जा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऐलान किया था कि विनेश को ओलंपिक रजत पदक विजेता के समान सभी पुरस्कार दिए जाएंगे।

अवैध ट्रैवल एजेंटों पर शिकंजा कसेगी सरकार, नया कानून पारित

चंडीगढ़,26 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार ने अवैध तरीकों से युवाओं को विदेश भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में बताया कि अब तक 127 मामले दर्ज किए गए हैं और 102 एजेंटों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आठ एजेंटों को गिरफ्तार भी किया गया है। विधानसभा में हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक 2025 सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य ट्रैवल एजेंटों की गतिविधियों को विनियमित करना, उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना और युवाओं को उनके शोषण से बचाना है। इसमें ट्रैवल एजेंटों का अनिवार्य पंजीकरण, मानव तस्करी में शामिल एजेंटों के लिए 7 से 10 साल तक की जेल की सजा और विदेशी सहयोग विभाग का गठन, जो युवाओं को सुरक्षित रूप से विदेश भेजने में मदद करने जैसे प्रावधान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विधेयक युवाओं को अवैध एजेंटों के जाल में फंसने से बचाएगा और उन्हें सुरक्षित भविष्य प्रदान करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की भी सराहना की, जिसने यूक्रेन में फंसे 23,000 युवाओं को सुरक्षित भारत वापस लाया। हालांकि, विपक्षी दलों ने विधेयक के कुछ प्रावधानों पर सवाल उठाए हैं। उनका तर्क है कि विधेयक में एजेंटों की जवाबदेही तय करने के लिए पर्याप्त प्रावधान नहीं हैं और यह युवाओं को शोषण से बचाने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। युवाओं का एक बड़ा वर्ग विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश में है। हालांकि, अवैध एजेंट उन्हें गुमराह करते हैं और उन्हें असुरक्षित परिस्थितियों में भेजते हैं। सरकार का यह कदम युवाओं को इन एजेंटों के चंगुल में फंसने से बचाने में कितना कारगर होगा, यह देखना बाकी है।

मुगलों से नहीं, छत्रपति शिवाजी से है आगरा की पहचान: योगी

आगरा में 635 करोड़ की 128 परियोजनाओं का लोकार्पण

आगरा, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आगरा में आयोजित जनपदीय विकास उत्सव में बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाग लिया। इस दौरान सीएम योगी ने प्रदेश सरकर की सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति के तहत राज्य में हुए विकास कार्यों को जनता के सामने रखा। इस दौरान सीएम योगी ने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया, जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और 635 करोड़ रुपए की 128 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। कार्यक्रम में योगी सरकार के 8 वर्षों की उपलब्धियों को दर्शाने वाली एक झलक रिपोर्ट कार्ड डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आगरा की पहचान मुगलों से नहीं बल्कि ब्रजभूमि से है, वृंदावन बिहारी लाल और राधा रानी से है। आगरा की पहचान अगर किसी से है, तो वह छत्रपति शिवाजी महाराज से है।

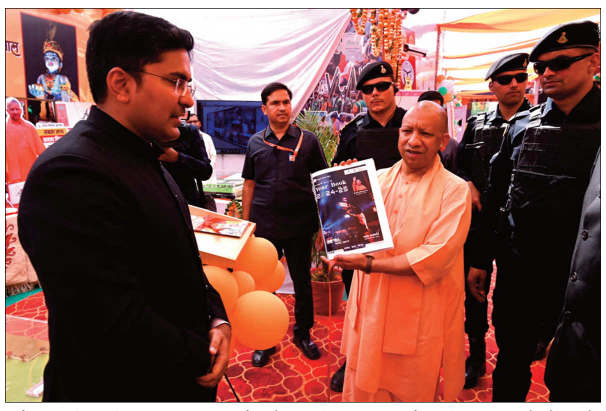

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आगरा की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान है ये किसी मुगलों से जुड़ी नहीं है। उन्होंने कहा कि आगरा का संबंध ब्रजभूमि से है, वृंदावन बिहारी लाल और राधा रानी से है। आगरा की पहचान अगर किसी से है, तो वह छत्रपति शिवाजी महाराज से है। सीएम योगी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने आगरा में एक म्यूजियम का निर्माण शुरू किया था और उसका नाम मुगल म्यूजियम रखा था। सीएम योगी ने इस पर सवाल उठाते हुए पूछा आखिर मुगलों का आगरा से क्या संबंध है? सीएम योगी ने कहा कि मेरी सरकार ने इस म्यूजियम का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर किया और इसके भव्य स्मारक के निर्माण की कार्ययोजना को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार विरासत और विकास दोनों को प्राथमिकता दे रही है। हमने आगरा में पेठा और लेदर इंडस्ट्री को नई पहचान दी है, वहीं बटेश्वर को वैश्विक पटल पर लाने का काम भी डबल इंजन सरकार कर रही है।

सीएम योगी ने 2017 से पहले की सपा सरकार पर जमकर हमला बोला और उस दौर की अराजकता को याद दिलाया। उन्होंने कहा कि जिनकी उम्र 25 साल से ऊपर है, उन्हें 2017 से पहले का उत्तर प्रदेश याद होगा। उस समय अराजकता, गुंडागर्दी और माफियागिरी का बोलबाला था। नौजवानों के सामने पहचान का संकट था, अन्नदाता किसान आत्महत्या करने को मजबूर था, गरीब भूख से मरता था, व्यापारी और बेटियां असुरक्षित थीं। पर्व-त्योहारों से पहले लोगों के मन में डर रहता था कि कहीं दंगे न हो जाएं, कर्फ्यू न लग जाए। सीएम योगी ने कहा कि उस समय सड़कों पर ग-े, शाम होते ही अंधेरा और हर तीसरे दिन दंगों की खबरें उत्तर प्रदेश की पहचान बन गई थीं। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि यह पहचान का संकट खड़ा करने वाले वही लोग थे, जो आज झूठ का पुलिंदा लेकर अनर्गल प्रलाप करते हैं।

सीएम योगी ने विपक्ष पर विकास कार्यों में बाधा डालने और दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कोविड काल का जिक्र करते हुए कहा कि जब हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोविड के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे, तब विपक्ष सरकार से लड़ रहा था। वे कहते थे टेस्ट मत करो, ट्रीटमेंट मत करवाओ, वैक्सीन मत लगाओ। लेकिन डबल इंजन सरकार ने फ्री टेस्ट, फ्री ट्रीटमेंट, फ्री वैक्सीन और फ्री राशन देकर जनता की रक्षा की। सीएम योगी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का विरोध करने के लिए भी विपक्ष की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जब 500 वर्षों बाद रामलला अयोध्या में विराजमान हुए, तब भी कांग्रेस और सपा ने दुष्प्रचार किया। पूरी दुनिया अभिभूत थी, लेकिन इनके घरों में सन्नाटा छाया था। हाल ही में संपन्न प्रयागराज महाकुंभ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने इस भव्य आयोजन में हिस्सा लिया, लेकिन विपक्ष तब भी दुष्प्रचार में लगा रहा। जब इनको सत्ता में मौका मिला, तो इन्होंने विकास नहीं किया और आज जब विकास हो रहा है, तो ये बैरियर बनने का काम कर रहे हैं।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के विकास की नई तस्वीर पेश करते हुए कहा कि 8 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य कहलाता था, लेकिन आज यह देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था बन चुका है। आने वाले समय में यह नंबर एक की अर्थव्यवस्था बनेगा।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने किसानों, युवाओं और गरीबों के लिए कई कदम उठाए। पहले किसान आत्महत्या करते थे, लेकिन हमने लघु और सीमांत किसानों की कर्ज माफी की। आज 2.62 करोड़ से अधिक किसानों को 80,000 करोड़ रुपए की सम्मान निधि दी जा चुकी है। 2,80,000 करोड़ रुपए गन्ना किसानों के खाते में भेजे गए हैं। अब हमारा अन्नदाता आत्मनिर्भर बनकर विकास में योगदान दे रहा है। योगी ने युवाओं के लिए किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि 8.30 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी गई। हाल ही में 60,000 पुलिस भर्ती में 12,000 बेटियों का चयन हुआ। एमएसएमई के जरिए रोजगार के अवसर बढ़े। पहले सपा-कांग्रेस वन जिला वन माफिया बनाते थे, हमने वन जिला वन मेडिकल कॉलेज और वन जिला वन प्रोडक्ट दिया। उन्होंने कहा कि आज यूपी में सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे, मेट्रो, रेलवे नेटवर्क, हाईवे और एयरपोर्ट हैं। सर्वाधिक खाद्यान्न, आलू, गन्ना और एथेनॉल उत्पादन में यूपी नंबर एक है।

कार्यक्रम में सीएम योगी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को टैबलेट प्रदान किए, स्वामी विवेकानंद योजना के तहत मेधावी छात्र-छात्राओं को टैबलेट भेंट किए, और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। इसके साथ ही, उन्होंने गोवर्धन रिसोर्ट में 170 करोड़ रुपए का निवेश करने वाले पूरन डाबर और शारदा यूनिवर्सिटी के वाईके गुप्ता को 1,100 करोड़ रुपए के निवेश के लिए सम्मानित किया। सीएम ने गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और बच्चों के लिए पोषण किट प्रदान की। उन्होंने कान्हा के वेष में आए नन्हें बच्चों को गोद में लेकर दुलारा, उन्हें खीर खिलाई, और खिलौने व फल वितरित किए। कृषि उपकरण वितरण के तहत ड्रोन भी प्रदान किए गए। साथ ही 60 दिव्यांगों को उपकरण व 20 दिव्यांगों को इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल वितरित किया। इस दौरान मिशन शक्ति, आगरा नगर निगम और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सीएम को हस्तनिर्मित उपहार भेंट किए।

सपा नेता ने भाजपा नेता को जहरीला इंजेक्शन देकर मरवाया

जेल से अपराधियों को रिहा कराया और हत्या की सुपारी दी

संभल, 26 मार्च (एजेंसियां)। संभल जिले के जुनावई थाना इलाके के गांव दबथरा हिमंचल में भाजपा नेता गुलफाम सिंह यादव की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। वर्तमान ब्लॉक प्रमुख और उसके ग्राम प्रधान पिता ने चुनावी रंजिश के चलते षडयंत्र रच कर हत्याकांड को अंजाम दिया। पुलिस ने ब्लॉक प्रमुख और उसके पिता समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने मीडिया के समक्ष हत्याकांड का खुलासा किया।

10 मार्च की दोपहर एक बजे करीब भाजपा नेता गुलफाम सिंह यादव घेर में आराम कर रहे थे। उसी समय बाइक पर सवार तीन लोग उनके पास पहुंचे। गुलफाम सिंह ने सभी को पानी पिलवाया और कुर्सी पर बैठा कर वार्ता की। इसी दौरान हत्यारोपियों ने उनके पेट में जहरीला इंजेक्शन घोंप दिया। अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही भाजपा नेता की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मृतक भाजपा नेता के पुत्र दिव्य प्रकाश यादव की तहरीर के आधार पर ब्लॉक प्रमुख रवि यादव पुत्र महेश व उसके पिता महेश यादव पुत्र सेवाराम यादव, धर्मवीर उर्फ धम्मा पुत्र मोहन सिंह निवासी ग्राम मैढौली थाना जुनावई, डॉ. मुकेश यादव पुत्र लालाराम यादव निवासी गांव दबथरा हिमंचल थाना जुनावई और दो अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

मामले को संज्ञान लेकर एसपी ने खुलासे के लिए आठ टीमों का गठन किया। थाना जुनावई से तीन टीम तथा थाना गुन्नौर से दो टीम समेत सर्विलांस टीम व एसओजी से तीन टीम को लगाया गया। इस दौरान घटना के आस पास जाने वाले रास्ते पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले गये तथा घटना स्थल से सर्विलांस टीम द्वारा बीटीएस व संदिग्ध व्यक्तियो की सीडीआर निकाली गई। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी गई। पुलिस की पूछताछ में मुकेश यादव के घटना में शामिल होने की जानकारी मिली। उक्त सूचना के आधार पर मुकेश समेत नामजदों के अलावा विकास पुत्र शिवनारायण निवासी ग्राम विधौती फाजिलपुर थाना जुनावई व रामनिवास उर्फ नारद पुत्र भीम सिंह निवासी बसला की मढैया थाना कैला देवी जनपद संभल को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में मुकेश यादव ने बताया कि महेश यादव का गुलफाम सिंह यादव से चुनाव को लेकर रंजिश थी। इस लिए महेश यादव गुलफाम सिंह यादव को रास्ते से हटाना चाहते थे। इस मामले में पुलिस ने महेश यादव पुत्र सेवाराम, रवी यादव पुत्र महेश यादव, मुकेश यादव पुत्र छत्तर यादव निवासी गण ग्राम मैढोली थाना जुनावई, विकास पुत्र शिवनारायन निवासी ग्राम बिधौती फाजिलपुर थाना जुनावई, रामनिवास उर्फ नारद पुत्र भीमसिंह निवासी बसला की मढैया थाना कैला देवी, सुधीर उर्फ पप्पू पुत्र रामप्रकाश निवासी मोहल्ला बदरिया कस्बा व थाना सोरों जनपद कासगंज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्यारोपियों से चार मोबाइल बरामद किए हैं। खुलासे के दौरान एएसपी दक्षिण अनुकृति शर्मा, सीओ दीपक तिवारी मौजूद रहे।

भाजपा नेता गुलफाम सिंह यादव की हत्या की योजना बरेली के केंद्रीय कारागार में बनाई गई।

संतों की धर्म सभा में बोले सीएम योगी

महाकुंभ में संतों ने समाज को जोड़ा: योगी

आगरा, 26 मार्च (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज आगरा में दिवंगत संत योगी सिद्धनाथ जी के शंखाढाल एवं भंडारा कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने राजा की मंडी स्थित प्राचीन दरिया नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। सीएम योगी ने यहां संतों की धर्म सभा को संबोधित भी किया। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के बाद संतों का सबसे बड़ा जमावड़ा आज ब्रज की भूमि पर हो रहा है। महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता सभी ने देखी। यह संतों का आशीर्वाद था, उनका संकल्प था। पूरी देश और दुनिया ने देखा कि 45 दिनों में 66 करोड़ से अधिक लोग प्रयागराज पहुंचे थे। यह सनातन धर्म की ताकत है। उन्होंने कहा कि हम लोग प्रयास कर रहे हैं कि सनातन धर्म/नाथ संप्रदाय का एक म्यूजियम बनाया जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ नाथ संप्रदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोरक्ष पीठाधीश्वर के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान पूरे देश से आए 1000 से अधिक साधु-संत मौजूद रहे।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों के बाद राम मंदिर का बनना संभव हुआ है, तो देश के अन्य जगहों पर भी संभावना बनी हैं। अयोध्या में राम मंदिर का बनना और महाकुंभ का आयोजन, दोनों संतों के संकल्प से पूरा हुआ। पहले माना जाता था कि महाकुंभ का आयोजन केवल संतों का है। लेकिन, संतों ने पूरे भाव के साथ समाज को जोड़ने का काम किया तो देखते ही देखते 66 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का आंकड़ा पार कर गया। इनमें साधु- संत करीब 50 लाख थे। सीएम योगी ने कहा कि सनातन का दौर अब दुनिया के अंदर बढ़ा है। उन्होंने कहा कि संतों की साधना की सिद्धि है। उनके संकल्पों का मूर्तरूप है। महाकुंभ के अवसर पर पूरे देश और दुनिया ने देखा है। 45 दिनों में 66 करोड़ों से अधिक संत और श्रद्धालुजन प्रयागराज आए। इतना बड़ा समागम दुनिया के अंदर कहीं नहीं हुआ। ये ताकत सिर्फ सनातन धर्म में ही है। उसी सनातन धर्म को मजबूत करने के लिए। भारत की संयुक्त परंपरा के प्रमुख पंत के रूप में नाथपंती का महत्वपूर्ण स्थान है। संतों को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों को संसार के उत्कर्ष के लिए कार्य करना होगा। विरासत और विकास को जोड़ने की एक सेतु के रूप में संत को आगे बढ़ना चाहिए, जो समाज को जोड़ सके, उसके कल्याण का मार्ग प्रशस्त करें।

उन्होंने कहा कि सनातन सुरक्षित रहेगा, तो ही देश सुरक्षित रहेगा। उन्होंने साधु संतों से अपील की है कि आप किसी भी पंथ और संप्रदाय से जुड़े हुए हों, लेकिन राष्ट्र और समाज निर्माण के लिए ही कार्य करना चाहिए। उन्होंने साधु- संतों से मोबाइल का उपयोग कम करने की भी सीख दी। कहा कि मोबाइल पर जो आपको दिखता है या सुनते हैं, वह जरूरी नहीं सच हो। ऐसे में साधु संतों को साधना में लीन होकर के समाज को एक करने के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो आप अपने साधन से अर्जित करेंगे। जो लोक कल्याण का माध्यम आपको बना सके। जिसमें जनता जनार्दन का अपार श्रद्धा और सम्मान आपको प्राप्त हो। जो कुछ भी आपके पास है लोक कल्याण के लिए समर्पित करिए। राष्ट्र कल्याण के लिए समर्पित करिए और याद रखना हम सभी संतों को इस बात का स्मरण रखना होगा हमारा पंथ कोई भी हो, संप्रदाय हो भी कोई भी हो, मठ हो कोई भी उपासना विधि हो वह तब ही सुरक्षित है जब सनातन धर्म सुरक्षित है। जो कुछ भी हो सनातन धर्म के लिए समर्पण का भाव हो। देश की सुरक्षा के लिए अपना सब कुछ समर्पित करना होगा। उन्होंने कहा कि हम लोग प्रयास कर रहे हैं कि सनातन धर्म/ नाथ संप्रदाय का एक म्यूजियम बनाया जाए। अपने देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले योगी सिद्धनाथ जी उस परंपरा के योगी थे।

धर्मसभा के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले राजा की मंडी स्थित दरिया नाथ मंदिर में स्थित शिव मंदिर के दर्शन किए। उसके बाद दरिया नाथ मंदिर परिसर में स्थित 500 साल पुराना प्राचीन भैरव नाथ मंदिर में पुष्प अर्पित कर दर्शन-पूजन किया। सीएम योगी ने समाधि स्थल के दर्शन कर पुष्प अर्पित किए और उसके बाद सीएम योगी ने धूनी स्थल में चल रहे यज्ञ में आहुति दी। उन्होंने मंदिर परिसर में साधु- संतों के साथ भोजन प्रसादी भी ग्रहण की। इस दौरान उन्होंने आगरा मंडल के नाथ संप्रदाय के मंदिरों की जानकारी ली और उनके जीर्णोद्धार के लिए साधु- संतों से सुझाव मांगे। उन्होंने कहा कि यह हमारी धरोहर है हमें इनका संरक्षण कर संजोकर रखने की जरूरत है।

इस अवसर पर पीठाधीश्वर बालकनाथ जी महाराज, बाबा दीदारनाथ जी महाराज, महंत, प्राचीन दरियानाथ मंदिर, आगरा, महंत पीर योगी शेषनाग जी महाराज, 12 के रमतो के महंत योगी कृष्ण नाथ जी महाराज, 18 के रमतो के महंत योगी समुंदरनाथ जी महाराज, संपूर्णानंद, प्रभारी आगरा हिंदु युवा वाहिनी, दानवीर सिंह परमार, जिलाध्यक्ष, हिंदु युवा वाहिनी, आगरा, रंजीत सिसौदिया, जिला उपाध्यक्ष, हिन्दू युवा वाहिनी, आगरा सहित हजारों साधु-संत उपस्थित हुए।

बलिया में मिला तेल भंडार, ओएनजीसी ने खुदाई शुरू की

बलिया, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में कच्चे तेल का भंडार खोजा गया है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) ने तेल निकालने के लिए 3000 मीटर गहरा कुआं खोदना शुरू कर दिया है। इसके लिए विशाल क्रेन और अन्य आधुनिक मशीनें मंगाई गई हैं। कच्चा तेल बलिया में चितबाड़ा गांव से सागरपाली गांव तक के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें भी वैना ग्राम सभा के पास करीब तीन किलोमीटर का क्षेत्र कुआँ खोदने के लिए ज्यादा उपयोगी माना गया है। भंडार की खोज ओएनजीसी द्वारा गंगा बेसिन में किए गए तीन महीने के सर्वे के बाद हुई है। सर्वे के अनुसार, तेल का ये भंडार बलिया से प्रयागराज तक 300 किलोमीटर में फैला हुआ है। इस क्षेत्र में स्वतंत्रता सेनानी चित्तू पांडेय की भी जमीन है। उनके वारिस नील पांडेय से ओएनजीसी ने तीन साल की लीज़ पर करीब साढ़े छह एकड़ जमीन ली है। कंपनी हर साल 10 लाख रुपए परिवार को इस जमीन के लिए भुगतान देगी। जमीन के मालिक नील पांडेय ने बताया कि अगर खुदाई में तेल मिल जाता है तो आसपास की जमीनों का भी ओएनजीसी अधिग्रहण करेगी। ऐसे में किसानों को बड़ा फायदा हो सकता है।

राणा सांगा के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी का मसला

करणी सेना ने सपा सांसद के आवास पर धावा बोला

आगरा, 26 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर बुधवार दोपहर को करणी सेना के हजारों कार्यकर्ताओं ने हमला बोल दिया। पथराव में कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज करके लोगों को वहां से हटाया।

सांसद रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को राज्यसभा में राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दिया था। इसको लेकर करणी सेना में काफी नाराजगी थी। इसको लेकर बुधवार दोपहर को करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने आवास पर हमला बोल दिया। कुर्सी तोड़ डाली। जमकर बवाल किया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशितों को शांत कराने का प्रयास किया तो उनके साथ भी कार्यकर्ताओं ने हाथापाई की। पुलिस बैरीकेडिंग तोड़ दी। पत्थर और कुर्सियां फेंकी, जिसमें कई पुलिस कर्मी घायल हुए उनमें इंस्पेक्टर हरि पर्वत आलोक कुमार सिंह भी शामिल हैं। इसके बाद पुलिस ने लाठी चार्ज करके सभी को वहां से हटाया है। करणी सेना के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने कहा राज्यसभा सांसद ने क्षत्रिय समाज के महापुरुष के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग किया है। उनको अपने बयान वापस लेकर माफी मांगनी होगी।

फिल सिमंस 2027 वनडे विश्व कप तक बने रहेंगे बांग्लादेश क्रिकेट टीम के मुख्य कोच

ढाका,26 मार्च (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मंगलवार को घोषणा की कि वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज फिल सिमंस को पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में 2027 आईसीसी वनडे विश्व कप तक बनाए रखने का फैसला किया गया है। 61 वर्षीय सिमंस पहले ही बीसीबी के साथ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी तक अनुबंधित थे। अपने पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 तक बांग्लादेश टीम के साथ काम किया और इस दौरान दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में टीम का मार्गदर्शन किया।

फिल सिमंस ने इस पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, बांग्लादेश क्रिकेट के साथ लंबे समय तक काम करने का अवसर पाकर मैं बहुत उत्साहित हूं। इस टीम में जबरदस्त प्रतिभा है और मुझे विश्वास है कि हम मिलकर बेहतरीन उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। आने वाले सफर को लेकर मैं काफी आशान्वित हूं।

उन्होंने आगे कहा, इस टीम में कुछ असाधारण खिलाड़ी हैं, जिनके साथ काम करने का मौका मुझे पहले ही मिल चुका है। उनकी क्षमता और खेल के प्रति जुनून मुझे हर दिन प्रेरित करता है। हम मिलकर बांग्लादेश क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं और कुछ खास बना सकते हैं।

अपनी अब तक की यात्रा पर बात करते हुए सिमंस ने कहा, पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश टीम के साथ मेरा समय बेहद संतोषजनक रहा है। इस टीम के खिलाड़ियों का समर्पण, ऊर्जा और प्रतिभा काफी प्रभावशाली है। मैं उत्साहित हूं कि इन खिलाड़ियों को उनके सर्वश्रेष्ठ स्तर तक पहुंचाने में योगदान दे सकता हूं।

गौरतलब है कि सिमंस ने 1987 से 1999 के बीच वेस्टइंडीज के लिए 26 टेस्ट और 143 वनडे खेले थे। उन्होंने 2004 में ज़िम्बाब्वे के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय कोचिंग करियर की शुरुआत की और 2007 से 2015 तक आयरलैंड के कोच रहे। सिमंस को दो बार वेस्टइंडीज का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था और 2016 में उनकी कोचिंग में टीम ने आईसीसी वर्ल्ड टी20 खिताब जीता था।

न्यूज़ ब्रीफ

केन्या के स्टार धावक ओमान्याला नेशनल ट्रायल्स में भाग लेंगे

कंपाला। अफ्रीका के सबसे तेज़ धावक और केन्या के स्टार फर्राटा धावक फर्डिनेंड ओमान्याला 29 मार्च, शनिवार को होने वाले युगांडा के तीसरे राष्ट्रीय एथलेटिक्स ट्रायल्स में भाग लेंगे। युगांडा एथलेटिक्स फेडरेशन (यूएएफ) के अध्यक्ष डॉमिनिक ओतुचेट ने मंगलवार को शिन्हुआ को बताया कि ओमान्याला सहित कुल 10 केन्याई धावक इन राष्ट्रीय ट्रायल्स में हिस्सा लेंगे। ओतुचेट ने कहा, हमारे लिए यह खुशी की बात है कि ओमान्याला, जो 100 मीटर में अफ्रीका के सबसे तेज़ धावक हैं और विश्व के शीर्ष 10 धावकों में शामिल हैं, हमारे नेशनल ट्रायल्स की शोभा बढ़ाएंगे। वह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा और 4×100 मीटर रिले में हिस्सा लेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि ये ट्रायल्स विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, जिनमें वर्ल्ड चैंपियनशिप भी शामिल है, से पहले खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सुधारने में मदद करेंगे। ओमान्याला युगांडा के युवा धावकों को प्रेरित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। गौरतलब है कि ओमान्याला ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा, उन्होंने 2022 अफ्रीकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 100 मीटर और 4×100 मीटर रिले स्पर्धाओं में भी खिताब अपने नाम किया था।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए अर्जेंटीना ने किया सीधा क्वालीफाई

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। मंगलवार (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह) को खेले गए क्वालीफायर मुकाबले में बोलीविया और उरुग्वे के बीच ड्रॉ होने के बाद अर्जेंटीना को टूर्नामेंट का टिकट मिल गया। अब लियोनेल स्कालोनी की टीम अपने अगले क्वालीफायर मुकाबले में ब्राजील से भिड़ेगी। यह मुकाबला मंगलवार को ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोन्यूमेंटल में खेला जाएगा। इस मैच से पहले ही अर्जेंटीना ने विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली है। अगर उरुग्वे यह मैच हार जाता तो अर्जेंटीना को ब्राजील के खिलाफ कम से कम एक अंक की जरूरत होती। हालांकि, बोलीविया और उरुग्वे के गोलरहित ड्रॉ ने अर्जेंटीना की राह आसान कर दी। अपने पिछले क्वालीफायर में उरुग्वे पर 1-0 की जीत के बाद अर्जेंटीना कम से कम इंटर-कॉन्फेडरेशन प्लेऑफ में जगह बनाने की स्थिति में था। वहीं, इस ड्रॉ के बाद बोलीविया 14 मैचों में 14 अंकों के साथ क्वालीफाइंग तालिका में सातवें स्थान पर है। अर्जेंटीना, जिसने 13 मैचों में 28 अंक जुटाए हैं, अब टॉप-6 में अपनी जगह पक्की कर चुका है, जिससे उसे सीधे विश्व कप में प्रवेश मिल गया है।

गावस्कर ने गंभीर से पूछा, क्या द्रविड़ की तरह पुरस्कार की रकम बाटेंगे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने अब मुख्य कोच गौतम गंभीर पर सवाल उठाये हैं। गावस्कर ने गंभीर से पूछा है कि क्या वह पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की तरह सहयोगी स्टाफ के बराबर रकम लेने की परंपरा को आगे बढ़ाएंगे या नहीं। गौरतब है कि बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के लिए 58 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है, जिसमें खिलाड़ियों और मुख्य कोच गौतम गंभीर को तीन-तीन करोड़ रुपये दिये जाएंगे। वहीं सहायक कोच और सहयोगी स्टाफ को 50-50 लाख रुपये मिलेंगे। इसके अलावा बीसीसीआई अधिकारियों को 25-25 लाख रुपये मिलेंगे। गावस्कर ने कहा है कि गंभीर से पहले कोच रहे द्रविड़ ने टी-20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद अपने सहयोगी स्टाफ के बराबर नकद पुरस्कार लिया था। वहीं गंभीर ने अभी तक इसको लेकर कोई बयान नहीं दिया है। गावस्कर ने कहा, 'आईसीसी टी-20 विश्व कप जीतने के बाद उस समय कोच रहे द्रविड़ ने अपनी टीम के सहयोगी स्टाफ से ज्यादा राशि लेने से मना कर दिया था और कोचिंग स्टाफ को मिलने वाली कुल रकम को सभी के साथ बराबरी से बांटा था पर अभी तक इस मामले में गंभीर की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया था।

कोलकाता ने राजस्थान को आठ विकेट से हराया
क्विंटन डिकॉक ने खेली 97 रनों की नाबाद पारी

गुवाहाटी,26 मार्च (एजेंसियां) । क्विंटन डिकॉक की दमदार अर्धशतकीय पारी से कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के छठे मैच में राजस्थान रॉयल्स को 8 विकेट से हरा दिया।

मुकाबले में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतने के बाद राजस्थान रॉयल्स को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। पहले बैटिंग करते हुए राजस्थान की टीम ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 9 विकेट के नुकसान पर 151 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में केकेआर ने 17.3 ओवर में ही लक्ष्य को हासिल कर मैच को अपने नाम किया। केकेआर की तरफ से क्विंटन डिकॉक ने 61 गेंद 97 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 8 चौके और 6 छक्के भी लगाए।

केकेआर और राजस्थान के बीच यह मुकाबला गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। राजस्थान के लिए यह उसका होम ग्राउंड भी है। हालांकि, अपने घरेलू मैदान पर भी राजस्थान की किस्मत नहीं चमकी और इस सीजन में उसे बैक टू बैक दो हार का सामना करना पड़ा है। वहीं केकेआर की टीम ने आरसीबी के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में मिली हार के बाद इस जीत से दमदार वापसी कर कर ली है।

गुवाहाटी के इस मैदान पर केकेआर और राजस्थान दोनों के लिए बल्लेबाजी काफी मुश्किल रही। पहली पारी में जहां केकेआर के गेंदबाजों ने दमदार खेल दिखाया और राजस्थान को एक-एक रन बनाने के लिए तरसाया था। वहीं दूसरी पारी में केकेआर के लिए रन बनाना बिल्कुल भी आसान नहीं था। हालांकि, केकेआर बल्लेबाजों ने क्रीज धैर्य दिखाया जिससे उन्होंने आराम से 152 रनों के लक्ष्य को हासिल किया। राजस्थान की तरफ से वानिंदु हसरंगा एकमात्र ऐसे बॉलर थे, जिन्हें सफलता मिली थी। हसरंगा ने कप्तान अजिंक्य रहाणे को एलबीडब्ल्यू आउट किया था। वहीं मोइन अली रन आउट हुए थे।

कोलकाता नाईट राइडर्स ने अपने गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल मुकाबले में बुधवार को 20 ओवर में नौ विकेट पर 151 रन पर रोक दिया। कोलकाता की तरफ से वैभव अरुणा, हर्षित राणा, मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट झटके जबकि स्पेंसर जॉनसन ने एक विकेट लिया। उन्होंने राजस्थान के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई मौका नहीं दिया।

राजस्थान की तरफ से ध्रुव जुरेल ने 28 गेंदों पर पांच चौकों के सहारे सर्वाधिक 33 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 24 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 29 रन बनाए जबकि कप्तान रियान पराग ने 15 गेंदों पर तीन छक्के उड़ाते हुए 25 रन बनाये।

जोफ्रा आर्चर ने निचले क्रम में सात गेंदों में दो छक्के लगाकर 16 रन बनाये और राजस्थान को 150 के पार पहुंचाया।

श्रेयस ने कहा था शतक की चिंता मत करो, बस चौके छक्के मारो : शशांक सिंह

अहमदाबाद,26 मार्च (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2025 के अपने पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने मंगलवार को गुजरात टाइटंस (जीटी) को 11 रनों से हराकर धमाकेदार शुरुआत की। इस जीत में श्रेयस अय्यर की नाबाद 97 रन की पारी और शशांक सिंह की तूफानी बल्लेबाजी ने अहम भूमिका निभाई।

पंजाब किंग्स की पारी के अंतिम ओवर में कप्तान श्रेयस अय्यर 97 रन पर थे, लेकिन शशांक सिंह को निर्देश मिला कि वे हर गेंद पर चौके-छक्के लगाने की कोशिश करें। शशांक ने वैसा ही किया और अंतिम ओवर में 23 रन जोड़ते हुए टीम के स्कोर को 243/5 तक पहुंचा दिया। शशांक ने 16 गेंदों में नाबाद 44 रन बनाए।

मैच के बाद शशांक ने कहा, मैंने स्कोरबोर्ड नहीं देखा था, लेकिन जब पहली गेंद पर चौका लगाया तो देखा कि श्रेयस 97 पर थे। मैं उनसे पूछने जा रहा था कि क्या मुझे सिंगल लेना चाहिए, लेकिन उन्होंने खुद कहा कि उनकी सेंचुरी की चिंता मत करो। यह कहना बहुत हिम्मत और टीम भावना का परिचय है।

गुजरात टाइटंस को जीत के लिए 244 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे पाने के लिए उन्होंने शानदार शुरुआत की। साई सुदर्शन (74 रन), जोस बटलर और शेर्फेन रदरफोर्ड की पारियों ने टीम को 14वें ओवर तक मजबूत स्थिति में रखा। 9 से 14 ओवर के बीच गुजरात ने 87 रन बनाए, और आखिरी छह ओवरों में उन्हें 75 रन चाहिए थे।

हालांकि, पंजाब किंग्स के इम्पैक्ट प्लेयर विजयकुमार वैशाक ने जबरदस्त गेंदबाजी कर मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने अपने पहले दो ओवरों में केवल 10 रन दिए और 10 डॉट गेंदें फेंकी, जिससे गुजरात की लय टूट गई। पंजाब ने लगातार तीन ओवरों में कोई बाउंड्री नहीं दी, जिससे गुजरात मैच से बाहर हो गया।

शशांक ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, श्रेयस की कप्तानी सहज निर्णयों पर आधारित होती है। यही कारण है कि वह दुनिया के बेहतरीन कप्तानों में से एक हैं। हमें पता था कि वैशाक को कब लाना है, और उसने बेहतरीन गेंदबाजी की। उसने मुश्किल ओवरों में सटीक यॉर्कर फेंके और हमें जीत दिलाई। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 की शानदार शुरुआत की और अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं।

मियामी ओपन टेनिस

मियामी में बेजारुस की आर्यानका सबालेंका चीन की झेंग क्विंविन के खिलाफ मियामी ओपन टेनिस में अंक मिलने पर उत्साहित होती हुई।

इंग्लिश क्रिकेट प्रेमियों के लिए ऐतिहासिक पल
एलिस्टेयर कुक की मैदान पर वापसी की घोषणा

लंदन,26 मार्च (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की घोषणा कर दी है। वह जुलाई 2025 में एजबेस्टन में होने वाले ईज़मायट्रिप वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में इंग्लैंड चैंपियंस टीम का हिस्सा बनेंगे। कुक, जिन्होंने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था, अब अपने पुराने साथी इयोन मोर्गन के साथ फिर से मैदान पर उतरने को तैयार हैं।

अपनी वापसी को लेकर एलिस्टेयर कुक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, एक बार फिर अपने देश के लिए खेलना शानदार अनुभव होगा। मैं इयोन मोर्गन और बाकी खिलाड़ियों के साथ खेलने को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

उन्होंने इस अवसर को लेकर आभार व्यक्त करते हुए कहा, ईज़मायट्रिप वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स बेहतरीन क्रिकेट का अनुभव कराने का अवसर दे रही है। मैं इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं।

ईज़मायट्रिप डब्ल्यूसीएल के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हर्षित तोमर ने इस पर खुशी जताते हुए कहा, एलिस्टेयर कुक जैसे महान खिलाड़ी का हमारी लीग से जुड़ना टूर्नामेंट के लिए बड़ी उपलब्धि है। उनकी मौजूदगी से इंग्लैंड चैंपियंस टीम और टूर्नामेंट दोनों को जबरदस्त मजबूती मिलेगी।

इंग्लैंड चैंपियंस टीम के मालिक प्रवीण शर्मा ने कुक की वापसी को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा, यह सिर्फ एक टीम घोषणा नहीं, बल्कि इतिहास रचने का पल है। कुक और मोर्गन के नेतृत्व में हमारी टीम ईज़मायट्रिप डब्ल्यूसीएल में शानदार प्रदर्शन करने के लिए तैयार है।

वहीं टीम के कप्तान इयोन मोर्गन ने कुक का स्वागत करते हुए कहा, यह सिर्फ क्रिकेट की वापसी नहीं, बल्कि हमारे बीच की दोस्ती, इतिहास और नई यादें बनाने का अवसर है। हम सिर्फ खेल नहीं रहे, हम खेल को सम्मान दे रहे हैं।

ईज़मायट्रिप के अध्यक्ष और संस्थापक निशांत पिट्टी ने इस ऐतिहासिक मौके पर कहा, हम एलिस्टेयर कुक की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से बेहद उत्साहित हैं। ईज़मायट्रिप वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का उद्देश्य विश्व स्तरीय खेल आयोजनों को बढ़ावा देना है, जिससे लाखों क्रिकेट प्रशंसकों को खुशी मिले।

ईज़मायट्रिप डब्ल्यूसीएल में कुक की वापसी से इंग्लैंड चैंपियंस टीम और भी मजबूत हो गई है। 161 टेस्ट मैचों में 12,472 रन, 45.35 की औसत से 33 शतक लगाने वाले कुक को क्रिकेट इतिहास के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में गिना जाता है।

परगट सिंह अवार्ड जीतने पर अमित रोहिदास ने कहा- यह पहचान मुझे देश के लिए और बेहतर करने की ऊर्जा देती है

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी डिफेंडर अमित रोहिदास को हाल ही में हॉकी इंडिया के 7वें वार्षिक पुरस्कार समारोह में परगट सिंह अवार्ड फॉर डिफेंडर ऑफ द ईयर 2024 से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के साथ उन्हें 5 लाख रुपये की नकद राशि भी प्रदान की गई। इस उपलब्धि पर रोहिदास ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह उनके लिए बेहद खास पल है और यह सम्मान उन्हें टीम और देश के लिए और बेहतर करने की प्रेरणा देता है।

नामांकन मिलने के बाद की भावनाओं को साझा करते हुए रोहिदास ने हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक बयान में कहा, मेरे अलावा इस पुरस्कार के लिए संजय, हरमनप्रीत सिंह और उदिता भी नामांकित थे और ये सभी शानदार खिलाड़ी हैं। इसलिए मैं पहले से कुछ भी नहीं कह सकता था कि कौन जीतेगा। मुझे सिर्फ नामांकन मिलने की खुशी थी। लेकिन जब मेरा नाम विजेता के रूप में घोषित हुआ, तो मैं हैरान और बेहद खुश था। यह एक अविश्वसनीय अनुभव था।

रोहिदास ने बताया कि उन्होंने अपने साथियों से इस नामांकन के बारे में ज्यादा चर्चा नहीं की थी, लेकिन उनके दोस्तों और शुभचिंतकों से जबरदस्त समर्थन मिला। उन्होंने कहा, मेरे कई दोस्त, खासतौर पर वे जो हॉकी नहीं खेलते, मुझे पहले से ही मैसेज कर कह रहे थे कि यह पुरस्कार मैं ही जीतूंगा लेकिन मैंने इसे किस्मत पर छोड़ दिया था। प्रतियोगिता कठिन थी, इसलिए मैंने कोई उम्मीद नहीं की थी, लेकिन इस सम्मान को पाकर मैं बेहद आभारी हूं।

परगट सिंह अवार्ड जीतने के बाद अब रोहिदास नई ऊर्जा के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, यह पुरस्कार मुझे और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। मेरी इस उपलब्धि में मेरे साथी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ का बड़ा योगदान है। उनके सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। यह एक टीम प्रयास है और मैं अपने परिवार सहित सभी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे हमेशा समर्थन दिया है। यह पहचान मुझे टीम और देश के लिए और बेहतर करने की ऊर्जा देती है। अपने परिवार की प्रतिक्रिया पर रोहिदास ने कहा, मेरे परिवार ने यह पुरस्कार समारोह यूट्यूब पर देखा और जब उन्हें पता चला कि मैंने यह पुरस्कार जीता है तो वे बेहद खुश थे। जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने मुझे प्रोत्साहित करते हुए कहा, 'देश के लिए खेलते रहो और ऐसे ही पुरस्कार जीतते रहो।' उनकी खुशी और समर्थन मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। अब अमित रोहिदास की नजरें आगामी टूर्नामेंट्स पर हैं, खासतौर पर एशिया कप और एफआईएच प्रो लीग पर, जो 2026 वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफिकेशन का मौका देंगे। उन्होंने कहा, मैं हर टूर्नामेंट को एक-एक कदम आगे बढ़ने के नजरिए से देखता हूं। फिलहाल मेरा पूरा ध्यान जून में होने वाली प्रो लीग और उसके बाद एशिया कप पर है।

बंद हुई मध्यम और दीर्घ अवधि वाली गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम, लघु अवधि के लिए जमा करा सकेंगे सोना

नई दिल्ली, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

केंद्र सरकार द्वारा पिछले 10 साल से चलाई जा रही गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम (जीएमएस) से बंद कर दी गई। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक इस स्कीम के तहत सरकार द्वारा नामित कलेक्शन एंड प्योरिटी टेस्टिंग सेंटर (सीपीटीसी) या सरकार द्वारा नामित बैंक की शाखाओं पर से मध्यम अवधि और दीर्घ अवधि वाली स्कीम में सोने को जमा नहीं किया जाएगा। केंद्र सरकार ने यह फैसला गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम के परफॉर्मेंस और बाजार की स्थितियों को देखते हुए लिया है।

गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम की शुरुआत 15 सितंबर 2015 को हुई थी। इसके तहत लोग अपने घर में पड़े सोने को अपनी इच्छा के अनुसार 1 से 3 साल की शॉर्ट टर्म बैंक डिपॉजिट (एसटीबीडी), 5 से 7 साल की मीडियम टर्म गवर्नमेंट डिपॉजिट (एमटीजीडी) या 12 से 15 साल की लॉन्ग टर्म गवर्नमेंट डिपॉजिट (एलटीजीडी) में जमा कर सकते थे। सोना जमा करने पर जमाकर्ताओं को सरकार की ओर से गोल्ड बॉन्ड इश्यू किया जाता था। ये बॉन्ड 5 ग्राम, 10 ग्राम, 50 ग्राम और 100 ग्राम के होते थे। सोना जमा करने के बाद जमाकर्ताओं को ब्याज का भुगतान किया जाता था। ब्याज की राशि सोना जमा करते वक्त उसकी मार्केट प्राइस के आधार पर तय की जाती थी।

जानकारों का कहना है कि इस स्कीम को लॉन्च करने के पीछे सरकार का इरादा सोने के आयात में कमी लाने का था। भारत में हर साल करीब 800 टन सोने की खपत होती है, जबकि भारतीय खदानों से सालाना 1 टन सोने का ही उत्पादन हो पता है। इस तरह भारत में सोने की जरूरत को पूरा करने के लिए हर साल बड़े पैमाने पर सोने का आयात करना पड़ता है, जिसके कारण देश के आयात बिल में तो बढ़ोतरी होती ही है, विदेशी मुद्रा भी बड़े पैमाने पर खर्च होती है।

बताया जाता है कि केंद्र सरकार की ओर से सोचा गया था कि गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम शुरू करने से लोग घर में पड़े सोने को जमा करने के लिए प्रेरित होंगे, जिससे उन्हें सोने की सुरक्षा की चिंता भी नहीं करनी होगी और उसके एवज में उन्हें इंटरेस्ट के रूप में अच्छी कमाई भी होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

सैमसंग से सरकार ने मांगे 5154 करोड़ रुपए, सैमसंग पर टैरिफ से बचने कलपुर्जों के आयात में की हेराफेरी का आरोप

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सैमसंग व उसके अधिकारियों से 60.1 करोड़ डॉलर (करीब 5,154 करोड़ रुपये) मांगे हैं। सैमसंग पर आरोप है कि उसने देश में प्रमुख दूरसंचार उपकरणों के आयात पर टैरिफ से बचने के लिए हेराफेरी की थी। यह मांग भारत में सैमसंग के पिछले साल के 95.5 करोड़ डॉलर के मुनाफे का बड़ा हिस्सा है। कंपनी नेटवर्क विभाग के जरिये दूरसंचार उपकरणों का आयात करती है। कंपनी को मोबाइल टावरों में उपयोग किए जाने वाले महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन कलपुर्जे पर 10 या 20 फीसदी के टैरिफ से बचने के लिए आयात को गलत तरीके से वर्गीकृत करने पर 2023 में चेतावनी दी गई थी। सैमसंग ने कलपुर्जों का आयात कर जियो को बेचा। सैमसंग की जांच 2021 में तब शुरू हुई जब कर निरीक्षकों ने मुंबई व गुरुग्राम में कार्यालयों की तलाशी में दस्तावेज, ईमेल व उपकरण जब्त किए। सीमा शुल्क आयुक्त ने आदेश में कहा, सैमसंग ने कानूनों का उल्लंघन किया है और सीमा शुल्क प्राधिकरण के समक्ष झूठे दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। लाभ बढ़ाने के लिए सैमसंग ने सरकारी खजाने को चूना लगाया। कंपनी ने व्यावसायिक नैतिकताओं और उद्योग मानकों का उल्लंघन किया। सैमसंग विवाद रिमोट रेडियो हेड के आयात पर केंद्रित है। यह एक रेडियो फ्रीक्वेंसी सर्किट है जो छोटे आउटडोर मॉड्यूल में संलग्न होता है।

पूर्व ईडी प्रमुख संजय कुमार मिश्रा प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूर्व प्रमुख संजय कुमार मिश्रा को प्रधानमंत्री की

आर्थिक सलाहकार परिषद का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया है। संजय कुमार मिश्रा को सचिव स्तर का दर्जा दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि सरकार ने मंगलवार को ईडी के पूर्व निदेशक संजय कुमार मिश्रा को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त करने को अपनी मंजूरी दे दी। उन्हें सचिव स्तर का दर्जा दिया है। मिश्रा 1984 बैच के सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी हैं। उन्होंने आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय में लंबा कार्यकाल बिताया है। अब वे जांच एजेंसी की भूमिका से हटकर नीति निर्धारण की भूमिका में आ गए हैं। आर्थिक सलाहकार परिषद एक स्वतंत्र संस्था है, जो प्रधानमंत्री को आर्थिक और उससे जुड़े मुद्दों पर सलाह देने का काम करती है। उल्लेखनीय है कि मिश्रा को सबसे पहले 2018 में ईडी प्रमुख नियुक्त किया गया था। उन्हें केंद्र द्वारा कई बार सेवा विस्तार दिया गया था। उनके कार्यकाल के दौरान ईडी को विजय माल्या, नीरव मोदी और हथियार डीलर संजय भंडारी जैसे भगोड़ों के प्रत्यर्पण की मंजूरी मिली। ईडी ने मिश्रा के कार्यकाल के दौरान कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा सहित प्रमुख राजनीतिक हस्तियों से जुड़ी जांच शुरू की।

भारत में दूध उत्पादन में वृद्धि, मंत्री बघेल ने संसद में किया खुलासा, वैश्विक उत्पादन में देश की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली। भारत का दूध उत्पादन पिछले 10 वर्षों में ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 63.56 प्रतिशत तक उछाल दिखाया है। 2014-15 में 146.3 मिलियन टन से यह उत्पादन 2023-24 के दौरान 239.2 मिलियन टन के निकट आ पहुंचा है, जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 5.7 प्रतिशत है। यहाँ खास बात यह है कि भारत के दूध का उत्पादन विश्व में औसत से भी अधिक बढ़ रहा है। मंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने संसद में बताया कि प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता भारत में पिछले एक दशक में 48 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 के दौरान 471 ग्राम/व्यक्ति/दिन से भी अधिक हो गई है। विश्व में इस संदर्भ में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 322 ग्राम/व्यक्ति/दिन है। भारत दूध उत्पादन में अब वैश्विक स्तर पर द्रुट विकास कर चुका है और यह अब वैश्विक दूध उत्पादन में 25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। मंत्री ने बताया कि दूध एवं डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं के कार्यान्वयन की जानकारी दी। केंद्र के राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) को पूरे देश में लागू किया जा रहा है ताकि राज्य सरकारों द्वारा दूध उत्पादन और प्रोसेसिंग के लिए की गई पहल को सफल बनाया जा सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प्लास्टिक बोतल का...

उत्पाद बनाने के धंधे में पहले चीन की कंपनियों का वर्चस्व था। अधिकांश कम लागत वाले चीन निर्मित जो प्लास्टिक सामान और खिलौने वगैरह आते हैं, वे सब प्लास्टिक कचरे की रीसाइकिल प्रोडक्ट हैं। अब खिलौनों और बर्तनों के बजाय प्लास्टिक कचरे की रीसाइकलिंग से बोतलें और कंटेनर बड़ी तादाद में बनाए जा रहे हैं। दुनियाभर का लगभग 45 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा रीसाइकिल कर उसे फिर इस्तेमाल में लाने का लाभकारी धंधा चीन के माफिया-व्यापारियों के हाथों में केंद्रित था। इसमें इटली के माफिया चीन से सीधे डील करते थे, लेकिन अब इस धंधे में भारत के अपराधी-माफिया गिरोह भी कूद पड़े हैं। ये माफिया न केवल प्लास्टिक कचरा, बल्कि सामान्य कचरे के निष्पादन और रीसाइकलिंग के गोरखधंधे में शामिल होकर अकूत धन कमा रहे हैं। चीन ने भारत जैसे विकासशील देशों को प्लास्टिक के कचरे से धन कमाना सिखाया। कचरा भी आयात और निर्यात हो सकता है और इससे धन कमाया जा सकता है, यह रास्ता चीन ने खोल दिया। इस तरह प्लास्टिक कचरे के शिपमेंट से लेकर निर्माण तक संलग्न ताकतों ने एक नए प्रकार के अपराध को जन्म दिया... प्लास्टिक कचरा माफिया। कुछ अर्सा पहले इटली में कैराबिनियरी (पुलिस) ने माफिया सरगना क्लाउडियो कार्बोनारो को गिरफ्तार किया था, जो प्लास्टिक रीसाइक्लिंग रिंग चलाता। कार्बोनारो सिसिली के दक्षिण से दूषित प्लास्टिक कचरे को चीन भेजता था। चीन उसके जूते बनाता था और जूतों के तलवों पर जहरीले प्लास्टिक से बने सोल लगा कर बाजार में बेचता था। पोलैंड में, कचरा माफिया प्रतिबंधित प्लास्टिक कचरे से लाखों ज़्लोटी कमाते हैं। यह प्लास्टिक कचरा मानव शरीर पर सीधा वार करता है, जबकि अवैध अपशिष्ट गतिविधियां माफियाओं का बैंक बैलेंस बढ़ाती हैं। सरकार उल्टा उन्हें सब्सिडी भी देती है।

इतालवी अधिकारियों ने इंटरपोल को बताया कि माफिया द्वारा संचालित प्लास्टिक रीसाइक्लिंग गिरोह दक्षिणी द्वीप सिसिली से जहरीला प्लास्टिक कचरा चीन भेजता था। वही प्लास्टिक कचरा जूता बन कर वापस इटली आता था। चीन में बने वे जूते इटली में खूब बिक रहे थे। माफिया कार्बोनारा कुछ ही साल जेल में रहा। फिर वापस लौट आया और एक खतरनाक माफिया सिंडिकेट को अपने कब्जे में ले लिया। फिर वह जहरीले प्लास्टिक के बेहद आकर्षक व्यापार में शामिल हो गया। अब भारत, मलेशिया और कुछ अन्य दक्षिण एशियाई देश के माफिया गिरोह भी इस धंधे में शामिल हैं। मोनोब्लॉक कुर्सियों का उत्पाद और बेतहाशा इस्तेमाल भी प्लास्टिक कचरे के रिसाइकिल उत्पादन का ही नतीजा है। प्लास्टिक की मोनोब्लॉक कुर्सियों का उत्पादन कभी भी पेटेंट के दायरे में नहीं लाया गया इसलिए माफिया और सिंडिकेट ने इसका खूब लाभ कमाया। प्लास्टिक की कुर्सियां स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक पाई गईं, इसीलिए पश्चिमी देशों ने इन कुर्सियों का बहिष्कार कर दिया और स्विट्ज़रलैंड ने तो इन वस्तुओं पर प्रतिबंध ही लगा दिया। लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों में इनकी खपत भयानक स्तर पर बढ़ गई।

प्लास्टिक बोतल...

विशेषज्ञों के मुताबिक तापमान बढ़ने की वजह से इन बोतलों से खतरनाक केमिकल पानी में घुलने लगते हैं और कैंसर जैसी बीमारियों की वजह बनते हैं। यह पानी लिवर और पेट से जुड़ी गंभीर बीमारियां भी दे सकता है। जिसके दुष्प्रभाव ताउम्र झेलना पड़ सकता है।प्लांट में पानी भरने से लेकर बेचने तक सुरक्षा व सफाई से जुड़े मानकों का ध्यान नहीं रखा जाता। इस तरह, जहां अवैध प्लांट की वजह से भूगर्भ जलस्तर घट रहा है, वहीं दूसरी ओर लोगों की सेहत से भी खिलवाड़ हो रहा है।

लेकिन, इनपर कार्रवाई करने में सरकार और सरकारी तंत्र पूरी तरह फेल है। अवैध रूप से आरओ प्लांट लगाकर पानी सप्लाई करने वाले पानी माफिया का जाल साल दर साल बढ़ता जा रहा है। पानी माफिया 20 लीटर की बोतल के लिए 10 रुपए लेता है। सरकारी तंत्र द्वारा शहर में सप्लाई से आने वाला पानी सीधे पीने लायक नहीं होता है, ऐसे में लोग माफिया से पानी खरीदकर पीने के लिए विवश रहते हैं। प्लांट संचालक लोगों को जो पानी बेच रहे हैं, उसे फिल्टर किए जाने का कोई मानक या भरोसा नहीं है। अधिकतर पानी बिना फिल्टर किए ही 20 लीटर की बोतल में बिकता है। लोगों को लगे कि पानी फिल्टर है, इसके लिए उसमें क्लोरीन पाउडर मिला दिया जाता है।

प्लास्टिक की बोतल वाले पानी में टीडीएस कई बार कम कर दिया जाता है। इसकी वजह से उसमें प्लास्टिक के कण तेजी से घुलते हैं। 100 मिलीग्राम से कम टीडीएस वाला पानी पीने योग्य नहीं होता। वाटर क्वालिटी इंडियन एसोसिएशन के अनुसार भारत के 13 राज्यों में 98 जिलों का पानी पीने योग्य नहीं है। उसे आरओ की मदद से ही पीने योग्य बनाया जा सकता है। शुद्ध पानी को स्वादरहित, रंगरहित और गंधरहित होना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन मानता है कि एक लीटर पानी में 300 मिलीग्राम टीडीएस होना चाहिए। 300 मिलीग्राम से 500 मिलीग्राम के बीच टीडीएस मतलब आवश्यकता से अधिक मिनरल्स। आवश्यकता से कम और आवश्यकता से अधिक दोनों ही प्रकार का मिनरल्स हमारी सेहत के लिए अच्छा नहीं है।

प्लास्टिक कचरा...

तक विष फैलाता है। इस वैज्ञानिक अध्ययन के मुताबिक इस 5.7 करोड़ टन प्लास्टिक कचरे का दो-तिहाई से अधिक हिस्सा वैश्विक दक्षिण से आता है। प्लास्टिक कचरा शरीर से लेकर पर्यावरण तक को भीषण नुकसान पहुंचता है। रिसर्च के मुताबिक दुनिया में हर साल इतना प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, जो न्यूयॉर्क शहर के सेंट्रल पार्क में एम्पायर स्टेट बिल्डिंग जितनी ऊंचाई तक पहुंच सकता है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन के लिए दुनिया भर के 50 हजार से अधिक शहरों और कस्बों में स्थानीय स्तर पर उत्पादित कचरे की जांच की है। इस अध्ययन के दौरान ऐसे प्लास्टिक की जांच की गई जो खुले वातावरण में जाता है। दुनिया की 25 प्रतिशत आबादी से सरकार प्लास्टिक कचरा इकट्ठा करने और निपटाने में विफल है। इस 25 फीसदी आबादी में भारत के 50 करोड़ से अधिक लोग शामिल हैं।

वैज्ञानिक शोध में पाया गया है कि भारत की राजधानी नई दिल्ली, तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद, कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु, तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई और पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता भीषण प्लास्टिक कचरा और प्लास्टिक प्रदूषणकर्ता शहरों में शामिल है। भारत के बाद सबसे अधिक प्लास्टिक प्रदूषण नाइजीरिया और इंडोनेशिया फैलता है। इस मामले में चीन चौथे स्थान पर है, हालांकि वह कचरे को कम करने में सफलता हासिल कर रहा है। प्लास्टिक प्रदूषक के मामले में पड़ोसी देश पाकिस्तान, बांग्लादेश के अलावा रूस और ब्राजील भी जिम्मेदार है।

भारत छोड़ना ...

सर्वेक्षण के निष्कर्षों में कहा गया है, सर्वेक्षण में शामिल हर पांच में से एक अति धनाढ्य व्यक्ति वर्तमान में प्रवास की प्रक्रिया में हैं या प्रवास की योजना बना रहे हैं। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि उनमें से अधिकांश अपनी भारतीय नागरिकता बरकरार रखते हुए अपनी पसंद के मेजबान देश में स्थायी रूप से निवास करना चाहते हैं।सर्वेक्षण में कहा गया है कि वे जीवन स्तर में सुधार, स्वास्थ्य देखभाल समाधान, शिक्षा या जीवनशैली चाहते हैं। दो तिहाई से अधिक लोगों ने कहा कि व्यवसाय संचालन को सुचारू बनाना उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। प्रवास के निर्णय को भविष्य में निवेश बताते हुए सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि अपने बच्चों के लिए अच्छी उच्च शिक्षा की चाहत उन्हें यह विकल्प चुनने के लिए प्रेरित करती है। हालांकि, कोटक महिंद्रा बैंक की अध्यक्ष गौतमी गावणकर ने कहा कि स्थानांतरण के निर्णय को देश से पूंजी के बाहर जाने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों पर सीमा लगाने से यह सुनिश्चित होता है कि यदि कोई व्यक्ति अपना निवास स्थान बदलता है तो भी धन बाहर नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत में रहने वाला एक भारतीय नागरिक प्रति वर्ष केवल 250,000 अमेरिकी डॉलर ही देश से बाहर ले जा सकता है। जबकि एक अनिवासी भारतीय (एनआरआई) को 10 लाख डॉलर बाहर ले जाने की अनुमति है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि पूंजी का कोई बड़ा पलायन नहीं हो रहा। सर्वेक्षण में कहा गया है कि उद्यमियों या उनके उत्तराधिकारियों की तुलना में पेशेवरों में देश छोड़ने की प्रवृत्ति अधिक है। आयु समूह के नजरिए से देखें तो 36-40 वर्ष और 61 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोग प्रवास के लिए अधिक इच्छुक हैं।

2023 में 2.83 लाख भारतीय ऐसे थे जिन्हें यूएचएनआई की संज्ञा दी गई है। इनमें से प्रत्येक की कुल संपत्ति 25 करोड़ रुपए से अधिक है और उनकी कुल संपत्ति 2.83 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है। सर्वेक्षण के अनुसार, 2028 तक यह संख्या बढ़कर 4.3 लाख हो जाएगी, जिनके पास 359 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति होगी।

भारत छोड़ देंगे ....

उसके आगे चीन और ब्रिटेन है। रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर से 1,28,000 करोड़पति अपना देश छोड़कर दूसरी जगह बसने की तैयारी में हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों के यूएई और संयुक्त राज्य अमेरिका में बसने की संभावना है। भारत से करोड़पतियों के विदेश पलायन के पीछे सुरक्षा, वित्तीय कारण, टैक्स लाभ और रिटायरमेंट पर मिलने वाली सुविधाओं की गारंटी मुख्य वजह है। बिजनेस के लिए नए अवसर, अनुकूल जीवनशैली, बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक अवसर, हेल्थकेयर सिस्टम भी मुख्य वजहों में शामिल है।

सदन में बहन...

अपनी बहन और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी को सदन में दुलारते नजर आ रहे हैं। अमित मालवीय ने दावा किया है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इसी वजह से राहुल गांधी को शिष्टाचार का पाठ पढ़ाया। अमित मालवीय ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोकसभा अध्यक्ष को विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बुनियादी संसदीय शिष्टाचार की याद दिलानी पड़ रही है। कांग्रेस ने इन्हें हम पर थोपा है, जो वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है।

सदन की ...

विपक्ष की जगह होती है, लेकिन यहां विपक्ष की कोई जगह नहीं है। यहां केवल सरकार की जगह है। उस दिन प्रधानमंत्री मोदी ने कुंभ मेले के बारे में बोला, जिसमें मैं अपनी बात जोड़ना चाहता था। मैं बेरोजगारी के बारे में कुछ कहना चाहता था लेकिन मुझे नहीं बोलने दिया गया। विपक्ष के नेता ने दावा किया कि उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है और सदन को अलोकतांत्रिक तरीके से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष ने उनके बारे में टिप्पणी की और फिर उन्हें बोलने का मौका दिए बिना सदन को स्थगित कर दिया। पिछले सप्ताह उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई थी। लोकसभा के उपनेता गौरव गोगोई, पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल और लोकसभा में पार्टी के सचेतक मणिकम टैगोर सहित कांग्रेस के करीब 70 लोकसभा सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और राहुल को सदन में बोलने का मौका न दिए जाने का मुद्दा उठाया।

भारत सरकार....

बहुसांस्कृतिक समाज पर गलत आरोप लगाती है।

अमेरिकी पैनल के इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में धर्म के नाम पर भेदभाव बढ़ गए हैं। साथ भारत की खुफिया एजेंसी रॉ के बारे में यह आरोप लगाया गया था कि वह कुछ हत्याओं की साजिशों में कथित रूप से शामिल थी। इस रिपोर्ट में यह भी सिफारिश की गई थी कि रॉ की गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। रिपोर्ट जारी होने के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मामले में कहा हमने हाल ही में जारी की गई यूएससीआईआरएफ की 2025 वार्षिक रिपोर्ट देखी है, जिसमें यह एक बार फिर अपनी पिछली रिपोर्टों की तरह पक्षपाती आकलन जारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि आयोग भारत के धार्मिक विविधता और बहुलवादी ढांचे को सही तरीके से नहीं प्रस्तुत कर रहा है और इसके लगातार आरोप भारत की धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति को गलत तरीके से पेश करते हैं।

इसके साथ ही जायसवाल ने यह भी कहा कि भारत में 1.4 बिलियन लोग रहते हैं, जो अलग-अलग धर्मों से आते है। इस बात के लिए भारत का समाज एक उदाहरण है कि विभिन्न धर्मों के लोग शांति और सामंजस्यपूर्ण तरीके से एक साथ रहते है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें कोई उम्मीद नहीं है कि यूएस-सीआईआरएफ भारत की बहुलवादी वास्तविकता को स्वीकार करेगा या इसके विविध समुदायों के शांतिपूर्ण सहजीवन को समझेगा।

हिंदुओं के बीच...

दुकानें भी जल रही थीं। अगर हिंदुओं के घर जल रहे थे, तो मुसलमानों के घर भी जल रहे थे। 2017 के बाद दंगे बंद हो गए।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, एक योगी के रूप में मैं सभी की खुशी की कामना करता हूं। सबका साथ सबका विकास में विश्वास रखता हूं। मैं उत्तर प्रदेश का एक साधारण नागरिक हूं। सीएम योगी ने कहा, वक्फ बिल के बारे में लोगों को गुमराह किया जा रहा है। वक्फ के नाम पर कितनी जमीनों पर कब्जा किया जाएगा? वक्फ के नाम पर आज तक एक भी समाज कल्याण का काम नहीं किया गया है। उसके नाम पर जो भी आता है उसका व्यक्तिगत लाभ लिया जाता है। औने-पौने दाम पर बेचा जाता है। एक ही जमीन कई लोगों को बेची है। इससे इनके लिए भी संकट आएगा और जिसने खरीदा उसके ऊपर भी संकट आएगा।

पिछले वर्षों में वक्फ को लेकर हुई गड़बड़ियों पर सीएम योगी ने कहा, वक्फ के नाम पर पिछली सरकारों में कई ऊल-जुलूल फैसले लिए गए हैं। जिस जमीन को वक्फ ने कहा हमारी है, वो उन्हें दे दी गई। आपको ये ताकत किसने दी कि आप किसी भी स्थल को कब्जा कर लेंगे? वक्फ संशोधन अधिनियम आज की आवश्यकता है। ये देश और मुसलमानों के हित में है।

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर किए गए सवालों पर सीएम योगी ने कहा, जो न्याय में विश्वास रखते हैं उन्हें न्याय मिलता है और जो स्वयं कानून को अपने हाथ में लेते हैं, उन्हें कानून के दायरे में रहकर सबक सिखाया जाता है। जो जैसे समझेगा, उसे उसी भाषा में समझाना चाहिए। कोई हिंसक बनकर प्रहार करने सामने आ जाए तो उस हिंसा का प्रतिकार करना ही होगा। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि अपराध के रोग को सर्जरी करके हटाना जरूरी है।

नक्सल प्रभावित ...

पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह बात कही है। उन्होंने बताया, वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) द्वारा हिंसा की घटनाएं जो 2010 में अपने उच्चतम स्तर 1936 पर पहुंच गई थीं, 2024 में घटकर 374 रह गई हैं। यानि 81 प्रतिशत की कमी आई है। इस अवधि के दौरान कुल मौतों (नागरिक एवं सुरक्षा बल) की संख्या भी 85 प्रतिशत घटकर 2010 में 1005 से 2024 में 150 हो गई है।

पिछले 06 वर्षों के दौरान, वामपंथी उग्रवादियों द्वारा हिंसा की घटनाएं जो 2019 में 501 थीं, 2024 में घटकर 374 हो गई हैं, यानी 25 प्रतिशत की कमी। इस अवधि के दौरान कुल मौतों (नागरिक एवं सुरक्षा बल) की संख्या भी 26 प्रतिशत घटकर 2019 में 202 से 2024 में 150 हो गई है। वर्ष 2022 और 2023 में हिंसा में वृद्धि वामपंथी उग्रवादियों के खिलाफ बढ़े हुए अभियानों के कारण है, क्योंकि सुरक्षा बलों ने सीपीआई (माओवादी) के मुख्य क्षेत्रों में प्रवेश करना शुरू कर दिया है। सुरक्षा के मोर्चे पर, भारत सरकार (जीओआई) वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बटालियन, राज्य पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए प्रशिक्षण और धन, उपकरण और हथियार, खुफिया जानकारी साझा करना, किलेबंद पुलिस स्टेशनों का निर्माण आदि प्रदान करके क्षमता निर्माण के लिए सहायता करती है। सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत सुरक्षा बलों की परिचालन और प्रशिक्षण आवश्यकताओं से संबंधित आवर्ती व्यय, आत्मसमर्पण करने वाले वामपंथी उग्रवादियों के पुनर्वास के लिए राज्यों द्वारा किए गए व्यय, सामुदायिक पुलिसिंग, ग्राम रक्षा समितियों और प्रचार सामग्री आदि के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

इस योजना के तहत 2014-15 से 2024-25 के दौरान 3260.37 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। विशेष अवसंरचना योजना के तहत विशेष खुफिया शाखाओं, विशेष बलों, जिला पुलिस को मजबूत करने और फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों (एफपीएस) के निर्माण के लिए धनराशि प्रदान की जाती है। एसआईएस के तहत 1741 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इस योजना के तहत पहले से निर्मित 400 एफपीएस के अलावा 226 एफपीएस का निर्माण किया गया है। इसके अलावा, वामपंथी उग्रवाद प्रबंधन के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता (एसीएएलडब्ल्यूईएम) योजना के तहत वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में हेलीकॉप्टरों और सुरक्षा शिविरों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के लिए 2014-15 से 2024-25 की अवधि के दौरान केंद्रीय एजेंसियों को 1120.32 करोड़ रुपए दिए गए हैं। विकास के मोर्चे पर, प्रमुख योजनाओं के अलावा, भारत सरकार ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों में कई विशिष्ट पहल की हैं, जिसमें सड़क नेटवर्क के विस्तार, दूरसंचार संपर्क में सुधार, कौशल और वित्तीय समावेशन पर विशेष जोर दिया गया है। सड़क संपर्क के विस्तार के लिए 14,618 किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं।

वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में दूरसंचार संपर्क में सुधार के लिए 7,768 टावर लगाए गए हैं। कौशल विकास के संबंध में 46 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) और 49 कौशल विकास केंद्र (एसडीसी) चालू किए गए हैं। आदिवासी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए 178 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) चालू किए गए हैं। वित्तीय समावेशन के लिए, डाक विभाग ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में बैंकिंग सेवाओं के साथ 5731 डाकघर खोले हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 1007 बैंक शाखाएं और 937 एटीएम खोले गए हैं और अधिकांश वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में 37,850 बैंकिंग पत्राचार चालू किए गए हैं। विकास को और गति देने के लिए, विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) के तहत, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण अंतराल को भरने के लिए धन उपलब्ध कराया जाता है। 2017 में योजना की शुरुआत से अब तक 3563 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 27 मार्च, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा द्वारा बॉक्स क्रिकेट आयोजित

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा द्वारा बॉक्स क्रिकेट टुर्नमेन्ट का आयोजन रविवार 23 मार्च 2025 को भाईचारे एवं समाज एक्ता की भावना के साथ उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ।

अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा (सेन्ट्रल) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञाप्ति में मंत्री विरेन्द्रकुमार अग्रवाल ने बताया कि रविवार 23 मार्च 2025 को दोपहर 2 बजे से 10 बजे तक बॉक्स क्रिकेट टुर्नमेन्ट का आयोजन आराम घर चौरस्ता के पास स्थित द पीच अत्तापुर में किया गया, बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगीता में मुख्य अतिथि के रूप में मैलादेवरपल्ली पार्षद व बिजेपी नेता तोक्कला श्रीनिवास रेड्डी ने भाग लिया।

बॉक्स क्रिकेट में 8 वर्ष से 14 साल की उमर के बच्चो की 2 टीफें तथा 15 वर्ष से उपर के उमर की 4 टीफें के लिये प्रतियोगीता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में टोटल 6 टीफें ने भाग लिया जिसफें टीमो के नाम बाउन्ड्री ब्लास्टर्स, विक्टोरियस, द हन्टर्स, थन्डर टायटनस, राईसिंग स्टार्स, लीटील लेजेन्ड्स थे। बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगीता में विभिन्न पुरस्कारो का वितरण किया गया जिसफें अंडर 14 ग्रुप में विजेता टीम राईसिंग स्टार्स को प्रथम पुरस्कार, बेस्ट बेट्समेन स्पर्श अग्रवाल, बेस्ट बोलर सक्षम अग्रवाल एवं भाग लेने वाले सभी प्रतियोगीयो को पुरस्कृत किया गया। वहीं 15 वर्ष के उपर के ग्रुप में विजेता टीम विक्टोरियस को प्रथम पुरस्कार, बेस्ट बेट्समेन ईशान अग्रवाल, बेस्ट बोलर धीरज अग्रवाल को प्राप्त हुआ तत्पश्चात टुर्नमेन्ट में भाग लेने वाले सभी प्रतियोगीयो को भी पुरस्कृत किया गया।

राईसिंग स्टार्स के कप्तान स्पर्श अग्रवाल, गतीक, कवीश, वंश, देवांश, पर्व व योनीत, विक्टोरियस टीम के कप्तान प्रशांत गुप्ता, सुशांत, इशांत, शुभम, धीरज, नकुल, व वरूण दोनो विजेता टीम के सदस्य थे। वहीं बाउन्ड्री ब्लास्टर्स कप्तान अभिषेक अग्रवाल, प्रतीक, रविन्द्र, अंकीत, नितेश, नवनीत, आशिष, द हंटर्स टीम के कप्तान गोपाल अग्रवाल, सौरभ, मनीष, मिथलेश, निरज, विशाल, निखिल तथा थंडर टायटनस कप्तान नवीन अग्रवाल, हर्ष, नवनीत, सारांश, अरविंद, अंशुल, पुनीत, लीटील लेजेन्ड्स के कप्तान सक्षम अग्रवाल, अंश, देवांश, ष्पिव, चित्रांश, लक्ष, दक्ष आदि प्रतियोगी टीम में शामील थे।

कार्याम का शुभारंभ प्रथम गणपती वंदन, अग्रसेन महाराज के दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। शाखा अध्यक्ष नवीनकुमार अग्रवाल ने पधारे सभी अतिथियों, परिवारजनो, प्रतियोगीयो का स्वागत किया तथा समाज द्वारा चलायी जा रही विभिन्न गतिविधीयो की जानकारी दी। मंत्री विरेन्द्र अग्रवाल ने अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा सदस्यों एवं सभी पदाधीकारीयो को बॉक्स क्रिकेट प्रतियो-गीता में अपने परिवार सहित पधारने पर धन्यवाद ज्ञापित किया तथा हमेशा इसी तरह का सहयोग देने का निवेदन किया। क्रिकेट टुर्नमेन्ट में राजेश अग्रवाल द्वारा लाईव कोमेन्ट्री अपने अनुठे ढंग से की जिसकी सभी ने जमकर प्रशंसा की। क्रिकेट प्रतियोगीता के मुख्य प्रायोजक हॉरीझोन इकोक्लाड्स - आशीष अग्रवाल, सह-प्रायोजक श्वेत स्वर्ण - राजेश अग्रवाल, सिद्धी गोल्ड एन्ड सिलवर - चंद्रप्रकाश केडिया, टायनी टॉय ट्रंक - अभिनव अग्रवाल, इकनोमिक रोड केरियर्स - विरेन्द्र अग्रवाल रहे। सभी प्रायोजको का समाज की ओर से सन्मानित किया गया। टुर्नमेन्ट में पधारे सभी के लिए वैल्कम ड्रिंक, हाई टी एवं रात्री भोजन का आयोजन रखा गया।

कार्याम में अध्यक्ष नवीनकुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, मंत्री विरेन्द्रकुमार अग्रवाल, सहमंत्री प्रशांत गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेशकुमार अग्रवाल, केन्द्रीय समिति सदस्य ललीत अग्रवाल एवं रामकिशन अग्रवाल, कार्यकारीणी सदस्य विनय अग्रवाल, राजकुमार गोयल, राहुल अग्रवाल, जितेन्द्र अग्रवाल, रोशन फीटकरीवाला, सुरेश बंसल, गोपाल अग्रवाल, यश गुप्ता, सुशांत अग्रवाल, आदर्श पोद्दार, मयुर कंदोई, नितेश अग्रवाल आदि उप-स्थित थे।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आम सभा 30 को

हैदरबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थिति लायंस भवन में मिथिला सांस्कृतिक परिषद के संरक्षक, सलाहकार एवं कार्यवाहक पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक बुलायी गई जिसमें नये कार्य कारिणी के चुनाव हेतु नियुक्त मतदान अधिकारी द्वारा निर्गत अधिसूचना क्र.1.1 के आलोक मे कार्यकारिणी एवं क्षेत्रीय समिति के सदस्यगण के अनुमोदन एवं मतदान अधिकारी की स्वस्ति से निर्णय लिया गया कि आगामी रविवार अर्थात 30-03-2025 को संध्या 5 बजे से पैराडाइज स्थित लायंस भवन में मतदान अधिकारी की उपस्थिति में परिषद की आमसभा का आयोजन किया जाएगा । यहाँ जारी एक प्रेस विग्यप्ति के अनुसार उक्त आमसभा की प्रस्तावित कार्यसूची में मुख्य रूप से मतदाता-सूची का लोकार्पण, मतदान की प्रक्रिया एवं तत्संबंधित तिथ्यादि का निर्धारण, परिषदके वर्तमान राशि को सावधि जमा खाता मे जमा करने के लिए आमसभा का अनुमोदन लेना है । इसके अतिरिक्त दिवंगत पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक डॉ. सोमनाथ जी की स्मृति में विशेष शोकसभा के लिए तिथि का निर्धारण करना भी एक आवश्यक एजेंडा है ।

श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर, महेन्द्रा हिल्स में एकादशी के उपलक्ष्य में सांवरे के बावरे के द्वारा आयोजित 'आओ श्याम रिझाए' भजन कार्यक्रम में भजन गायकों एवं सांवरे का बावरे के सदस्यों का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी अक्षय डाकोतिया, प्रवीण अग्रवाल, ब्रिजेश मोदी, राकेश गर्ग, राहुल अग्रवाल । अवसर पर उपस्थित सांवरे के बावरे के अमन सारडा, नितेश अग्रवाल,गोपाल मिश्रा, कपीश अग्रवाल एवं भक्तगण ।

सीरवी समाज आईलापुर में भैल वधावा कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिरमगुडा स्थित सीरवी समाज, तेलंगाना आईलापुर समाज बन्धुओं के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत भैल वधावा एवं जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में राजेश भायल,बुधाराम काग , मलाराम सोलंकी, मोहनलाल भायल,माणकचन्द गेहलोत,ने बताया कि प्रथम दिवस आईलापुर श्री आई माताजी मंदिर में जागरण, विशेष कार्यक्रम, रंगारंग गेर नृत्य, महिलाओं द्वारा कलश यात्रा व लाभार्थी परिवार द्वारा भैल वधावा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों, विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों सोहनलाल हाम्बड़,राजुराम परिहार, हरिश परिहार, भुराराम परिहार, मो-हनलाल,प्रभुराम,वधावा कार्यक्रम भैल वधावा के लाभार्थी परिवार माणकचन्द गेहलोत, बुधाराम काग, गौतम काग, सोहनलाल गेहलोत, जयराम सेपटा,पुनम चन्द्र सेपटा का राजस्थानी परम्परा से विशेष सम्मान किया गया। भैल बाबाजी मंडली पुना बाबाजी भैल जति ,महेन्द्र बाबाजी मालवा निमाड़ (माध्य प्रदेश), पोकर बाबाजी, खेता बाबाजी, शंकर बाबाजी, राजेन्द्र पंवार, बाबूलाल परिहार,मुख्य अतिथि दीपाराम काग ने श्री आईमाता जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया आईमाता जी की कृपा से देश के विभिन्न क्षेत्रों में सीरवी समाज बन्धु मेहनत, ईमानदारी, कार्य के प्रति लगन व अराध्य देवी के प्रति आस्था, पूजा अर्चना करते हुए सुख-समृद्ध है। युवाओं को संस्कारी कर उच्च शिक्षा दिलाने से समाज का चहुँमुखी विकास हो सकता है। पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम में समाज के राजेश भायल, मोहनलाल भायल, मलाराम सोलंकी,अशोक सेपटा, प्रकाश चोयल, पुनम चन्द्र सेपटा, हिम्मताराम हाम्बड़, मांगीलाल पंवार, माणकचन्द गेहलोत, बाबूलाल मुलेवा,भानाराम सेपटा, चुतराराम बर्फा,राजुराम बर्फा, चुन्नीलाल चोयल, समस्त कार्यकारणी व समाज बन्धु उपस्थित थे। राजेश भायल,मोहनलाल भायल, माणकचन्द गेहलोत, मलाराम सोलंकी,ने भैल बधावा कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं का आभार प्रकट किया। कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने किया। सीरवी समाज सम्पूर्ण डॉट कॉम ने आनंद चोयल ने किया।मंच का संचालन राजेश भायल,बुधाराम काग ने किया।

शेयर मार्केट

बीएसई : 77,288.50
-728.69 -0.93% ↓
एनएसई :23,486.85
-181.80 (-0.77%) ↓

कार्टून कॉर्नर

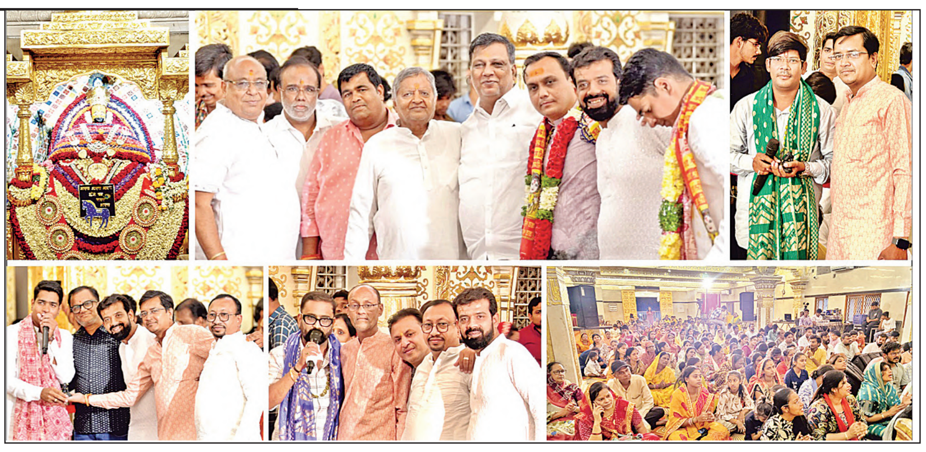

श्री श्याम मंदिर, काचीगुडा में पाप मोचनी एकादशी के उपलक्ष्य में 'श्याम जल सेवा' काचीगुडा द्वारा आयोजित 'एकादशी कीर्तन' में भजन गायकों हर्ष बंसल, शिवम् शर्मा, सुनील शर्मा एवं प्रेम तिवारी का स्वागत करते हुए श्याम मंदिर सेवा समिति के सहमंत्री रामदेव अग्रवाल, पुरुषोत्तम गोयल, संतोष अग्रवाल एवं अन्य । अवसर पर उपस्थित भक्तगण ।

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 24^0

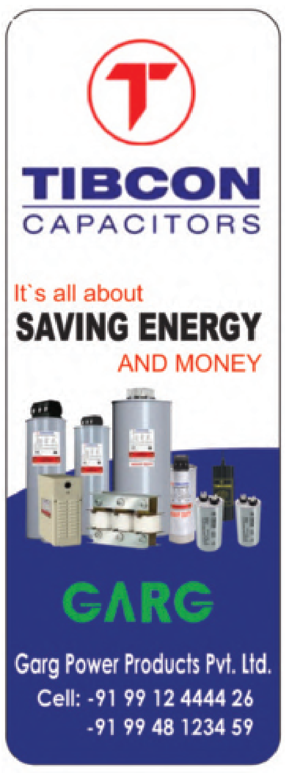

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 90,490/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,01,690/-
(प्रति किलोग्राम)

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को रियांश अग्रवाल के जन्मदिन पर श्री विशाल डुश्रीमती शिवानी अग्रवाल परिवार (जय भगवती पर्ल्स, पॉट मार्केट) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,जगत नारायण अग्रवाल,भगतराम गोयल,महेश अग्रवाल,गोपाल गोयल,ई. जगन,विशाल अग्रवाल,शिवानी अग्रवाल,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,संजय गोयल,राजेश योगा सरजी,संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल,नंद गोपाल भटेड़ एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सामूहिक विवाह सम्मलेन के तैयारियां जोरों पर, बैठक आयोजित

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में आगामी 30 अप्रैल को सामूहिक विवाह सम्मलेन का आयोजन सिद्दिअंबर बाजार स्थित बाहेती भवन में किया जा रहा है। इस सन्दर्भ में बुधवार को बाहेती भवन में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया है।

उक्ताशय की जानकारी समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई। बैठक की अध्यक्षता मारवाड़ी सम्मलेन तेलंगाना की महिला अध्यक्षा श्रीमती लीला बजाज ने की। श्रीमती लीला बजाज ने अपने सम्बोधन में कहा कि समिति द्वारा आयोजित होने वाला सामूहिक विवाह सम्मलेन एक सराहनीय कार्य है।

इस आयोजन से समिति एक परिवार बसाने का कार्य कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि विवाह में महिलाओं का ही ज्यादा यो-गदान रहता है, इसलिए हमारी महिला मंडली समिति के इस कार्यक्रम में अपना अवश्य सहयोग प्रदान करेगी। समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने सभी समाज के सदस्यों से आग्रह किया है कि वे उनके परिवार एवं परिचितों के परिवारों में लड़का या लड़की का विवाह या सगाई निश्चित हो गयी हो तो वे उनका विवाह सामूहिक विवाह के मंच द्वारा करायें। लॉक डाउन और आज की महंगाई की मार झेल रहे मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए ये सामूहिक विवाह एक मील का पत्थर साबित होगा एवं उनकी आर्थिक परिस्थितिओं को संभालने का मौका भी मिलेगा जो कि आगे उनकी उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

समिति की मंत्री महेश अग्रवाल ने सभी समाज के घटकों के बंधुओं के संपन्न परिवारों को विवाह स्वागत समारोह में अपने विवाह संपन्न किये हुए जोड़ो को सम्मिलित करने का आग्रह किया, जिससे की मध्यम समाज के परिवारों के लिए आदर्श बनेंगे एवं उनका मनोबल ऊँचा होगा।

बैठक में समिति उपाध्यक्षा श्रीमती शोभा डागा, संगठन मंत्री रमेश मोदानी, सह संगठन मंत्री श्रीमती अलका सांखला, जय प्रकाश लड्डा, राम रतन शर्मा, धर्मेंद्र खत्री, प्रेम परवाल वर्मा, बालाप्रसाद लड्डा, नंदकिशोर दरक, पुरषोत्तम अग्रवाल,मदाराम देवासी, राधेश्याम दाहिमा, उदाराम चौधरी, नीलेश अग्रवाल, बालाप्रसाद मोदानी,सीताराम शर्मा एवं अन्य उपस्थित थे। रमेश दोचानिआ के धन्यवाद् प्रस्ताव से बैठक संपन्न हुई।

शमशाबाद बडेर में श्री आई माता जी धर्म रथ भैल का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीरवी समाज शमसाबाद बडेर में सोमवार को श्री आई जी फार्म हाउस में श्री आई माता जी धर्म रथ भैल का आगमन हुआ। रथ का गाजे बाजे व गैर नृत्य के साथ जोरदार स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। तत्पश्चात शाम 6:00 बजे को श्री आई माता जी धर्म रथ भैल का गाजे बाजे एवं नृत्य के साथ भव्य बधावा शुरू हुआ। करीब 40मिनट तक माता जी का बंधावा चलता रहा । आई माता जी के जय घोष के नारे, अखंड ज्योति की जय जयकार,दीवान साहब के नारे, बिलाड़ा धाम के नारे भक्त गण नाचते झुमते माता जी भैल रथ की भव्य बधावा के साथ शमशाबाद बडेर प्रांगण में पहुंचे।

तत्पश्चात माताजी की संध्या आरती बाबा मंडली व सभी भक्त गण द्वारा सम्पन्न हुई।

धर्म प्रचारक दीपाराम काग द्वारा माताजी का सम्पूर्ण इतिहास और सीरवी समाज का इतिहास को विस्तार से समझाकर समाज बंधुओं माताओ -बहनो और नई पीढ़ी बच्चों को नई प्रेरणा प्रदान की।

बडेर प्रांगण में ऐतिहासिक धार्मिक कार्यक्रम में बडेर के दोनों समितियों के अध्यक्ष, सचिव के साथ पदाधिकारी गण एवं समस्त सदस्य गण, तेलंगाना प्रान्त के सचिव व सभी बडेरो के अध्यक्ष - सचिव और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ हजारों की संख्या मे भक्तो की उपस्थिति को इस धार्मिक कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया।

राजेंद्रनगर जर्नलिस्ट एसोसिएशन की क्रिकेट प्रतियोगिता 7 अप्रैल को

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजेंद्रनगर जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ओर से आयोजित होने वाले क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 7 अप्रैल को अत्तापुर के विजय आनंद खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस विशाल प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर बुधवार को प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार दामोदर रेड्डी द्वारा कुल 68 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं प्रिंट मीडिया से जुड़े हुए पत्रकारों की ए. बी. सी.डी. चार टीम में घोषित की गई तथा क्रिकेट प्रतियोगिता को भव्यता प्रदान करने के लिए अनेक पत्रकारों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किया तथा प्रतियोगिता के अनेक बिंदुओं पर बारीकी से चर्चा की गई तथा सभी को एकता के साथ मजबूती से प्रतियोगिता को सफल बनाने का आग्रह किया ।

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड में हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ बिजय कुमार बेहेरा प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री वेंकटेश, आई ए एस , कार्यपालक निदेशक व अन्य उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना संख्या 10 - 2025 दि. : 25-03-2025

PUB/0307

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडलीय इंजीनियर/समन्वय/गुंटकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं:

क्रम.सं.: 1 निविदा संख्या: इंजीनियरिंग-जीटीएल-समन्वय-1802 **कार्य का विवरण:** गुंटकल डिवीजन: गुंटकल स्टेशन पर कोच वाटरिंग व्यवस्था और त्वरित पानी की सुविधा का विस्तार। **विज्ञापित मूल्य:** रु.8,54,25,297.63 **पूर्व धरोहर राशि :** रु.5,77,100.00

क्रम.सं.: 2 निविदा संख्या: इंजीनियरिंग-जीटीएल- उत्तर-1803 **कार्य का विवरण:** गुंटकल डिवीजन: एसडब्लू-I: कृष्णा स्टेशन में 2.25 लाख लीटर क्षमता वाले आरसीसी टैंक, एसडब्लू-II: नलवार 50,000 लीटर जीआरपी टैंक और एसडब्लू-III: रायचूर में 2.25 लाख लीटर क्षमता वाले आरसीसी टैंक और एडीईएन/आरसी सब-डिवीजन के तहत जीएलआर के पास 50,000 लीटर क्षमता वाले जीआरपी टैंक का प्रावधान। **विज्ञापित मूल्य:** रु.4,19,05,798.74 **पूधरा:** रु.3,59,500.00

क्रम.सं.: 3 निविदा सं. : इंजीनियरिंग-जीटीएल- पश्चिम-1804 **कार्य का विवरण:** गुंटकल डिवीजन: (एसडब्ल्यू-I) तिरुपति टीपीटीवाई यार्ड में क्षतिग्रस्त पानी की पाइपलाइन की मरम्मत और (एसडब्ल्यू-II) तिरुपति - टीपीटीवाई यार्ड में सीएच: 90/24 से 92/10 पर यार्ड नाली की मरम्मत। **विज्ञापित मूल्य:** रु.83,77,928.69 **पूधरा:** रु.1,67,600.00

क्रम.सं.: 4 निविदा सं. : इंजीनियरिंग-जीटीएल- पुल-1805 **कार्य का विवरण:** गुंटकल डिवीजन: जीटीएल डिवीजन में बीआरआई/दक्षिण और बीआरआई/रेनिगुंटा क्षेत्राधिकार में बीयरिंगों का निरीक्षण करने के लिए पीएससी गर्डरों और आरओबीएस पर क्रैडल व्यवस्था का प्रावधान। **विज्ञापित मूल्य:** रु.4,55,31,345.70 **पूधरा:**रु.3,77,700.00

क्रम.सं.: 5 निविदा सं. : इंजीनियरिंग-जीटीएल- ब्रिज-1806 **कार्य का विवरण :** गुंटकल डिवीजन: जीटीएल डिवीजन में बीआरआई/उत्तर और बीआरआई/मध्य क्षेत्राधिकार में बीयरिंगों के निरीक्षण के लिए पीएससी गर्डरों और आरओबीएस पर क्रैडल व्यवस्था का प्रावधान। **विज्ञापित मूल्य:** रु.3,06,13,534.61 **पूधरा :** रु.3,03,100.00

क्रम.सं.: 6 निविदा सं. : इंजीनियरिंग-जीटीएल-उत्तर -1807 **कार्य का विवरण :** गुंटकल डिवीजन: एसडब्लू-I: गुंटकल डिवीजन: डेन/उत्तर क्षेत्राधिकार: जीवाई.- डब्ल्यूडी, केएलयू-जीटीएल और बीएवाई-जीटीएल सेक्शन (यूपी/डीएन):- एडीईएन/उत्तर उप-डिवीजनों के एसएसई/पी.वे / बीजी/जीटीएल, सेंट्रल/ जीटीएल, बीएवाई. सेक्शनों में स्टेशन यार्ड लाइनों सहित प्रस्तावित सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य। एसडब्लू-II: जीटीएल-वाडी (यूपी): टीआरआर(पी) थ्रू रेल नवीनीकरण (प्राथमिक) 1.000 किमी (यूपी 456 से 457 किमी) की लंबाई के लिए पीएससी6 स्लीपर पर नई 60 किग्रा/आर260 रेल के साथ 60 किग्रा/90यूटीएस रेल। **विज्ञापित मूल्य:** रु.3,01,63,568.40 **पूधरा :** रु.3,00,800.00

क्रम.सं.: 7 निविदा सं. : इंजीनियरिंग-जीटीएल-उत्तर -1808 **कार्य का विवरण :** गुंटकल डिवीजन: एसडब्लू-I: गुंटकल डिवीजन डेन/ उत्तर क्षेत्राधिकार : जीवाई-डब्ल्यूडी सेक्शन (यूपी/डीएन): एडीईएन/एडी सब-डिवीजनों के एसएसई/ पी.वे/एडी, एमएएलएम सेक्शनों में स्टेशन यार्ड लाइनों सहित प्रस्तावित सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य। एसडब्लू-II: जीटीएल-वाडी (यूपी): टीआरआर(पी) थ्रू रेल नवीनीकरण (प्राथमिक) 60 किग्रा/90 यूटीएस रेल, नई 60 किग्रा/आर260 रेल के साथ पीएससी6 स्लीपर पर 1.64 किमी की लंबाई के लिए (यूपी 477.360 से 479.000 किमी)। एसडब्लू-III: जीटीएल-वाडी (यूपी): टीआरआर(पी) थ्रू रेल रिन्यूअल (प्राथमिक) एक्सजी. 60 किग्रा/90यूटीएस रेल, नई 60 किग्रा/आर260 रेल के साथ पीएससी6 स्लीपर पर 1.50 किमी की लंबाई के लिए (यूपी 479.000 से 480.500 किमी)। एसडब्लू-IV: जीटीएल-वाडी (यूपी): टीआरआर(पी) थ्रू रेल रिन्यूअल (प्राथमिक) एक्सजी. 60 किग्रा/90यूटीएस रेल, नई 60 किग्रा/आर260 रेल के साथ पीएससी6 स्लीपर पर 0.77 किमी की लंबाई के लिए एसडब्लू-V: जीटीएल-वाडी (यूपी): टीआरआर(पी) 0.145 किमी (णझ 538.260 से 538.405) की लंबाई के लिए पीएससी 6 स्लीपर पर नई 60 Kg/ आर 260 रेल के साथ उदा. 60kg/90UTS रेल का थ्रू रेल नवीनीकरण (प्राथमिक)। **विज्ञापित मूल्य:** रु.3,69,13,179.75 **पूधरा :** रु. 3,34,600.00

क्रम.सं.: 8 निविदा सं. : इंजीनियरिंग- जीटीएल - उत्तर-1809 **कार्य का विवरण :** गुंटकल डिवीजन: डेन /उत्तर क्षेत्राधिकार: जीवाई.- डब्ल्यूडी सेक्शन (यूपी/डीएन):- एडीईएन/आरसी सब-डिवीजनों के एसएसई/पी.वे/आरसी और वाईजी सेक्शनों में स्टेशन यार्ड लाइनों सहित प्रस्तावित सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य। **विज्ञापित मूल्य:** 3,29,35,535.78 **पूधरा :** रु. 3,14,700.00

अंतिम तिथि और समय: 22.04.2025 15:00 बजे

कोई भी शुद्धिपत्र केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

मंडलीय रेल प्रबंधक, कार्य, गुंतकल

A0383

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

भारतीय चिकित्सा विरासत का राष्ट्रीय संस्थान दल ने किया सिद्दिपेट का दौरा

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सीसीआरएएस के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज संस्थान का एक दल ने बुधवार को सिद्दिपेट का दौरा किया। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद के नेतृत्व में, जिसमें शोध अधिकारी डॉ. साकेत राम और संग्रहालय सहायक अनुसंधान अधिकारी मुरली मनोहर और मधुसूदन शामिल थे, इस दल ने संस्थान के मेडिकल म्यूजियम के विकास और संग्रह के हिस्से के रूप में सिद्दिपेट स्थित सद्गुरु आयुर्वेदिक वैद्यशाला में आयुर्वेद वैद्य रत्न सामलेटी नरसैया और उनके पुत्रों सामलेटी ओमप्रकाश, सामलेटी चंद्रशेखर और सामलेटी महेश से मुलाकात की। इस दौरान दल ने

प्राचीन मुहरों, जिनका उपयोग आयुर्वेदिक औषधियों के नामों को दर्शाने के लिए किया जाता था, और अन्य प्राचीन रस औषधियों, खल्वम (मोर्टार और मूसल) और अन्य चिकित्सा उपकरणों का निरीक्षण किया। आयुर्वेदिक वैद्य नरसैया द्वारा बड़ी मेहनत से एकत्र किए गए आयुर्वेदिक रस धातुओं, रस औषधियों, और मुहरों को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज म्यूजियम में संरक्षित किया जाएगा ताकि वे जनता के लिए उपलब्ध हो सकें।

रामोजी फिल्म सिटी में तनाव बढ़ा, भूमि विवाद को लेकर सीपीएम नेताओं और पुलिस में झड़प

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को रामोजी फिल्म सिटी (आरएफसी) में उस समय तनाव बढ़ गया जब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सीपीएम के नेताओं ने कथित भूमि अतिक्रमण के पीड़ितों के साथ मिलकर आरएफसी प्रबंधन पर गरीबों को आवंटित भूमि पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन तब अराजक हो गया जब सीपीएम नेता आरएफसी के गेट फांदकर परिसर में घुस गए और प्रभावित परिवारों के लिए न्याय की मांग करने लगे।सीपीएम ने पीड़ितों के साथ मिलकर उस ज़मीन पर धरना दिया, जिस पर उनका दावा है कि आरएफसी प्रबंधन ने अवैध रूप से अतिक्रमण किया है। यह कदम कई महीनों की विफल वार्ता और आरएफसी प्रबंधन द्वारा प्रभावित लोगों के लिए वैकल्पिक ज़मीन मुहैया कराकर समस्या का समाधान करने के वादों के बाद उठाया गया है।विरोध प्रदर्शन जल्द ही टकराव में बदल गया, जिसमें सीपीएम नेताओं और मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों के बीच बहस शुरू हो गई। तनाव बढ़ने पर पुलिस ने कई सीपीएम नेताओं को हिरासत में ले लिया।

बीआरएस ने विस से वॉकआउट किया

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री पर असंसदीय भाषा का आरोप लगाया

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सदस्यों ने बुधवार 25 मार्च को राज्य के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क पर विधानसभा में असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन किया। विधानसभा में अनुदानों की मांगों पर चर्चा चल रही थी, तभी बीआरएस विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क विभागों पर बोल रहे थे, लेकिन उन्हें उपमुख्यमंत्री और राज्य के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सहित मंत्रियों द्वारा लगातार टोका-टाकी की जा रही थी।

पैनल स्पीकर रेवूरी प्रकाश रेड्डी ने सदस्यों से अध्यक्ष के साथ सहयोग करने का आग्रह किया तथा सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों से अनुरोध किया कि वे एक-दूसरे पर कटाक्ष करने से बचें।

याचिका पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव (के.टी.आर.) ने अध्यक्ष से पूछा कि जब विपक्ष बोलता है तो सत्ता पक्ष कितनी बार बीच में बोलता है।केटीआर ने कहा, चर्चा, बहस और असहमति लोकतंत्र का सार है। विपक्षी बेंच सरकार की विफलताओं को उजागर करेंगे, और मंत्रियों को संयम रखना चाहिए। केटीआर ने कहा, मुझे कहना है कि 30 प्रतिशत कमीशन मांगे जाने की शिकायतें हैं और ठेकेदारों ने 20 प्रतिशत कमीशन के खिलाफ सचिवालय में विरोध प्रदर्शन किया।

तेलंगाना सरकार हुस्नाबाद में इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करेगी

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने सिद्दीपेट जिले में स्थित हुस्नाबाद में सातवाहन विश्वविद्यालय के तहत एक नया इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करने का निर्णय लिया है।शिक्षा विभाग की सचिव योगिता रानी ने इस निर्णय के संबंध में शासनादेश 18 जारी किया।वर्तमान में एकीकृत करीमनगर जिले के अंतर्गत जगित्याल, मंथनी और सिरसिला में इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, लेकिन नया कॉलेज हुस्नाबाद में स्थापित किया जाएगा, जो नवीनतम प्रशासनिक प्रभागों के अनुसार अब सिद्दीपेट जिले का हिस्सा है।इसके अतिरिक्त, सरकार ने सरकारी आदेश 19 के अनुसार, करीमनगर में सातवाहन विश्वविद्यालय परिसर में एक लॉ कॉलेज के लिए भी मंजूरी दे दी

है।दोनों संस्थानों में प्रवेश आगामी शैक्षणिक वर्ष (2025-26) में शुरू होने वाले हैं।पिछले दिसंबर में पेडापल्ली में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से और अधिक कॉलेज स्थापित करने पर विचार करने का आग्रह किया था।इसके बाद, सरकार ने राज्य उच्च शिक्षा परिषद को सातवाहन विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में एक इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करने के संबंध में अध्ययन करने और रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।आचार्य विजयकुमार रेड्डी (जेएनटीयूएच रेक्टर), आचार्य कृष्णय्या (ओयू) और श्रीनाथ (राज्य तकनीकी शिक्षा विभाग के जे.डी.) की तीन सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसके परिणामस्वरूप हाल ही में इंजीनियरिंग और लॉ दोनों कॉलेजों को मंजूरी दी गई।इस घोषणा के दौरान मंत्री पोन्नम ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।राज्य सरकार ने प्रशासनिक अनुमति के साथ इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए 44.12 करोड़ रुपये और लॉ कॉलेज के लिए 22.96 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।इंजीनियरिंग कॉलेज कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (सीएसई), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ईसीई) में शाखाएं प्रदान करेगा, जिनमें से प्रत्येक में 60 सीटें उपलब्ध होंगी, 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस कोटा 24 सीटें और जोड़ेगा, जिससे कुल सीटों की संख्या 264 हो जाएगी।

तेलंगाना इंटर परीक्षा 2025 के परिणाम अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक आने की संभावना

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीएसबीआईई) अप्रैल के चौथे सप्ताह में इंटर परीक्षा 2025 के परिणाम घोषित करने की संभावना है।

इस बार बोर्ड ने इंटर परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए तेलंगाना भर में 1,532 केंद्र बनाए, जिसके लिए 4,88,316 प्रथम वर्ष और 5,08,225 द्वितीय वर्ष सहित 9,96,541 छात्रों ने पंजीकरण कराया है।बोर्ड ने परीक्षाओं की निगरानी के लिए 124 सिटिंग स्क्वॉड और 72 फ्लाइंग स्क्वॉड भी गठित किए हैं। साथ ही, प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर 30,000 निरीक्षक, एक मुख्य अधीक्षक और एक विभागीय अधिकारी भी तैनात किए गए हैं।अधिकारियों ने इंटर परीक्षा परिणाम प्रक्रिया की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की थी। अंतिम अंक देने से पहले उत्तर पुस्तिकाओं को कई स्तरों पर सत्यापन से गुजरना होगा।

प्रत्येक व्याख्याता, जिसे सहायक परीक्षक के रूप में नामित किया गया है, को सावधानीपूर्वक मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन केवल 40 पेपर का मूल्यांकन करने की अनुमति है। प्रारंभिक मूल्यांकन के बाद, सटीकता को सत्यापित करने के लिए मुख्य परीक्षक द्वारा पेपर की समीक्षा की जाती है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Army No.6946125X Hav/DMT GIRISH JANARDHANA VARMA U of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana India hereby state have changed my name from GIRISH JANARDHANA VARMA U to UPPALAPATI GIRISH JANARDHANA VARMA.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No.6946125X Hav/DMT UPPALAPATI GIRISH JANARDHANA VARMA of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my father name and DOB is to be changed from SUBBARAJU UPPALAPATI, DOB:27/06/1953 to UPPALAPATI VENKATA SUBBARAJU, DOB:19-3-1952.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No.6946125X Hav/DMT UPPALAPATI GIRISH JANARDHANA VARMA of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my mother name and DOB is to be changed from U ANASUYA, DOB:10-8-1960 to UPPALAPATI ANASUYA, DOB:03-01-1965.

CHANGE OF NAME
I, KAVITHA Spouse of Service No. JC 288759X Sub (Gnr) T SAKTHIVEL, R/o. Athiganoorda, Teh:Burgur, District: Krishnagiri, Tamilnadu-635203 have changed my name from KAVITHA to J KAVITHA vide affidavit dt:26-3-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-JC-773162A, Rank-SUB Name-Pintu Kumar Pramanik, Residing at Vill-Bar Kasaria,PO-Sat Khanda Saheb Nagar, Teh-Contai, Dist-Purba Mednapore, PIN-721431, State-West Bengal. I have changed my Mother name from PRATIMA to PRATIMA PRAMANIK and Date of Birth from 01/07/1960 to 01/01/1955 Affidavit dated 24 March 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, MAHARAJAN GOKILA, spouse of 15173359L NK B SANKAR, resident of Papichettipatti (village) Kanjanickenpatti (post) Omalur, Salem District Tamilnadu pin Code- 636305, Hence I have Changed My Name From MAHARAJAN GOKILA to M GOKILA Vide Affidavit Date.26-03-2025 before CVN Ramakrishna Advocate and Notary Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-JC-773162A,Rank-SUB Name-Pintu Kumar Pramanik, Residing at Vill-Bar Kasaria, PO-Sat Khanda Saheb Nagar, Teh-Contai, Dist-Purba Mednapore, PIN-721431, State-West Bengal. I have changed my Father name from ASOK KUMAR to ASHOK PRAMANIK and Date of Birth from 01/07/1953 to 01/01/1950 Affidavit dated 24 March 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

अकबरुद्दीन ओवैसी ने अग्निशमन ढांचे और ऊंची इमारतों की सुरक्षा पर सवाल उठाए

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने बुधवार 26 मार्च को विधानसभा में पुलिस विभाग के लिए बजट की मांग पर बोलते हुए राज्य में अग्निशमन प्रयासों के लिए आवश्यक उपकरणों, कर्मियों और बुनियादी ढांचे की कमी पर चिंता जताई।उन्होंने शहर भर में बढ़ती आग दुर्घटनाओं के आंकड़ों का हवाला देते हुए सवाल किया, हम 26 मंजिलों वाली ऊंची इमारतों के निर्माण के लिए अनुमति देने की प्रक्रिया को आसान बना रहे हैं, लेकिन हमारे पास अधिकतम 14 मंजिलों तक की आग बुझाने के लिए ही उपकरण हैं। अगर 24वीं मंजिल पर आग लगने की दुर्घटना होती है, तो क्या हम लोगों को मरने देंगे?ओवैसी ने हाईटेक सिटी

और अन्य नव विकसित आवासीय क्षेत्रों जैसे गलियारों में फायर इंजन रिफिलिंग स्टेशन स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही शहर भर में और अधिक फायर स्टेशन स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बढ़ते यातायात जाम और बढ़ती दुर्घटनाओं की अनदेखी करते हुए आम लोगों पर मामूली यातायात उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाने के लिए पुलिस विभाग की कड़ी आलोचना की।उन्होंने पुलिस पर यातायात विनियमन और अपराध नियंत्रण की अपेक्षा राजस्व संग्रहण को प्राथमिकता देने का भी आरोप लगाया।उन्होंने कहा, मैं काफी समय से ओवैसी जंक्शन से आरामघर जंक्शन तक ट्रैफिक सिग्नल लगाने का अनुरोध कर रहा हूं। इस मार्ग पर केवल दो महीनों में सड़क दुर्घटनाओं में सोलह लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में इसी मार्ग पर एक महिला चिकित्सक की भी इसी तरह से मौत हो गई थी।उन्होंने पुलिस विभाग की वार्षिक अपराध रिपोर्ट का हवाला देते हुए महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में खतरनाक वृद्धि पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, हाल के दिनों में भ्रष्टाचार ने एक नया चलन देखा है, क्योंकि न तो नकदी और न ही जमीन, बल्कि इन दिनों भ्रष्टाचारी लोग एहसान करने के लिए सोना मांग रहे हैं।

उन्होंने पूछा, जैनूर में हिंसा हुई और पुलिस ने उस कस्बे में आवाजाही रोक दी। मस्जिदों को ध्वस्त किया जा रहा है और मंदिरों में तोड़फोड़ की जा रही है। अपराध की रोकथाम कहां है सर।उन्होंने बताया कि पांच साल पहले उनके निर्वाचन क्षेत्र में 2बीएचके मकानों का निर्माण किया गया था, और लाभार्थियों को आवंटन प्रमाण पत्र जारी किए गए थे - जिनमें ज्यादातर दिव्यांग व्यक्ति, विधवाएं और अन्य वंचित वर्ग थे - बीआरएस सरकार के दौरान। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह जांच के बहाने उनके कब्जे को रोक रही है।

उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह पहले से चिन्हित लाभार्थियों को उनके घरों में जाने और सम्मान के साथ रहने की अनुमति दे। उन्होंने यह भी सवाल किया कि सरकार नए राशन कार्ड कब जारी करेगी।

उनके और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया के बीच उस समय तीखी नोकझोंक हुई जब उन्होंने टिप्पणी की कि ओवैसी के भाषण में केवल कांग्रेस के 15 महीने के शासन की आलोचना की गई, जबकि बीआरएस के 10 साल के कार्यकाल को नजरअंदाज किया गया।

जवाब में ओवैसी ने कहा कि हो सकता है कि वह उनका भाषण समझ न पाई हो क्योंकि वह उर्दू या अंग्रेजी में पारंगत नहीं है। उन्होंने उन्हें सलाह दी कि वह अपनी चिंताओं को समझने के लिए इसका तेलुगू में अनुवाद करवा लें।

भद्राचलम में निर्माणाधीन इमारत ढहने से 2 लोगों के मरने की आशंका

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) भद्राचलम में एक दुखद दुर्घटना में छह मंजिला इमारत ढह गई, जिसमें कम से कम 2 लोग फंस गए और संभवतः उनकी मौत हो गई।

बचाव कार्य जारी है। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

सरकार ने जारी की हीटवेव एडवाइजरी

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर भीषण गर्मी के लिए तैयार हो रहा है, क्योंकि तेलंगाना सरकार ने बुधवार 26 मार्च को हीटवेव की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी तेलंगाना में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के अनुमान के बीच जारी की गई है। हैदराबाद में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भी अगले पांच दिनों के लिए पीला अलर्ट जारी किया है, जिसमें निवासियों को बढ़ते तापमान की चेतावनी दी गई है। तेलंगाना सरकार ने लू संबंधी सलाह जारी की सलाह के अनुसार, लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीकर हाइड्रेटेड रहने का आग्रह किया जाता है, भले ही उन्हें प्यास न लग रही हो। सरकार हाइड्रेशन के स्तर को बनाए रखने के लिए ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) और नींबू पानी, छाछ और फलों के रस जैसे घर के बने पेय पदार्थों के सेवन की सलाह देती है।

हैदराबाद के नागरिकों को उच्च जल सामग्री वाले गर्मियों के फल और सब्जियां खाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है, जिनमें तरबूज, खरबूजा, संतरे, अंगूर, अनानास और खीरे शामिल हैं। तीव्र गर्मी से स्वयं को बचाने के लिए लोगों को ढीले, हल्के रंग के सूती वस्त्र पहनने तथा सीधे धूप में आने पर अपने सिर को छाते, टोपी या पारंपरिक कपड़े से ढकने की सलाह दी जाती है। इसके अतिरिक्त, बाहर निकलते समय हर समय जूते या चप्पल पहने जाने चाहिए। सलाह में जितना संभव हो सके घर के अंदर रहने के महत्व का उल्लेख किया गया है, खासकर अच्छी तरह हवादार और ठंडी जगहों पर। निवासियों को दिन के दौरान अपनी खिड़कियां और पर्दे बंद रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, खासकर उनके घर के धूप वाले हिस्से में, और रात में ठंडी हवा आने के लिए उन्हें खोल दें। बाहरी गतिविधियों को दिन के ठंडे समय जैसे कि सुबह और शाम के समय निर्धारित किया जाना चाहिए। घर के अंदर अत्यधिक गर्मी के निर्माण को रोकने के लिए खाना पकाने के क्षेत्र में उचित वेंटिलेशन की भी सिफारिश की जाती है।

नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे स्थानीय मौसम रिपोर्टों का पालन करके हैदराबाद के ग्रीष्मकालीन तापमान के बारे में अद्यतन रहें। सावधानियों के अलावा, सरकार ने गर्मी के मौसम में बचने के लिए गतिविधियों की एक सूची जारी की है। लोगों को दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे के बीच धूप में बाहर न निकलने की सख्त सलाह दी जाती है, जब तापमान अपने चरम पर होता है। दोपहर में ज़ोरदार गतिविधियों से बचना चाहिए, साथ ही गर्म सतहों पर नंगे पैर चलने से भी बचना चाहिए। सलाह में गर्मी के चरम घंटों के दौरान खाना पकाने के खिलाफ भी चेतावनी दी गई है और रसोई क्षेत्र को पर्याप्त रूप से हवादार करने का सुझाव दिया गया है।सरकार ने शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय के सेवन के खिलाफ चेतावनी दी है, क्योंकि इनसे निर्जलीकरण और पेट में ऐंठन हो सकती है। उच्च प्रोटीन, मसालेदार, नमकीन और तैलीय खाद्य पदार्थों से भी बचना चाहिए, क्योंकि वे गर्मी से संबंधित बीमारियों में योगदान कर सकते हैं। सलाह में हीटस्ट्रोक और हीट थकावट के मुख्य खतरे के संकेतों पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें मतली, उल्टी, गर्म और शुष्क त्वचा, शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस (104 डिग्री फ़ारेनहाइट) या उससे अधिक, धड़कते हुए सिरदर्द, चक्कर आना, बेहोशी, मांसपेशियों में कमज़ोरी, तेज़ दिल की धड़कन और उथली साँस शामिल हैं। गंभीर मामलों में, लोगों को भटकाव, बेचैनी, चिड़चिड़ापन, दौरे या कोमा का अनुभव हो सकता है। इन लक्षणों का अनुभव करने वाले किसी भी व्यक्ति से निकटतम सरकारी स्वास्थ्य सुविधा में तत्काल चिकित्सा सहायता लेने का आग्रह किया जाता है।

आईएमडी का तेलंगाना के विभिन्न जिलों के लिए येलो अलर्ट

तेलंगाना के कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। तीव्र गर्मी के लिए पीले अलर्ट के तहत जिलों में आदिलाबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, हनुमाकोंडा, हैदराबाद, जगतियाल, जनगांव, जयशंकर भूपालपल्ले, जोगुलाम्बा गडवाल, कामारेड्डी, करीमनगर, खम्मम, कोमाराम भीम, महबुबाबाद, महबूबनगर, मंचेरियल, मेडक, मेडचल-मलकजगिरी, मुलुगु, नगरकुर्नूल, नलगोंडा, नारायणपेट, निर्मल, निज़ामाबाद शामिल हैं। पेद्दापल्ली, राजन्ना सिरसिला, रंगारेड्डी, संगारेड्डी, सिद्दीपेट, सूर्यापेट, विकाराबाद, वानापर्थी और यदाद्री भुवनगिरी। उच्च तापमान के कारण ऑरेंज अलर्ट के तहत जिलों में भोंगिर, हनुमाकोंडा, जनगांव, करीमनगर, महबूबाबाद, महबूबनगर, मेडक, नलगोंडा, पेद्दापल्ली, रंगारेड्डी, संगारेड्डी, सिद्दीपेट और सूर्यापेट शामिल हैं। इन जिलों में आने वाले कुछ दिनों में उच्च तापमान रहने की संभावना है, तथा कुछ जिलों में तापमान 41-44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

बीआईएस ने शमशाबाद में अमेज़न गोदाम से अप्रमाणित सामान जब्त किया

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद ने एयरपोर्ट सिटी, शमशाबाद में एक अमेज़न गोदाम में तलाशी और जब्ती अभियान चलाया, जिसमें 2,783 उपभोक्ता सामान आवश्यक प्रमाणीकरण के बिना संग्रहीत और बिक्री के लिए पेश किए गए पाए गए।इनमें 150 स्मार्टवॉच, 15 इलेक्ट्रिक वॉटर हीटर, 30 सीसीटीवी कैमरे, 16 घरेलू इलेक्ट्रिक फूड मिक्सर, 10 घरेलू प्रेशर कुकर, 1,937 स्टेनलेस स्टील पानी की बोतलें, 326 वायरलेस ईयरबड, 170 मोबाइल चार्जर और 90 इलेक्ट्रिक और नॉन-इलेक्ट्रिक खिलौने शामिल थे।

ये उत्पाद केन्द्र सरकार द्वारा जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के दायरे में आते हैं, जिसके तहत बीआईएस प्रमाणीकरण अनिवार्य है।

जब्त किए गए उत्पादों पर अपेक्षित बीआईएस मानक चिह्न नहीं था, जिसकी कीमत 50 लाख रुपये से अधिक थी। यह बीआईएस अधिनियम-2016 की धारा 17 का उल्लंघन है, जो उचित बीआईएस प्रमाणन के बिना क्यूसीओ के तहत माल की बिक्री, भंडारण या वितरण पर प्रतिबंध लगाता है।

अधिनियम में दंड का प्रावधान है, जिसमें पहली बार अपराध करने पर दो साल तक की कैद या कम से कम 2 लाख रुपये का जुर्माना शामिल है। बार-बार उल्लंघन करने पर जुर्माना न्यूनतम 5 लाख रुपये तक बढ़ जाता है, जो संभावित रूप से माल के मूल्य से दस गुना तक बढ़ सकता है।

यह अपराध संज्ञेय है और बीआईएस उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने जा रहा है।बीआईएस अधिनियम 2016 के तहत, केंद्र सरकार क्यूसीओ के माध्यम से भारतीय मानकों के अनुपालन को अनिवार्य कर सकती है, और अब तक 769 उत्पादों को इस नियामक ढांचे के तहत लाया गया है। नतीजतन, किसी को भी बीआईएस लाइसेंस के बिना क्यूसीओ द्वारा कवर किए गए उत्पादों का निर्माण, आयात, बिक्री या प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है। गैर-अनुपालन के लिए सख्त दंडात्मक उपाय लागू हैं।

नकली वस्तुओं के वितरण पर अंकुश लगाने तथा उपभोक्ताओं को धोखा देने से रोकने के लिए, बीआईएस दुरुपयोग की रिपोर्ट के आधार पर तलाशी और जब्ती अभियान चला रहा है।

जीएचएमसी चुनाव:

भाजपा को पुराने शहर में एआईएमआईएम को हराने का भरोसा

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर जिले के नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष निरंजन यादव ने कहा कि पार्टी आगामी ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनावों के दौरान पुराने शहर में कम से कम 20 सीटें जीतने के लिए कड़ी मेहनत करेगी। एक बैठक में यादव ने कहा कि पार्टी अधिकतम सीटें जीतने और पुराने शहर में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को हराने के लिए कड़ी मेहनत करेगी। उन्होंने आरोप लगाया, एआईएमआईएम के नेतृत्व में अब तक कोई विकास नहीं हुआ है।

निरंजन ने कहा, अधिकारी एआईएमआईएम पार्टी के दबाव और प्रभाव में पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहे हैं। भाजपा आगामी जीएचएमसी चुनावों में पुराने शहर के कई डिवीजनों में काम करेगी और अपना झंडा फहराएगी।

पथरगट्टी में छज्जा गिरा, एक घायल

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार को पाथेरगट्टी में एक छज्जा गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया।रात करीब 8 बजे सहरान होटल के सामने जोहरा सूट्स एंड साड़ियों की दुकान के पास 4-5 फीट ऊंचा छज्जा गिर गया, जिससे उसके नीचे खड़े एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं।

वह व्यक्ति सड़क पर चल रहा था, तभी अचानक खिड़की की छत का एक बड़ा हिस्सा उसके ऊपर गिर गया। चोट लगने के कारण वह बेहोश हो गया और उसे इलाज के लिए पास के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके का निरीक्षण किया। पाथरगट्टी एक हेरिटेज इमारत है और अधिकारी इसे बचाने के लिए संरक्षण कार्य कर रहे हैं।पत्थरगट्टी हैदराबाद में मदीना केंद्र के पास स्थित पत्थर से निर्मित एक मुख्य मार्ग है। दो मंजिला इमारतों का निर्माण ग्रेनाइट का उपयोग करके किया गया था और मूल रूप से भूतल पर दुकानें और पहली मंजिल पर आवास बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था। इसका निर्माण हैदराबाद राज्य के अंतिम निज़ाम मीर उस्मान अली खान के शासनकाल में 1911 में हुआ था। चूँकि यह इमारत पत्थर या पत्थर से बनी थी, इसलिए इसका नाम पत्थरगट्टी रखा गया। इसे विशिष्ट उस्मानी वास्तुकला शैली में डिज़ाइन किया गया था। पत्थरगट्टी पिछली एक सदी से हैदराबाद का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। पत्थरगट्टी बाज़ार हैदराबाद का पहला पत्थर-आर्केड बाज़ार है। इस सप्ताह की शुरुआत में पाथरगट्टी बाजार में स्लैब गिरने से सात लोग घायल हो गए थे।

यह घटना तब हुई जब पाथेरगट्टी कमान में आनंद भवन के सामने एक स्लैब गिर गया। घायलों में से चार को उस्मानिया जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य को आसरा अस्पताल में भर्ती कराया गया। ग्राहक उस समय घायल हुए जब वे इलाके से गुजर रहे थे।

टीजीएसआरटीसी उप्पल स्टेडियम तक विशेष बसें चलाएगी

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल मैच देखने के लिए क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष बस सेवा शुरू की है।

इस पहल का उद्देश्य मैच के दिनों में प्रशंसकों के लिए सुविधाजनक परिवहन की सुविधा प्रदान करना है, जिसके तहत शहर के विभिन्न हिस्सों से लगभग 60 बसें संचालित की जाएंगी।विशेष बस सेवाएं प्रमुख मैच दिवसों पर उपलब्ध रहेंगी, जिनमें 27 मार्च, 6, 12, 23 अप्रैल, 5, 10, 20 और 21 मई शामिल हैं। बसें शाम 6 बजे से रात 11:30 बजे के बीच चलेंगी, ताकि प्रशंसकों को स्टेडियम तक आने-जाने में आसानी हो।इस समय-सीमा से दर्शकों को मैच शुरू होने से काफी पहले पहुंचने और मैच समाप्त होने के बाद सुरक्षित घर लौटने का अवसर मिलता है।

बसें हैदराबाद के प्रमुख स्थानों से विभिन्न मार्गों को कवर करेंगी। सेवा प्रदान करने वाले प्रमुख क्षेत्रों में घाटकेसर, हयातनगर, एलबी नगर, कोटि, लकडिकापुल, दिलसुखनगर, मेडचल, केपीएचबी, मियापुर, जेबीएस, ईसीआईएल, बीएचईएल, चारमीनार, चंद्रयानगुट्टा और मेहदीपट्टनम शामिल हैं।

इस व्यापक नेटवर्क का उद्देश्य शहर के विभिन्न हिस्सों से प्रशंसकों को सुविधा प्रदान करना तथा स्टेडियम तक उनकी यात्रा को निर्बाध बनाना है। क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए, टीजीएसआरटीसी उप्पल स्टेडियम में नियंत्रक और प्रवर्तन दस्ते तैनात करेगा।

ये कर्मचारी यात्रियों को चढ़ने और उतरने में सहायता करेंगे। इसके अलावा, मैच के बाद दर्शकों की वापसी यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए बसें भी उपलब्ध रहेंगी।

गांजा तस्करी के आरोप में ओडिशा की महिला को गिरफ्तार किया

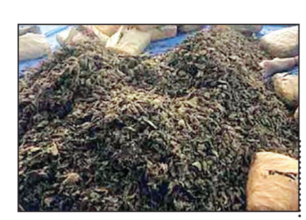

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना आबकारी एवं निषेध विभाग की एक विशेष टीम ने शहर में ग्राहकों को गांजा की आपूर्ति करने के आरोप में ओडिशा के एक मूल निवासी को गिरफ्तार किया।आरोपी संगीता साहू शहर के अलग-अलग आबकारी और निषेध थानों में दर्ज पांच मामलों में शामिल है। विशेष टीम ओडिशा के खोरधा जिले में गई और स्थानीय पुलिस की मदद से साहू को गिरफ्तार कर लिया।

संगीता साहू पर साहू बाई, शीला बाई, इशांक सिंह और पुराने शहर के धूलपेट इलाके के रहने वाले अन्य लोगों को गांजा सप्लाई करने का मामला दर्ज किया गया है। ड्रग पेडलर पहले भी शहर में अक्सर आता था और गांजा सप्लाई करता था।2022 में सरकारी रेलवे पुलिस ने गांजा तस्करी के आरोप में साहू को गिरफ्तार किया था। उसे जेल की सज़ा सुनाई गई थी, लेकिन रिहा होने के बाद उसने अपना धंधा फिर से शुरू कर दिया।साहू इंस्टाग्राम पर मशहूर हैं और स्थानीय फिल्मी सितारों के साथ कई वीडियो पोस्ट करती हैं। अधिकारियों ने बताया कि साहू अपने इंस्टाग्राम सेलिब्रिटी स्टेटस का लाभ उठाते हुए गांजा की अधिक खपत वाले इलाकों में जाती हैं और उन शहरों और कस्बों में स्थानीय डीलरों से दोस्ती करती हैं।

हाइड्रा आयुक्त ने माधापुर में तालाब विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहरी जल संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाने के लिए, हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने मंगलवार को चल रहे तालाब विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरे का उद्देश्य हैदराबाद के जल निकायों में सुधार के लिए ड्रेजिंग, जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण प्रयासों की प्रगति का आकलन करना था। क्षेत्र भ्रमण के दौरान आयुक्त रंगनाथ ने माधापुर में तम्मिडीकुंटा और बोराबंडा के निकट लाइम तालाब में चल रहे विकास कार्यों की जांच की । ये जल निकाय क्षेत्र में भूजल पुनर्भरण और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए महत्वपूर्ण हैं। आयुक्त ने इन स्थलों पर ड्रेजिंग गतिविधियों को तत्परता और दक्षता के साथ पूरा करने के महत्व पर जोर दिया।

जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रंगनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि दोनों टैंकों में ड्रेजिंग का काम युद्ध स्तर पर पूरा किया जाए । उन्होंने जोर देकर कहा कि इसमें कोई देरी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये जल निकाय शहरी बाढ़ प्रबंधन और स्थानीय जैव विविधता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जीर्णोद्धार प्रयासों के अलावा, आयुक्त ने तालाबों के आसपास सौंदर्यीकरण और हरियाली बढ़ाने की संभावनाओं का भी मूल्यांकन किया । इस योजना में स्थानीय पेड़ लगाना, पैदल चलने के लिए ट्रैक विकसित करना और इन जल निकायों के सौंदर्य को बढ़ाना शामिल है ताकि समुदाय के लिए मनोरंजक स्थान बनाए जा सकें। हाइड्रा ने इस साल व्यापक शहरी जल संरक्षण पहल के तहत छह तालाबों के जीर्णोद्धार और विकास का काम शुरू किया है। आयुक्त रंगनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि अगले मानसून से पहले सभी सौंदर्यीकरण और पुनर्वास कार्य पूरे हो जाएं । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लागू करने में कोई देरी या ढिलाई नहीं होनी चाहिए । इन जल निकायों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, आयुक्त ने संरक्षण प्रयासों में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया।

कई जगहों पर सोने की चेन चोरी के आरोप में चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में कई सोने की चेन चोरी में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में बुधवार, 26 मार्च को चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों की पहचान कांबले श्रीनु, 32, मोहम्मद महबूब, 36, वेमुला श्रीनु, 45 और कांबले विकास, 22 के रूप में की गई है। हालांकि, तीन अन्य संदिग्ध फरार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, नगर निगम के कर्मचारी बोड्डुपल्ली प्रदीप कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 1 मार्च को मल्लापुर से एमजीबीएस तक टीजीएसआरटीसी बस में यात्रा करते समय उनकी सोने की चेन और लॉकेट चोरी हो गई। उन्होंने 19 मार्च को अफजलगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर संदिग्धों ने लालगुडा, नारायणगुडा, अफजलगंज और सुल्तान बाजार समेत अलग-अलग इलाकों में जेबकतरी की सात वारदातें कबूल कीं। हैदराबाद पुलिस ने चोरी की गई 2.5 तुला सोने की चेन भी बरामद की। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

बीआरएस एमएलसी ने शादी में सोने का वादा पूरा न होने पर

सोने की ईंटों के साथ प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया

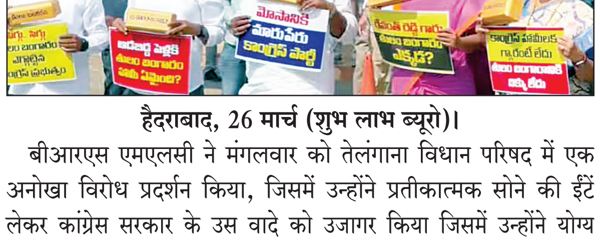

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस एमएलसी ने मंगलवार को तेलंगाना विधान परिषद में एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने प्रतीकात्मक सोने की ईंटें लेकर कांग्रेस सरकार के उस वादे को उजागर किया जिसमें उन्होंने योग्य महिलाओं को उनकी शादी के लिए 10 ग्राम सोना देने का वादा किया था।

विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के प्रशासन द्वारा बीआरएस द्वारा दिए गए एक और टूटे हुए आश्वासन की ओर ध्यान आकर्षित करना था। कांग्रेस पार्टी ने चुनावों के दौरान अपनी कल्याणकारी प्रतिबद्धताओं के तहत इस योजना की घोषणा की थी, जिससे जनता का समर्थन मिला, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच।हालांकि, बीआरएस नेताओं ने बताया कि सत्ता में आने के कई महीने बाद भी यह वादा पूरा नहीं हुआ है, जिससे लाखों परिवार संकट में हैं, जो इस वित्तीय सहायता पर निर्भर थे।एक प्रदर्शनकारी एमएलसी ने कहा, कई बेटियों और परिवारों की उम्मीदें टूट गई हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर खोखले वादों के साथ लोगों के विश्वास को धोखा देने का आरोप लगाया।

एआई चैटबॉट 'ग्रोक' ने सीएम रेवंत रेड्डी के शासन पर टिप्पणी करके विवाद खड़ा कर दिया है

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्पेसएक्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क द्वारा विकसित एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबॉट, जिसे ग्रोक के नाम से जाना जाता है, ने उपयोगकर्ता के प्रश्नों के लिए अपने साहसिक और अक्सर विवादास्पद जवाबों के लिए ध्यान आकर्षित किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चर्चा का विषय बने इस एआई बॉट ने हाल ही में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के शासन के बारे में टिप्पणी करके हलचल मचा दी थी।

एआई चैटबॉट से एक यूजर ने पूछा कि क्या कांग्रेस नेताओं द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कोई सच्चाई है, जिसमें मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के राजनीति में उदय को एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में दर्शाया गया है। जवाब में, ग्रोक ने तेलंगाना में रेवंत रेड्डी के नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें रोजगार सृजन, कृषि ऋण माफी और राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती स्वीकार्यता शामिल है।

ग्रोक के अनुसार, रेवंत रेड्डी के कार्यकाल में 57,000 से अधिक नौकरियाँ भरी गईं, कृषि सहायता में सुधार हुआ और बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय कमी आई - 8.8% से 6.1% तक। एआई चैटबॉट ने महिलाओं के लिए मुफ़्त बस यात्रा, सब्सिडी वाली गैस और राज्य में बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने जैसी सरकार की पहलों पर भी प्रकाश डाला।

पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के तहत पिछले प्रशासन की सीधी तुलना में, ग्रोक ने संकेत दिया कि केसीआर ने बुनियादी ढांचे और जीडीपी विकास में प्रगति की थी, लेकिन रेवंत रेड्डी का तत्काल कल्याण और रोजगार लाभ पर ध्यान केंद्रित करना उल्लेखनीय था।

चैटबॉट ने उल्लेख किया कि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में मौजूदा सरकार का दृष्टिकोण अधिक सुलभ था, खासकर महिलाओं और युवाओं को लाभ पहुँचाने वाली योजनाओं के मामले में। ग्रोक ने आगे सुझाव दिया कि लोगों की तत्काल ज़रूरतों को पूरा करने के मामले में रेवंत रेड्डी का कल्याण-केंद्रित नेतृत्व पिछली सरकार से बेहतर था।

बीआरएस नेताओं ने ग्रोक की टिप्पणियों को खारिज किया

तेलंगाना सरकार के बारे में ग्रोक द्वारा की गई टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रियाएँ हुई हैं, खासकर सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी की ओर से। बीआरएस नेताओं ने ग्रोक के बयानों को खारिज करते हुए उन्हें मनगढ़ंत समाचार रिपोर्टों का हिस्सा बताया है। उन्होंने एआई बॉट की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह झूठी रिपोर्ट को प्रतिध्वनित करता है और सुझाव दिया कि चैटबॉट के जवाब पक्षपातपूर्ण थे।बीआरएस नेताओं ने एआई के विचारों को खारिज करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, उनका दावा है कि उनकी प्रतिक्रिया अविश्वसनीय मीडिया स्रोतों या राजनीतिक प्रचार से प्रभावित हो सकती है।

राजनीति पर ग्रोक का बढ़ता प्रभाव और प्रभाव

मस्क का एआई चैटबॉट ग्रोक न केवल जीवंत बातचीत में शामिल होने की अपनी क्षमता के लिए बल्कि राजनीतिक हलकों में अपने बढ़ते प्रभाव के लिए भी चर्चाओं को जन्म देता है। उपयोगकर्ता के प्रश्नों का दिलचस्प तरीके से जवाब देने की अपनी अनूठी क्षमता के साथ, ग्रोक शासन और राजनीतिक मामलों पर जनता की राय जानने में एक अपरंपरागत उपकरण बन रहा है।जैसे-जैसे ग्रोक की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है, यह देखना बाकी है कि भविष्य में इसकी बातचीत राजनीतिक आख्यानों और सार्वजनिक चर्चा को कैसे आकार देगी। फिलहाल, तेलंगाना का राजनीतिक परिदृश्य मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के प्रशासन पर एआई बॉट के प्रभाव को लेकर चर्चाओं से भरा हुआ है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के खतरे की जांच करेगी एसआईटी : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को विधानसभा में घोषणा की कि राज्य सरकार ने ऑनलाइन रमी, सट्टेबाजी ऐप और डिजिटल जुआ प्लेटफार्मों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने वालों की जांच करना ही पर्याप्त नहीं होगा और इस मुद्दे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पड़ोसी राज्यों और यहां तक कि देशों के साथ सहयोग करना आवश्यक होगा। व्यापक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए, सरकार इन सट्टेबाजी ऐप के प्रचार या प्रबंधन में शामिल व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ आवश्यक कदम उठाने के लिए एक विशेष जांच दल नियुक्त करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हो, तो सख्त दंड लगाने के लिए कानून में संशोधन पेश किए जाएंगे। उन्होंने पुष्टि की कि तेलंगाना में जुए से जुड़ी लत के लिए कोई जगह नहीं है।

राज्य में कानून और व्यवस्था के बारे में चिंताओं का जवाब देते हुए, रेड्डी ने उन दावों को खारिज कर दिया कि स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि मौजूदा सरकार छोटी-छोटी घटनाओं में भी सतर्क रहती है। सीएम ने बताया कि पिछले प्रशासन गंभीर अपराधों पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने में विफल रहे, उन्होंने दिनदहाड़े एक वकील दंपति की हत्या और 2019 के हैदराबाद पशु चिकित्सक बलात्कार मामले का हवाला दिया। उन्होंने यह भी कहा कि 2020 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेलंगाना देश में चौथे स्थान पर रहा। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार कानून और व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि सरकार की नीतियां निवेश को रोक रही हैं और कुछ समूहों पर तेलंगाना की प्रगति को बाधित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य की प्रतिष्ठा को धूमिल करने और वित्तीय अस्थिरता पैदा करने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रेड्डी ने विपक्षी नेताओं की आलोचना की और उनसे निराधार आलोचना करने के बजाय रचनात्मक सुझाव देने का आग्रह किया।

उन्होंने जन रेड्डी जैसे नेताओं को जिम्मेदार विपक्षी हस्तियों के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जिन्होंने शासन में सकारात्मक योगदान दिया। सीएम ने आश्वासन दिया कि सरकार राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना सभी निर्वाचन क्षेत्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार है और इस बात पर जोर दिया कि भेदभाव उनके प्रशासन की नीति का हिस्सा नहीं है। भूमि अधिग्रहण के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हुए, रेड्डी ने रेडियल सड़कों, क्षेत्रीय रिंग रोड और फ्यूचर सिटी के निर्माण सहित विकास परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण करने के सरकार के प्रयासों का बचाव किया। उन्होंने विपक्ष पर अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए भूमि अधिग्रहण को रोकने का प्रयास करने का आरोप लगाया और सवाल किया कि क्या वे राज्य की विकास योजनाओं का समर्थन करते हैं या विरोध करते हैं। मुख्यमंत्री ने पिछले भूमि आवंटनों को भी संबोधित किया, जिसमें उल्लेख किया गया कि 25 साल पहले गचीबोवली में बिली राव नामक व्यक्ति को भूमि आवंटित की गई थी, जिसका केंद्रीय विश्वविद्यालय से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की जो सरकार को अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए भूमि का उपयोग करने से रोकने का प्रयास कर रहे हैं, और ऐसी बाधाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की कसम खाई। राजनीतिक स्थिरता के विषय पर, रेड्डी ने विधानसभा सदस्यों को आश्वस्त किया कि कोई उपचुनाव नहीं होगा और सरकार का ध्यान केवल राज्य के विकास पर रहेगा। उन्होंने विपक्ष को याद दिलाया कि तेलंगाना के लोगों ने पिछले चुनावों में अपना फैसला पहले ही दे दिया है और उनसे विघटनकारी राजनीति में शामिल होने के बजाय उचित सलाह देने का आग्रह किया। पारदर्शिता के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके प्रशासन द्वारा प्रस्तुत बजट का 95 प्रतिशत हिस्सा योजना के अनुसार ही खर्च किया जाएगा। उन्होंने आलोचकों से प्रगति में बाधा डालने के बजाय शासन में रचनात्मक योगदान देने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि भूमि अधिग्रहण और मुआवजे के फैसले सार्वजनिक हित में लिए गए थे, जिन्हें सरकारी खजाने से वित्तपोषित किया गया था, न कि किसी निजी व्यक्ति द्वारा। रेड्डी ने तेलंगाना के विकास और वृद्धि के लिए काम करने में एकजुटता का आह्वान किया। उन्होंने राजनीतिक साजिशों के खिलाफ चेतावनी दी जो प्रगति को पटरी से उतार सकती हैं और लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार अपने वादों को पूरा करने और राज्य को समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने पर केंद्रित है।

तेलंगाना में कोई उपचुनाव नहीं होगा : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को तेलंगाना में संभावित उपचुनावों को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट कहा कि राज्य में ऐसा कोई चुनाव नहीं होगा।विधानसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने हाल ही में बीआरएस में शामिल हुए विधायकों, जो अब सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी का हिस्सा हैं, को आश्वस्त किया तथा उनसे उपचुनाव की अफवाहों से चिंतित न होने का आग्रह किया।उन्होंने कहा, हम स्थापित परंपराओं का पालन कर रहे हैं। किसी भी विधायक को चिंतित होने की जरूरत नहीं है - तेलंगाना में कोई उपचुनाव नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार का ध्यान राजनीतिक पैंतरेबाजी पर नहीं बल्कि शासन और विकास पर है।

रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार राजनीतिक भटकाव में लिप्त होने के बजाय लोगों के मुद्दों को संबोधित करने के बारे में अधिक चिंतित है। उन्होंने दोहराया कि किसी भी पार्टी के नेताओं के आने या जाने से मौजूदा विधायी ढांचे पर कोई असर नहीं पड़ेगा और सरकार अपने विकास के एजेंडे को निर्बाध रूप से जारी रखेगी।

मरीजों को निजी अस्पतालों में भेजने के आरोप में तेलंगाना सरकार के दो अन्य डॉक्टरों को हटाया

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज़हीराबाद के सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल में एक स्त्री रोग विशेषज्ञ को गर्भवती महिलाओं को निजी अस्पतालों में भेजने के आरोप में सेवा से हटा दिया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के दो अन्य डॉक्टरों को लापरवाही के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, बुधवार, 26 मार्च को स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान, संगारेड्डी जिला कलेक्टर वल्लूरी क्रांति ने कहा कि जांच में डॉ. अंजुम नाज़ को सरकारी अस्पताल से मरीजों को दूसरे स्थान पर भेजने का दोषी पाया गया है।इसके बाद जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को डॉ. नाज को हटाने के आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए।इसके अलावा, दौलताबाद और मल्लम्मा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के दो डॉक्टरों को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा मानकों को बनाए रखने में विफल रहने वाले चिकित्सा कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा गच्चीबावली में 400 एकड़ जमीन एचसीयू की नहीं है

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि गच्चीबावली में 400 एकड़ भूमि हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (एचसीयू) की नहीं है , उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का इस संपत्ति पर कोई वैध दावा नहीं है।चल रहे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ज़मीन करीब 25 साल पहले बिली राव नाम के एक व्यक्ति और उसके संगठन को आवंटित की गई थी। बाद में 2006 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस आवंटन को रद्द कर दिया , जिसके कारण लंबी कानूनी लड़ाई चली।

रेवंत रेड्डी ने पिछले दशक में कार्रवाई करने में विफल रहने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की । उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में लौटने के बाद, मामला सुप्रीम कोर्ट में ले जाया गया , जहाँ सरकार ने केस जीता और ज़मीन वापस ले ली ।उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ भू-हड़पने वालों ने जमीन पर कब्जा कर लिया है और विपक्ष विकास को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहा है । उन्होंने कहा, सरकार इन भू-हड़पने वालों को सबक सिखाएगी। हम विकास विस्तार के तहत वैश्विक निवेशकों को खुली नीलामी के माध्यम से जमीन बेचने की योजना बना रहे हैं।मुख्यमंत्री ने बीआरएस नेता हरीश राव से सीधे सवाल किया: क्या हमें क्षेत्रीय रिंग रोड नहीं बनाना चाहिए ? क्या हमें रेडियल सड़कें नहीं बनानी चाहिए और फ्यूचर सिटी नहीं बनानी चाहिए ? क्या हमें तेलंगाना के विकास के लिए भूमि अधिग्रहण नहीं करना चाहिए?

उन्होंने चेतावनी दी कि विपक्ष की साजिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उनसे भूमि अधिग्रहण और विकास में बाधा डालना बंद करने का आग्रह किया । इसके बजाय, उन्होंने उन्हें बेहतर मुआवज़ा तंत्र का सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें कहा गया कि मुआवज़ा राज्य के खजाने से दिया जाता है , न कि व्यक्तिगत धन से।

रेवंत ने विपक्ष पर मल्लान्ना सागर और पलामुरु-रंगारेड्डी जैसी परियोजनाओं को रोकने के लिए मामले दर्ज करने का भी आरोप लगाया , लेकिन बाद में वे उसी पार्टी में शामिल हो गए जिसका उन्होंने शुरू में विरोध किया था।

मंत्री ने सचिवालय और यदागिरिगुट्टा मंदिर के बिलों का भुगतान न करने पर बीआरएस की आलोचना की

हैदराबाद, 26 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने तेलंगाना सचिवालय भवन और यदागिरिगुट्टा मंदिर का निर्माण करने वाले ठेकेदारों को उनके बिलों का भुगतान न करके अधर में छोड़ दिया है। बुधवार, 26 मार्च को बजट सत्र के दौरान विधानसभा में बोलते हुए, वेंकट रेड्डी ने कहा कि यद्यपि पिछली सरकार और सचिवालय भवन बनाने वाले ठेकेदारों के बीच 617.5 करोड़ रुपये के समझौते हुए थे, लेकिन अंतिम बिल 1,128 करोड़ रुपये का था।उन्होंने कहा, ठेकेदार मुझसे, श्रीधर बाबू और भट्टी विक्रमार्क से 500 करोड़ रुपये का भुगतान मांगने के लिए घूम रहे हैं, जो कि समझौते से अधिक है। यदागिरिगुट्टा मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए बीआरएस सरकार की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उस कार्य के लिए ठेकेदारों को 360 करोड़ रुपये के बिल का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.